सुप्रभात
रांची, मंगलवार
20.08.2024
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com

khabarmantra.net भादो, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 41 | 12

मोदी 21 अगस्त से पोलेंड और यूक्रेन की यात्रा पर

न्यूज डायरी

जेके में आज जारी होगी चुनाव की अधिसूचना

नयी दिल्ली। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना आज जारी की जायेगी। पहले चरण में अनंतनाग, शोपिंया, कुलगाम, रामबन, किश्तवाड़ और डोडा जिले के 24 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा।

सीआरपीएफ अधिकारी आतंकी हमले में शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक अधिकारी शहीद हो गये। क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया था। उसी दौरान उधमपुर के दादू इलाके में घात लगाये आतंकियों ने संयुक्त पार्टी पर हमला बोल दिया। हमले में गोली लगने से घायल अधिकारी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पश्चिम बंगाल की लड़की से झारखंड में दुष्कर्म

रांची। पश्चिम बंगाल में एक डॉक्टर की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला अभी थमा भी नहीं था कि झारखंड में बंगाल की एक लड़की से दुष्कर्म का मामला आया है। इस लड़की से राजधानी रांची के एक होटल में दुष्कर्म किया गया। उसने यहां से लौटने के बाद कोलकाता में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई। राजधानी के एक होटल में जांच करने के लिए पश्चिम बंगाल की पुलिस सोमवार को पहुंची। यह मामला चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित होटल एवीएन प्लाजा का है, जहां बंगाल के पुरुलिया जिले की पुलिस जांच के लिए पहुंची। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले पुरुलिया जिले के बागमुंडी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की अपने प्रेमी के साथ इस होटल में आकर रूकी रही थी।

रसगुल्ला गले में अटका युवक की हो गयी मौत

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह थाना क्षेत्र के पाटमहुलिया में एक रसगुल्ले से एक नाबालिग की जान चली गयी। युवक ने बेड पर लेटे-लेटे रसगुल्ला खा लिया। इससे रसगुल्ला गले में अटक गया। उसकी हालत देखकर उसके चाचा ने मुंह में हाथ डालकर आधा रसगुल्ला बाहर निकाला लेकिन आधा रसगुल्ला गले में अटका ही रह गया। उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्पतालों में सुरक्षा तैनाती में 25 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। सरकार ने केंद्र सरकार के सभी अस्पतालों में सुरक्षा तैनाती में 25 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है। मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के अलावा सरकारी अस्पतालों की व्यक्तिगत मांगों के आधार पर मार्शलों की तैनाती को भी मंजूरी दी जाएगी। कोलकाता की घटना के बाद केंद्रीय कानून की मांग को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में रेजिडेंट डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प. बंगाल, दिल्ली, हरियाणा सहित छब्बीस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानून पारित किए हैं।

देशभर में हर्षोल्लास के साथ मना भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्योहार

रक्षाबंधन

देशभर में रक्षाबंधन का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की को राखी बांधी और उनकी समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कीं। भाईयों ने भी बहनों की रक्षा का वचन दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनकी बड़ी बहन अंजनी सोरेन, चचेरी बहन आशा सोरेन, संचला हेम्ब्रम एवं रेखा सोरेन ने राखी बांधी और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने भी राज्यवासियों को श्रावण पूर्णिमा तथा पावन पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी।

देवघर स्थित बाबाधाम में भोलेनाथ पर दो लाख से अधिक भक्तों ने चढ़ाया जल

पांचवीं सोमवारी

श्रावण मास की अंतिम और पांचवीं सोमवारी पर राज्यभर के शिवालयों और मंदिरों में स्थापित शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए भारी उत्साह देखा गया। रांची के पहाड़ी मंदिर में एक लाख से अधिक श्रद्धलुओं ने जलाभिषेक किया। वहीं देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक लिए 2 किलोमीटर तक लंबी लाइन लगी रही। सोमवार को यहां दो लाख से अधिक शिवभक्तों ने बाबा के दर्शन किये व उनका जलाभिषेक किया। यहां अब स्पर्श पूजा भी शुरू हो गयी।

रक्षाबंधन पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा

माता-बहनों के अधिकार के लिए करते रहेंगे काम

उपलब्धियां

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रक्षाबंधन पर अपने संदेश में कहा कि राज्य की आधी आबादी को अधिकार और सम्मान देने के लिए वह एक भाई व बेटे की तरह काम कर रहे हैं। पिछले साढ़े चार सालों में उन्होंने महिलाओं को लिए कई योजनाओं पर काम किया। कई योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारा। इसका लाभ बहनों व महिलाओं को हो रहा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर महिलाओं के लिए शुरू हुए छह योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि वे महिलाओं के अधिकार व सम्मान के लिए काम करते रहेंगे। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत राज्य की 48 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपया दिया जा रहा है। अगर एक परिवार में तीन या चार बहनें हैं, तो सभी को अलग-अलग राशि मिलती है। झारखंड देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां 50 वर्ष से अधिक उम्र की विधवा, परित्यक्त या एकल महिला को सरकार प्रति माह एक हजार रुपया पेंशन देती है। राज्य की 10 लाख किशोरियों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत सरकार 40 हजार रुपया की सहायता देती है। सखी मंडल से जुड़ी महिलाओं को पूर्व की सरकारों से 12 गुणा अधिक राशि दी। इसके अलावा 35 हजार महिलाओं को फूलो-झानो अभियान से जोड़ कर उन्हें ₹50 हजार तक दिये। अबुआ आवास योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, हरा राशन कार्ड योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, साईकिल वितरण योजना भी है।

बन्ना गुप्ता ने मंत्री चंपई सोरेन को बताया विभीषण, लगाया आरोप

जब बुरे वक्त से गुजर रहा था गठबंधन तब भाजपा से नजदीकियां बढ़ा रहे थे चंपई दा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मंत्री बन्ना गुप्ता ने पूर्व सीएम और मंत्री चंपाई सोरेन के रवैये पर सवाल उठाते हुए उन्हें विभीषण की संज्ञा दी है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि झारखंड का इतिहास जब भी लिखा जायेगा, चंपई सोरेन का नाम विभीषण के रूप में दर्ज होगा। जिस पार्टी और माटी ने उनको सब कुछ दिया, उसको ठुकरा कर अपने आत्मसम्मान को गिरवी रखकर वे सरकार को तोड़ने का कार्य कर रहे थे लेकिन समय रहते जब चीजें सामने आ गयीं तो सोशल मीडिया में पोस्ट कर रहे हैं जबकि हकीकत है कि वे अपनी करनी पर पछतावा कर रहे हैं और मुँह छुपा रहे हैं।

बन्ना बोले

अनुकंपा के आधार पर मिली कुर्सी को अधिकार समझने लगे थे चंपई दा...

बन्ना गुप्ता ने लिखा है कि गुरुजी ने एक साधारण व्यक्ति को जमशेदपुर से निकाल कर पहचान दी, उनको मान सम्मान दिया, हर संभव मदद किया। पार्टी में अपने बाद का ओहदा दिया। जब जब जेएमएम की सरकार बनी, उसमें मंत्री बनाया, हर निर्णय का सम्मान किया लेकिन उसके बदले चंपाई दा ने राज्य को मौका परस्ती के दलदल में झोंकना चाहा। हेमंत सोरेन जब जेल गये तो उन्होंने सभी सत्ता पक्ष के विधायकों से चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने की बात कही तो सबने हेमंत जी की बात को माना। उन्होंने लिखा है कि जब हमारे नेता जेल से छूटकर आ रहे थे तो चंपई सोरेन कैबिनेट की बैठक में व्यस्त थे। उस समय कांग्रेस समेत झामुमो के मंत्रिमंडल के साथियों ने भी कैबिनेट में यह बात उठायी थी। हर विभाग में उनका हस्तक्षेप था, हर मंत्रालय में वे खुद निर्णय लेने लगे थे, तब उनको नेतृत्व में तानाशाही महसूस नहीं हुआ था क्या?

हेमंत सोरेन सरकार का कार्यकाल रावण राज वाला : भाजपा

भाजपा ने मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बन्ना गुप्ता चंपई सोरेन को विभीषण बता रहे हैं तो यह स्पष्ट हो गया कि हेमंत सरकार का कार्यकाल रावण राज वाला है। बन्ना गुप्ता ने अपनी सरकार की सच्चाई उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि चाटुकारिता में बन्ना गुप्ता शब्दों की मर्यादा भूल गये और कोल्हान के कद्दावर आदिवासी नेता का अपमान कर दिया।

> भाजपा में शामिल होने के संबंध में चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। चंपई सोरेन झारखंड अलग राज्य गठन के आंदोलन का हिस्सा भी रह चुके हैं। वे एक मंजे हुए राजनेता हैं और वे अपनी राह खुद तय करेंगे।
>
> **बाबूलाल मरांडी,भाजपा**

बन्ना गुप्ता ने लिखा है कि जब पार्टी और गठबंधन बुरे दौर से गुजर रहा था तो वे भाजपा नेताओं से अपनी सेटिंग बैठा रहे थे। जब हमारे नेता जेल में थे तो केंद्र सरकार की कानून बदलने वाली योजना को हर अखबार के प्रमुख पन्नों में अपनी फोटो के साथ छपवा कर कौन सा गठबंधन धर्म निभा रहे थे? जबकि इंडी गठबंधन देश में इसका विरोध कर रहा था लेकिन चंपई दादा भाजपा नेतृत्व को खुश करने में लगे हुए थे!

पेज 2 भी देखें...

प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या मामले की ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा

पीड़िता के नाखूनों के नीचे मिले खून और स्कीन आरोपी संजय राय के ही

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस की ऑटोप्सी रिपोर्ट में अहम खुलासा हुआ है। रविवार को जारी रिपोर्ट में मिले साक्ष्य से साबित हो गया है कि रेप और मर्डर में आरोपी संजय रॉय शामिल था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता के नाखूनों के नीचे खून और स्कीन मिले हैं, जो संजय रॉय के ही हैं। डीएनए टेस्ट में इसकी पुष्टि हुई है। माना जा रहा है कि हाथापाई के दौरान संजय रॉय की स्कीन पीड़िता के नाखून में आ गयी। रिपोर्ट के मुताबिक गला दबाने से डॉक्टर की जान गयी थी। ट्रेनी डॉक्टर के शरीर पर संघर्ष और चोट के निशान भी मिले हैं। उसके चेहरे पर भी खरोंच वाले जख्म मिले हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि जब पीड़िता को संजय रॉय ने हवस का शिकार बनाया, तब वह सो रही थी।

सीबीआई की टीम कोलकाता पुलिस मुख्यालय पहुंची

कोलकाता। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मामले में सीबीआई की जांच तेज हो गयी है। सोमवार को सीबीआई की एक टीम कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार पहुंची। जानकारी के अनुसार घटना से पहले, आरोपित ने जिन सड़कों पर यात्रा की थी, उन सभी जगहों के सीसीटीवी फुटेज पहले ही इकट्ठे किए जा चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि घटना की रात आरोपित ने एक रेड-लाइट एरिया का भी दौरा किया था और वहां की सड़कों के सीसीटीवी फुटेज भी सीबीआई एकत्र कर रही है। वहीं सोमवार को सीबीआई की एक टीम पीड़िता के घर भी गयी। इससे पहले गुरुवार को भी सीबीआई के पांच सदस्यों की एक टीम वहां गई

थी। उस दिन, जांचकर्ताओं ने मृत डॉक्टर की डायरी और किताबें खंगाली थीं। इधर सोमवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष चौथी बार सीबीआई दफ्तर में पेश हुए। बार-बार उन्हें तलब किए जाने के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

गला दबाने से टूटा थायरॉयड कार्टिलेज, हर अंग पर जख्म : ऑटोप्सी रिपोर्ट में आशंका जतायी गयी है कि आधी नींद में अचानक हमले के बाद ट्रेनी डॉक्टर ने बचाव के लिए चीखने की कोशिश की होगी, मगर आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया होगा। फिर उसने गला भी घोंटा। इस कारण ट्रेनी डॉक्टर की थायरॉयड कार्टिलेज भी टूटी हुई पायी गयी। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टर के होठ, पेट, आंख, दाहिना हाथ, उंगली पर खरोंच और चोट के निशान भी मिले हैं। उसके प्राइवेट पार्ट से भी खून बह रहा था। उसका कॉलरबोन भी टूटा हुआ था।

नंगी आंखों से सीमन का अंतर बताना मुश्किल : पुलिस सूत्रों का कहना है कि शव की जांच के दौरान कोई भी सीमन में अंतर के बारे में नहीं बता सकता है। इसकी जांच नंगी आंखों से करना मुश्किल है। बता दें कि इस केस की जांच अब सीबीआई कर रही है।

मादक पदार्थों की रोकथाम पर राज्य सरकार संवेदनशील बने : हाई कोर्ट

- एनसीबी ने कोर्ट को बताया- अफीम की खेती का पता लगाने वाला ऐप- बिजाग और इसका पासवर्ड झारखंड सरकार को दिया जा चुका है।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने सोमवार को मौखिक रूप से कहा कि राज्य में अफीम, चरस, गांजा जैसे मादक पदार्थों और अवैध शराब की बिक्री की रोकथाम पर राज्य सरकार संवेदनशील बने। इसकी बिक्री पर रोकथाम को लेकर एसओपी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कोर्ट ने पुलिस पर नाराजगी जतायी। कोर्ट ने कहा कि इन गंभीर विषयों पर राज्य सरकार को जल्द जवाब दाखिल करना चाहिए था। अगर राज्य सरकार जवाब दाखिल नहीं करती है तो कोर्ट खुद सख्त आदेश पारित कर सकती है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनसीबी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उसने झारखंड में अफीम की खेती का पता लगाने के लिए बिजाग- एन नाम का एक ऐप बनाया है, जिसका पासवर्ड राज्य सरकार के साथ शेयर किया जा चुका है। जिसके आधार पर राज्य सरकार खूंटी सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में अफीम की खेती का पता लगाकर उसे नष्ट कर सकती है। कोर्ट ने इस बिंदु पर भी राज्य सरकार से जवाब मांगा है अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

ज्ञात हो कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मौखिक कहा था कि पुलिस और एनसीबी आपसी सहयोग से झारखंड में अफीम की खेती को नष्ट करने के लिए कार्रवाई करें। खूंटी सहित राज्य के कई जिलों के जंगलों में अफीम की खेती होती है। सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से इसे नष्ट करने में मदद मिलेगी। पुलिस को भी कोर्ट ने निर्देश दिया था कि वह अफीम, चरस, गांजा सहित अवैध शराब पर नियंत्रण के एसओपी बनाए और इस संबंध में जवाब दाखिल करे।

10 लाख के इनामी नक्सली का सरेंडर

गिरिडीह। झारखंड में नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के प्रति आईपीएस अधिकारियों की मेहनत दिखने लगी है। गिरिडीह जिले में दस लाख रुपये का इनामी हार्डकोर नक्सली रामदयाल महतो ने रविवार की देर रात एनआईए के समीप सरेंडर कर दिया। जिले के एसपी और वरीय पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हार्डकोर नक्सली रामदयाल महतो को आत्मसमर्पण कराने में उसके पुत्र बैजनाथ महतो की मुख्य भूमिका बतायी जा रही है। रामदयाल महतो ने मधुबन थाना इलाके में ही रविवार को रांची के एनआईए की टीम के समक्ष आत्मसमर्पण किया। वह जिले के पीरटांड़ थाना इलाके के पांडेयडीह का गांव का है और इसके खिलाफ कई नक्सली घटनाओं के केस दर्ज हैं। इलाके में बढ़ती नक्सली घटनाओं में शामिल होने के बाद राज्य पुलिस ने राम दयाल पर दस लाख रुपये का इनाम की घोषणा कर रखी थी। मालूम हो कि कुछ दिनों पहले ही एसपी दीपक कुमार शर्मा इसके घर जा कर परिजनों से मिले और परिजनों को समझाया कि वो रामदयाल महतो को सरेंडर के लिए प्रेरित करें।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	67500 रु./10 ग्राम
चांदी	:	87000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 433 पेज का जवाब दाखिल किया, कहा

तीन तलाक घातक, यह न इस्लामी और न ही कानूनी मुस्लिमों ने इसे रोकने के नहीं उठाये कोई ठोस कदम

एजेंसी

नयी दिल्ली। तीन तलाक कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सोमवार को 433 पेज का जवाब दाखिल किया। केंद्र ने हलफनामे में कहा- तीन तलाक जैसी प्रथा शादी जैसी सामाजिक संस्था के लिए घातक है। यह न तो इस्लामी है और न ही कानूनी। तीन तलाक किसी एक महिला के साथ किया गया निजी अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध है। यह

महिलाओं के अधिकारों और शादी जैसी सामाजिक संस्था के खिलाफ है। केंद्र ने कहा- शीर्ष कोर्ट से इस प्रथा को असंवैधानिक घोषित किये जाने के बावजूद मुस्लिम समुदाय ने इसे खत्म करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया। इसलिए संसद ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकार बचाने के लिए यह कानून बनाया।

महिलाओं से भेदभाव : केंद्र ने तीन तलाक कानून के बचाव में कहा- यह ऐसी प्रथा को गैर-जमानती अपराध बनाता है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने ही मनमाना कहा था। यह प्रथा शादीशुदा मुस्लिम महिलाओं से भेदभाव करती है।

जमीयत का दावा- कानून संविधान के खिलाफ : सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2017 को तत्काल तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया था। केंद्र सरकार ने 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया था। इसमें तीन तलाक को अपराध घोषित कर तीन साल की सजा का प्रावधान किया गया। कानून के खिलाफ दो मुस्लिम संगठनों- जमीयत उलेमा-ए-हिंद और समस्त केरल जमीयतुल उलेमा ने याचिका लगायी थी। इसमें कानून को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गयी है। उनका दावा है कि एक धर्म में तलाक के तरीके को अपराध बताया गया है, जबकि अन्य धर्मों में शादी और तलाक सिविल लॉ के अंतर्गत आता है। यह आर्टिकल 15 के खिलाफ है।

तलाकशुदा महिला गुजारे भत्ते की हकदार : सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को आदेश दिया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार हैं। इसके लिए वे याचिका दायर कर सकती हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने आदेश सुनाते हुए कहा था कि यह फैसला हर धर्म की महिलाओं पर लागू होगा।

विधायक लंबोदर के बेटे शशि शेखर ने माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गोमिया विधायक लंबोदर महतो और झारखंड के पर्वतारोही शशि शेखर ने झारखंड और देश का नाम रोशन किया है। लंबोदर महतो ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उनके बड़े बेटे शशि ने 17 अगस्त को यूरोप की सबसे ऊँची चोटी, माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर) पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा फहराया। रूस के कॉकस पर्वत श्रृंखला में स्थित इस पर्वत पर चढ़ाई कर उन्होंने एक नई उपलब्धि हासिल की है। शशि के अभियान की जानकारी देते हुए लंबोदर महतो ने बताया कि उनके बेटे ने अपना अभियान 13 अगस्त को रांची की एडवेंचर कंपनी लामबडा एडवेंचर के साथ शुरू की। इसकी शुरूआत ट्रेक्सोल से हुई जहां से वो आगे गराबासी (3,800 मीटर) में रुककर अपनी एक्लिमेटाइजेशन पूरी की और फिर मरिया शेल्टर (4,200 मीटर) तक का सफर किया। वहां उन्होंने मौसम साफ होने का इंतजार किया और 17 अगस्त को समीट पुश के लिए निकल पड़े। हालांकि उस दिन भी तेज हवा चल रही थी, इसके बावजूद वे 17 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे समीट पर पहुंच गए। शशि ने इस साहसिक यात्रा के दौरान शारीरिक और मानसिक ताकत को परखा और पर्वतारोहण के प्रति अपने समर्पण को साबित किया।

गुरूजी और हेमंत नाम पर मिला है जनादेश, चंपई सोरेन मामले में बोले बन्ना गुप्ता

अनुकंपा पर मिली कुर्सी को अधिकार नहीं समझना चाहिए

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बन्ना गुप्ता ने कहा है कि चंपई दादा, 2019 का चुनाव आपके चेहरे पर नहीं बल्कि हेमंत बाबू के चेहरे पर लड़ा था और ये जनादेश हेमंत बाबू और गुरूजी के नाम पर ही मिला था। परिस्थिति ऐसी बनी कि अनुकम्पा के आधार पर मिली कुर्सी को आप अधिकार समझने लगे। सच तो ये है कि आप सत्ता के लोभी हैं और कुर्सी के भी। बन्ना गुप्ता ने कहा, जब जब झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो आपने (चंपई दादा) मंत्री पद मांगा, आपको मिला भी। आपने सांसद का टिकट मांगा आपको मिला। पार्टी में भी बड़ा सम्मान मिला लेकिन आपको सम्मान पचा नहीं।

सच तो ये है कि जिस दिन हेमंत बाबू जेल से बाहर आये थे, आपको नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए था और नंगे पैर चलकर हेमंत बाबू को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए था, लेकिन आप तो अंतिम समय में भी ट्रांसफर पोस्टिंग में लगे थे। असल में आपको अनुकम्पा पर मिली कुर्सी अपनी लगने लगी थी और कुर्सी का लगाव और मोह नहीं छूट पा रहा था।

जब हेमंत बाबू ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो एक मुख्यमंत्री बनने के बाद भी आप मंत्री पद मांगने की जिद करने लगे, जबकि यदि आपको कुर्सी का मोह नहीं होता तो कई सीनियर नेता थे, कोल्हान में रामदास सोरेन थे, दशरथ गगराई थे, कई लोग थे जिसे आप अपना मंत्री पद दे सकते थे लेकिन आप तो मंत्री बनने के लिए नाराज तक हो गए थे। लेकिन यदि किसी ने कुबार्नी दी तो वे थे बसंत सोरेन क्यूंकि उनके शरीर में गुरूजी का खून हैं।

आज जब भाजपा में आपकी दाल नहीं गली, बाबूलाल मरांडी आपके जॉइनिंग का विरोध कर रहें हैं तो आप लगे हरि>न्द्र बनने, ऑप्शन चुनने, आपके पास एक ही ऑप्सन था जो आपने गंवा दिया। वो था मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को गद्दी

सौंपना और झामुमो को मजबूत करना। लेकिन अफसोस कि रातों रात आपने तो अपने घर और गाँव से झामुमो का झंडा उतार कर गायब करवा दिया। लॉबिन दादा को मनाने की बजाय उकसा कर गलत बयानबाजी करवा दिया, मीडिया मैनेजमेंट के बहाने झामुमो के मजबूत और समर्पित विधायकगणों का नाम उछलवा दिया कि वे आपके साथ हैं?

हद तो तब हो गई जब कोलकाता होते हुए दिल्ली एयरपोर्ट में आप कहने लगे हम जहाँ हैं, वही हैं। मतलब जेएमएम में हैं, सरकार के साथ हैं, लेकिन जब भाजपा नेतृत्व ने आपको ठुकरा दिया तो सोशल मीडिया पर चलवा दिया इमोशनल कार्ड वाला बयान?

सच बोलूं तो ये आपका और झामुमो का मामला है लेकिन ये सरकार का भी मामला है। गठबंधन का मामला भी है। नैतिकता का मामला भी है। झारखंड की जनता से जुड़ा मामला है, इसलिए मैं आपको कहना चाहता हूँ कि भ्रम में मत रहिये, झारखंड की जनता आपको समझ सकती है। जान चुकी है। आप सन्यास नहीं लेंगे क्यूंकि सत्तालोभी हैं, पार्टी या सरकार का विधायक नहीं तोड़ सकते क्यूंकि सभी मजबूती से गुरूजी और हेमंत बाबू के साथ खडे हैं, और तीसरा ऑप्शन नए साथी की तलाश तो यदि भाजपा आपको साथ लेती भी है तो बहुत उदाहरण हैं जिसने पार्टी या सरकार के साथ गद्दारी की उसका क्या हुआ?

जब विधायक दल की बैठक में गठबंधन के विधायकों का समर्थन ब्लैंक पेपर लेकर आपका नाम लिख दिया गया तब आप को नहीं लगा था कि ये डीकटेटरशिप है, और हाँ एक बात और हेमंत जी के पास बसंत सोरेन जी और कल्पना सोरेन जी का ऑप्शन था, पर आप पर भरोसा जताया था, लेकिन आपने सिर्फ अपने स्वार्थ, सत्ता के भूख और ईगो के कारण झारखंड का सम्मान भाजपा के हाथों गिरवी रखने का कार्य किया है जिसको झारखंड की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

एक बात बता दे रहे, कोल्हान एवं झारखंड की जनता, हर एक विधायक, मंत्री और इंडिया गठबंधन का हर कार्यकर्त्ता गुरूजी शिबू सोरेन जी और हेमंत सोरेन जी, राहुल गांधी जी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे एवं गुलाम अहमद मीर के साथ खड़ा है। कोई कहीं नहीं जाने वाला, आपके साथ तो कभी नहीं जायेगा।

हमलोग झारखंडी हैं, जब रिश्ता बनाते हैं तो दिल से, स्वार्थ से नहीं। आपने सिर्फ पार्टी को नहीं बल्कि झारखंड की माटी को भी धोखा दिया है, झारखंड के शहीदों का अपमान किया है। झारखंड की माटी को बेचने का कार्य किया है। इसलिए आज आप अकेले हैं, कोई ना कभी आपके साथ था ना कभी रहेगा।

गद्दार नहीं हैं चंपई, पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जायेंगे : डॉ इरफान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची / जामताड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों को लेकर ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन गद्दारी नहीं कर सकते हैं। पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। जल्द ही अटकलों पर विराम लगेगा।

हेमंत सोरेन ने चंपई पर विश्वास किया

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चंपाई सोरेन पर विश्वास किया है और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का काम किया। कहा जब जेल गए तो चंपाई सोरेन पर ही विश्वास किया, चाहते तो बसंत सोरेन, कल्पना सोरेन या किसी और को भी मुख्यमंत्री बना सकते थे लेकिन बड़ा दिल दिखाया और चंपाई सोरेन पर भरोसा जताया।

चंपाई सोरेन को हेमंत सोरेन के पैर पर इस्तीफा देना चाहिए था : मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि हेमंत सोरेन जब जेल से छूटे तो चंपाई सोरेन को अपना इस्तीफा हेमंत सोरेन के पैर पर देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन भाजपा के बहकावे में आने वाले नहीं हैं और पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे।

सरकार पर कोई खतरा नहीं, टूट की कोई संभावना नहीं

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राजनीतिक गलियारों में लगाई जा रही अटकलों में कोई विश्वनीयता नहीं है, सरकार की सेहत पर कोई खतरा नहीं है। ना ही गठबंधन दल में कोई टूट की संभावना है। उन्होंने कहा कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ खड़ी है और आने वाले 2024 में फिर से बहुमत के साथ झारखंड में गठबंधन की सरकार बनेगी।

वीरता पदक पाने वाले झारखंड के 49 पुलिसकर्मियों को मिली प्रोन्नति

रांची। वीरता पदक पाने वाले झारखंड के 49 पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति मिली है। इसमें राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक से सम्मानित पुलिसकर्मियों और पदाधिकारियों को प्रोन्नति प्रदान करने की अनुमति दी गयी। इनमें सत्येंद्र प्रसाद को डीएसपी रैंक में प्रोन्नति प्रदान की गयी है।

इन पुलिस कर्मियों को एसआई से इंस्पेक्टर रैंक में मिली प्रोन्नतिः अजय ठाकुर, पंकज कुमार, सुबोध लकड़ा, आलोक कुमार दुबे, जॉन मुर्मू, अरुण कुमार, सनोज कुमार, प्रकाश कुमार, रजक और हरि प्रसाद सिंह। इन सब इंस्पेक्टरों को मिली प्रोन्नतिः सुबोध लकड़ा, बिहारी मरांडी प्रकाश रजक। इन एएसआई और सिपाही को मिली प्रोन्नतिः- सिपाही ब्रजेश लेप्चा, सिपाही सेम टोपनो, सिपाही राजू सोय, एएसआई अवधेश झा, सिपाही अनुज कुमार, सिपाही जयप्रकाश सिंह, सिपाही सचिंद्र कुमार, चालक मदन प्रसाद, सिपाही रंजीत कुमार, सिपाही बलराम दास, सिपाही प्रमोद यादव, , हवलदार राधे श्याम प्रसाद, सिपाही रितुल कुमार, सिपाही रिंकू कुमार, सिपाही जीवन किस्पोप्ता, एएसआई अभिशेष कुमार, सिपाही मनीष रजवार, सिपाही अनोज कुमार, सिपाही नरेश तिग्गा, सिपाही इंद्रजीत तिवारी, सिपाही श्यामनंद प्रसाद, सिपाही छोटू यादव, सिपाही मिथुन कुमार, सिपाही मनोज कुमार, सिपाही हेमंत कुमार, सिपाही अजीत कुमार, सिपाही संजीव कुमार, हवलदार जुरेंद्र सोय, सिपाही शशिरंजन कुमार, सिपाही राजेश साहू, सिपाही तसादुक अंसारी, सिपाही रोहित रजक, सिपाही हीरालाल ठाकुर और सिपाही अनिरुद्ध ओझा।

बन्ना ने सरकार को बताया रावण राज : प्रतुल

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस बताये कि वह कब तक कुंभकर्ण बनी रहेगी यह सरकार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा ने मंत्री बन्ना गुप्ता के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि बन्ना गुप्ता अगर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को विभीषण बता रहे हैं तो यह स्पष्ट हो गया कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल रावण राज के समान है। जाने अंजाने बन्ना गुप्ता ने सच्चाई बताते हुये वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार की तुलना रावण राज से कर दी है। उन्होंने कहा कि चाटुकारिता में बन्ना गुप्ता शब्दों की मर्यादा को भूल गये और कोल्हान के जमीन से जुड़े कद्दावर

आदिवासी नेता का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी बन्ना गुप्ता अपनी विवादास्पद कार्यों और टिप्पणियों के कारण जाने जाते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में रावण राज जैसे हालात है। पिछले पौने 5 वर्षों में 7000 से ज्यादा बेटियों की इज्जत लूटी गई। 7000 से ज्यादा हत्यायें हुई। हजारों लूट और अपहरण की घटनाएं हुई। विधि व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में नक्सलियों का तांडव हो रहा है। शहरी क्षेत्र में संगठित आपराधिक गिरोह वकील, नेता, पुलिसकर्मी और आम जनों की हत्यायें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस रावण राज के खात्मे के लिये अगर कोई सिस्टम पर प्रश्न खड़ा करता है, जैसा चंपई सोरेन ने किया, तो उनको बन्ना गुप्ता जैसे लोगों के द्वारा टारगेट करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन, झारखंड में सिर्फ सत्ता के लोभ में वर्तमान के रावण राज के सारे कुकर्मों को वो नजरंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। लेकिन कांग्रेस सिर्फ मंत्री पद और ब्रीफकेस के लालच में सत्ता में लगातार बने रहने के लिये सरकार को समर्थन जारी रख रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बताना चाहिये कि वह कब तक इस रावण राज में कुंभकर्ण बन कर सोई रहेगी।

उन्होंने कहा कि वैसे भी बन्ना गुप्ता तो वैसे मंत्री रहे हैं जिन्होंने अपनी कलम से खुद को कोरोना वॉरियर के रूप में पुरस्कृत किया था। उन्होंने कहा कि कोल्हान के आदिवासी बेटे का अपमान का फल तो इस पूरे सरकार और सत्ताधारी विधायकों को आगामी विधानसभा चुनाव में चुकाना होगा।

खबर एक नजर में

हेमंत मामले में टली सुनवाई, अब 30 को होगी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर 30 अगस्त को सुनवाई होगी। निर्धारित तारीख को एमपी-एलएलए मामले की विशेष अदालत नहीं बैठी थी। इसके कारण सुनवाई टल गई थी। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 30 अगस्त निर्धारित की है। हेमंत सोरेन की ओर से उनके अधिवक्ता पांच जुलाई को उक्त मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की है। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। बता दें कि हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने समन के आदेश का अनुपालन नहीं करने को लेकर अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराया है। इसमें सुनवाई जारी है। ईडी ने हेमंत सोरेन के खिलाफ भी रांची की निचली अदालत में जनवरी 2024 में शिकायतवाद दर्ज कराई है। ईडी के आठ समन पर हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुये थे।

साक्ष्य के अभाव में आरोपी मां-बेटी बरी

रांची। न्यायिक दंडाधिकारी शंभू महतो की अदालत ने पैसे की लेन देन को लेकर मारपीट एवं गाली गलौज करने के मामले की आरोपी संगीता शर्मा एवं उनकी बेटी अंशुमन शर्मा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। दोनों आरोपी चुटिया थाना अंतर्गत कृष्णापुरी रोड नंबर एक निवासी है। पांच साल पुराने मामले में अभियोजन पक्ष को अदालत में सबूत पेश करने का काफी मौका दिया गया। लेकिन, एक भी गवाह न सूचक चंद्रावती देवी और न ही जांच अधिकारी कोर्ट पहुंचे। गवाहों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी भी किया गया था। एसएसपी रांची को भी लिखा गया था। बावजूद कोई गवाह नहीं पहुंचा। बकाया पैसे की मांग पर दोनों ने मिलकर मारपीट की थी। इस घटना को लेकर चुटिया थाना में 17 जुलाई 2019 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन की ओर से आरोपियों पर लगाये गये आरोपों को साबित करने के लिये किसी भी साक्षियों को साक्ष्य के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया। अदालत ने पर्याप्त मौका दिया। बावजूद अभियोजन पूर्णतः विफल रहा।

नाबालिग संग दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष कैद की सजा

रांची। नाबालिग को डरा-धमका कर कई बार दुष्कर्म करने के मामले के दोषी अभियुक्त तीन बच्चों के पिता सूरज नायक को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त एक साल जेल काटनी होगी। अदालत ने 9 अगस्त को दोषी करार दिया था। अभियुक्त नामकुम थाना क्षेत्र के करमटोली गांव निवासी है। उस पर नाबालिग को बहला.फुसला कर पहली बार शारीरिक संबंध बनाने और उसी का भय दिखाकर कई बार दुष्कर्म करने का आरोप था। इसमें नाबालिग गर्भवती हो गई थी। इसकी जानकारी जब उसके परिजन को चली तो मामला प्रकाश में आया। घटना को लेकर नामकुम थाना में 6 जुलाई 2022 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले में एपीपी पुष्पा सिन्हा ने ठोस गवाही दर्ज कराई थी। इसके आधार पर अदालत ने अभियुक्त दोषी पाकर सजा सुनाई है।

वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष बने अमर नाथ गुप्ता

रांची। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के अमर नाथ गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। श्री गुप्ता के मनोनयन पर समाज के नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। आशा व्यक्त की है कि समाज के उत्थान के लिये वे काम करेंगे।

बिजली वितरण निगम की पहल

वाट्सएप नंबर 9431135503 पर मिलेगी बिल की अपडेट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने बिजली उपभोक्ताओं को एक अहम सुविधा उपलब्ध कराई है। निगम ने एक व्हाट्सएप नंबर 9431135503 जारी किया है, जिससे बिजली बिल की अद्यतन जानकारी मिलेगी। साथ ही किसी भी तरह की समस्या होने पर टॉल फ्री नंबर 1912 के अलावा 18003456570 और 0651-2710002 पर संपर्क किया जा सकता है।

बताते चलें कि वितरण निगम सितंबर से नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसके तहत स्मार्ट मीटर प्रीपेड हो जाएंगे।

उपभोक्ताओं से मोबाइल अपडेट करने का आग्रह : बिजली वितरण निगम ने राज्यभर के बिजली उपभोक्ताओं से अपने मोबाइल को अपडेट करने का आग्रह किया है। अगर किसी तरह की समस्या हो, तो उपभोक्ता अपने नजदीक के बिजली ऑफिस में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवा सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिए बिजली से जुड़ी समस्याओं की जानकारी मिल सकेगी।

क्या चल रहा है वितरण निगम का प्रोजेक्ट

रांची और धनबाद में स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। रांची में अब तक लगभग 2.61 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। धनबाद में लगभग 27 हजार प्रीपेड स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। अब नई बिलिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रीपेड मोड में काम करेगा। वितरण निगम की तरफ से उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन कटने से पहले एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध बैलेंस की जानकारी मिलेगी।

झारखंड में 21 से 24 तक भारी बारिश, अलर्ट जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूरे झारखंड में मानसून सक्रिय है। इसके कारण राज्य के तमाम जिलों में 21 से 24 अगस्त को राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। इसे ले कर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में 24 तक राज्य में बादल छाये रहने के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। वहीं 22 और 23 को दिन में दो से तीन बार मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो राज्य के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में अधिक भारी बारिश होने की संभावना है। 20 अगस्त के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बताया गया है कि राज्य के उत्तर पश्चिम भाग पलामू, गढ़वा,

चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा में भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान लोगों को सर्तक रहने की जानकारी दी गयी है। वहीं, मध्य, निकटवर्ती उत्तर पूर्वी भागों रांची, बोकारो, खूंटी, गुमला, हजारीबाग, रामगढ़ के लिये येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मध्यम दर्जे की बारिश की जानकारी दी गयी है।

पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश धनबाद में 100 एमएम, सिमडेगा 83, पालगंज 67 एमएम बारिश दर्ज की गयी है. वहीं, खूंटी 41, रामगढ़ 36, रांची 25 एमएम बारिश दर्ज की गयी. अन्य जगहों में छिटपुट बारिश दर्ज की गयी है।

ऑपरेशन लोटस से फिर झामुमो को लगा झटका

भाजपा की आक्रामक चाल के आगे बेबस झामुमो

उदय चौहान

रांची। झारखंड की राजनीति में ऑपरेशन लोटस का जोर चल पड़ा है। भाजपा ने चंपई सोरेन के सहारे झामुमो को फिर एक झटका दिया है। पूर्व सीएम चम्पई सोरेन की नाराजगी सामने आने पर झामुमो में घमासान मचा है। दूसरी ओर भाजपा इस हलचल पर पैनी नजर बनाये हुये हैं। भाजपा की आक्रामक चाल से एक बार फिर हेमंत सरकार और झामुमो मुश्किल में है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले झामुमो से निकली सोरेन परिवार की पुत्रवधु सीता सोरेन की भरपाई अभी हुई भी नहीं थी कि चंपई सोरेन की नाराजगी जगजाहिर हो गयी। नाराजगी इस कदर कि चंपई सोरेन ने दुखी मन से सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते पार्टी को लेकर काफी

कुछ लिख दिया है। ऐसे में उनका अगला कदम क्या होगा और सियासी रूख क्या ये फिलहाल समय के गर्भ में है। हालांकि, संभावना यह जताई जा रही है कि जल्द ही वे भाजपा में शामिल होंगे। चंपई सोरेन की नाराजगी को हवा देने में कहीं ना कहीं भाजपा का भी हाथ रहा है। जाहिर तौर पर चंपई सोरेन के बाहर निकलने से झामुमो को कोल्हान में भारी क्षति होने की संभावना है। चंपई सोरेन की छवि साफ सुथरी रही है। उन्हें कोल्हान का टाइगर कहा जाता है। सूत्रों क ी मानें तो झामुमो के अंदर मचे घमासान पर भाजपा की नजर है। भाजपा ने इस मामले में एक तीर से दो निशाना लगाने का काम किया है। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भाजपा ने पहली चाल ट्रायबल वोटबैंक को साधने के लिये हेमंत सोरेन के जेल जाने के कारण मिल रही सहानुभूति का तोड़ के रुप में चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटने और उनकी नाराजगी जनता तक ले जाने के रुप में लाया है। वहीं, दूसरा निशाना झामुमो को कमजोर करने का है। पहले लोबिन हेम्ब्रम, फिर सीता सोरेन और अब चंपई सोरेन की नाराजगी को हवा देने में भाजपा जरूर सफल रही है। इससे झामुमो को लगातार झटका लगा है। हालांकि, झामुमो ने कहा है कि चंपई सोरेन पार्टी के बड़े नेताओं में से एक हैं। उनकी जो भी नाराजगी है उसे कार्यकारी अध्यक्ष के समक्ष रखकर दूर कर लेते तो अच्छा रहता। विपक्ष तो चाहता ही है कि हम कमजोर हों। उनके झांसे में चंपई सोरेन जैसा व्यक्ति का आना समझ से परे है। भाजपा नेताओं की मानें तो चंपई सोरेन के अलावा झामुमो- कांग्रेस के कई विधायक नेता उसके संपर्क में हैं। बहरहाल, विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राजनेताओं का दल बदल का दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में जिस तरह के हालात देखे जा रहे हैं। उससे साफ लग रहा है कि चुनाव आते-आते राज्य में बड़ा सियासी उलट फेर हो सकता है।

बहुबाजार- कांटा टोली मार्ग पर हुए सड़क दुर्घटना में बालक की मौत पर झालसा ने लिया संज्ञान

डालसा ने टीम गठित कर पीड़ित परिवार को पहुंचायी विधिक सहायता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची । अखबार में छपी बहुबाजार कांटाटोली मार्ग पर हुए सड़क दुर्घटना, जिसमें, एक बेकाबू कार के द्वारा स्कूटी पर सवार मां एवं बेटे को अपने चपेट में ले लिया जिसमें 11 साल के बालक प्रियांशु की मौत हो जाने तथा उनकी माता रोमा कुमारी गंभीर रूप से घायल होने की घटना को झालसा, रांची ने संज्ञान लिया है तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया हैं कि वह तत्काल घायल माता तथा उनके परिवार वालों से मिलकर आवश्यक विधिक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश के आलोक में न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची, दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को अविलम्ब एक टीम गठित कर मृतक के परिवार को विधिक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। इस आदेश के आलोक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची, कमलेश बेहरा, सचिव डालसा, पीएलवी विक्की चौधरी व स्नेहलता दुबे ने मृतक के परिवार से मेडिका अस्पताल में मृतक के पिता एवं परिवार से मुलाकात कर समुचित कार्रवाई का आश्वासन दिया एवं केस के अनुसंधानकर्ता को अभियुक्त के विरूद्ध त्वरित उचित कार्रवाई करने को कहा। ज्ञात हो कि इस घटना को लेकर अभियुक्त के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 281, 125, 105, 106 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। इसके साथ ही वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के द्वारा भी इस वाद में त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। डालसा द्वारा दी जानेवाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में पीड़िता के परिवारवालों को जानकारी दी गयी एवं उनकी विधिक सहायता हेतु एक प्रो-बोनो विद्वान अधिवक्ता, ममता श्रीवास्तव को भी नियुक्त किया गया।

कार्यरत पीएलवी स्नेहलता दुबे को निर्देश दिया गया कि वे पीड़िता के तरफ से मुआवजा आवेदन प्राप्त कर डी.एल.एस.ए. ऑफिस में जमा करें, ताकि इस संबंध में आपदा प्रबंधन एवं एमएसीटी में पीड़िता के आवेदन को प्रेषित कर जल्द-से-जल्द राहत प्रदान की जा सके।

अंतिम सोमवारी को एक लाख से अधिक शिव भक्तों ने किया पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक

संध्या में भोले बाबा का विशेष श्रृंगार एवं छप्पन भोग के साथ महाआरती, उमड़े भक्त

प्रातः 3 बजे सरकारी पूजा उपरांत भक्तों के लिए पट खोला गया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बोल बम, बम-बम, बाबा एक सहारा है..बोलो-बोलो पहाड़ी बाबा की जय.. अंतिम सोमवारी को पूर पहाड़ी शिवमय था। चारों तरफ उल्लास-उमंग और भक्ति की अविरल धारा बह रही थी। अंतिम सोमवारी को ऐसा ही नजारा था। चार सोमवारी की भीड़ बहुत पीछे छूट गई थी। इस बार भीड़ पट खुलने के समय 3 बजे से लेकर शमा तक जमी रही। वैसे, इसके बाद भी मंदिर खाली नहीं रहा। मंदिर समिति के प्रवक्ता नंद किशोर चंदेल ने बताया कि अंतिम सोमवारी को सवा लाख से अधिक भक्तों ने जलार्पण किया। शाम तक भक्त कतारबद्ध होकर बाबा का जलाभिषेक किए।

रात्रि 1 बजे से ही भक्त पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक के लिए कतारवध दिखे : भारी बारिश के बीच रात्रि 1 बजे से ही भक्त पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक के लिए कतारवध दिखे, प्रातः 3 बजे पूरे सनातनी विधि-विधान से , रुद्रा अभिषेक कर उपायुक्त राहुल सिन्हा ,एसडीओ उत्कर्ष कुमार, राँची पहाड़ी विकाश समिति के अध्यक्ष एनएन पांडेय ,पूर्व आयुक्त जटा शंकर चौधरी, सचिव राकेश सिन्हा , उपाध्यक्ष कुमार राजा , वित्त प्रभारी राजेश साहू एवं बादल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से पूजा किया गया।

पूजा उपरांत अरघा लगा कर सभी भक्तो के लिए पट खोला गया। हजारों श्रद्धालुओं ने पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक किया। बोलबम के जयकारों से पहाड़ी मंदिर गूंज उठा। पूरे मंदिर परिसर में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया गया । समिति के सचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि राँची एवं आस पास ग्रामीण क्षेत्रो से भक्तो का जन सैलाब दिखा। हैं। ये जानकारी मंदिर प्रबंधन समिति के प्रवक्ता बादल सिंह ने दिया।

आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
ग्राम - कुदलुम, पोस्ट- बालालौंग, नगड़ी, रांची - 834004
(विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा संचालित)
एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त तथा रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध
Phone: 0651-2251008, 8409033840, 07992485576
आवश्यकता बी.एड. असिस्टेंट प्रोफेसर
शैक्षणिक पद : गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, इतिहास, भूगोल, हिन्दी, वाणिज्य, ललित कला एवं शारीरिक शिक्षा
रिक्तियों की संख्या : 10
वांछनीय योग्यता : संबंधित विषय में एम. ए. एवं एम.एड. - 55% अंक तथा नेट / पीएच.डी. अनिवार्य अभ्यर्थी को आवेदन पत्र के समय सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित फोटोकॉपी एवं दो फोटो के साथ दिनांक 27/08/2024 तक आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कुदलुम, नगड़ी, रांची में अथवा ईमेल – adityapjttcollege@yahoo.com पर pdf जमा करना अनिवार्य है।
वेतनमान : NCTE, UGC एवं राज्य सरकार के अनुरूप
साक्षात्कार की तिथि, स्थान एवं समय : ईमेल द्वारा प्रेषित किया जाएगा
नोट : (1) U.G.C., N.C.T.E. तथा राज्य सरकार के अनुरूप आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा। (2) अभ्यर्थी को कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।
सचिव

सुरेश्वर महादेव मंदिर में सुबह 4 बजे से लगी भक्तों की भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। स्वर्णरिखा नदी तट पर स्थित सुरेश्वर महादेव मंदिर चुटिया में श्रावण महीने के अंतिम सोमवारी को प्रातः 4 बजे मंदिर का पट शिवभक्तों के जलाभिषेक के लिए खोल दिया गया। प्रातः से ही शिवभक्तों ने बड़ी संख्या में कतार बद्ध होकर शिवलिंग पर जलभिषेक किया।

संध्या में बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया और महाआरती हूई। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश साहू, महासचिव संतोष कुमार, ऋतिक राज, संजयकुमार, कृष्णा साहु उर्फ गुड्डू, गुजा तिर्की, मनपुरण नायक, रतन लाल, शत्रु नायक, विक्रम साहू, धनंजय सिंह, रंजित राम, शत्रु नायक, शंभू साहू,राकेश कुमार साहू, दशरथ सिंह,नरेन्द्र साहू समेत अन्य भक्तगण मौजूद थे।

स्फटिक के महादेव का महारूद्राभिषेक के बाद भव्य अनोखा दिव्य महाश्रृंगार

रांची। श्री श्याम मंदिर हरमू रोड़ में श्रावण माह के अन्तिम सोमवारी पर स्फटिक के महादेव का महारूद्राभिषेक किया गया। इसके बाद भव्य अनोखा दिव्य महाश्रृंगार करके महाआरती किया गया और महाभोग अर्पित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेश सरावगी , महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्याम नारसरिया, जिज्ञासा नारसरिया सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा राजधानी

501 महिलाओं ने किया भव्य संध्या महाआरती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्रावण मास की पांचवी सोमवारी के दिन राजधानी के सुप्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के पास शहर के तमाम धार्मिक और सामाजिक संगठनों के द्वारा संध्या 5:00 बजे पहाड़ी बाबा सहित तमाम देवी देवताओं की 501 महिलाओं के द्वारा भव्य संध्या महाआरती की गई ।हाआरती के बाद बोल बम के नारों से पूरा पहाड़ी परिसर गुंजानमैय हो गया, उसके बाद सैकड़ों भक्तों के बीच महाभंडारा का वितरण किया गया ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ माजी, विशिष्ट अतिथि रमेश सिंह, शंकर दुबे,सोमवित माजी,नन्द किशोर सिंह चंदेल मौजूद थे।

संध्या महाआरती में विशेष रुप से इनका योगदान रहा

नन्द किशोर सिंह चंदेल, उज्जवल कुमार सिन्हा,रीना सिंह,विनोद सिंह,अमन ठाकुर,बंटी यादव,अनीश कुमार वर्मा, टी के मुखर्जी, अनिल कुमार, नरेश मक्कड़ मिशु, विनय सिंह, लखन कुमार,नीतू सिंह, सुनील यादव, शिल्पी कुमारी वर्मा, सुजल सोनी, सुप्रिया, राजकुमार सिंह, अमूल्य सिंह पिंटू, संध्या देवी, गीता देवी, सविता देवी, राहुल, सुनीता, अविनाश सिंह राजपूत, सत्येंद्र सिंह, दीपमाला वर्मा,कनिष्का,शिवानी, रुपा, सुनैना ,रानी, अलिसा सिंह, निशी, मिंटू देवी, रेणु, आदित्य सिंह, मोनू शर्मा, विकास सिंह, हर्ष, विक्रांत सिंह,भव्य कुमार सिन्हा, कैलाशी अरविंद सिंह कौशल,भोला चौधरी, गनीरा देवी, अनमोल सिंह, अरविंद, योगेश, अंकित, सागर कुमार सिंह आदि लोग मौजूद थे।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी, की दुआ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भाई बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन सोमवार को राजधानी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई के कलाई पर राखी बांधा और भाई के दीघार्यु जीवन की मंगल कामना ईश्वर से किया। रक्षा बंधन को लेकर शहर में काफी चहल पहल देखी गई। लोग विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना करते नजर आए। पूजा अर्चना के बाद बहनों ने भाई की आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधा। इसके बाद मिठाई खिलाया। भाईयों ने भी इस अवसर पर बहनों को उपहार दिया। भाई की कलाई पर बहना का प्यार दमक रहा था। कहीं रेशम की डोर से रिश्ते मजबूत हो रहा था, तो कहीं चांदी.मोती की सुनहरी राखियों के साथ जीवनभर रक्षा करने का वचन लिया गया। भाईयों के माथे पर तिलक सज रहा था और आरती उतारी जा रही थी। इस दौरान जहां एक ओर बहनों का प्यार दिख रहा था, तो दूसरी ओर भाई बहनों को गिफ्ट दे रहे थे।

बालाजी मंदिर में श्रावणी पूर्णिमा उपाकर्म का पर्व विधि विधान से मनाया गया

रांची। सोमवार को तिरुपति बालाजी मंदिर में श्रावणी पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर प्रातः से रात्रि तक विविध अनुष्ठान हुये। प्रातः के मांगलिक सुप्रभातम आदि के प›ात पा?रात्र आगम विधि से नित्याराधन पूजाक्रम तथा उद्यास्तमन सेवा के अंतर्गत महाभिषेक हुआ। दूध, दही, हल्दी, चंदन, डाभयुक्त जल, शहद, गंगाजल आदि अनेकानेक औषधीय पदार्थ से महाभिषेक कराया गया । इसके प›ात वस्त्राभूषण से भगवान के विग्रह को अलंकृत करके रजनीगंधा, गुलाब फूल एवं तुलसी वनमाला से श्रृंगार निवेदन कर सुशोभित किया गया। फिर श्रावणी उपाकर्म किया गया। प्रतिष्ठापित भगवदविग्रहों को नूतन यज्ञोपवीत धारण कराया गया। इसके उपरांत महा आरती, बाल भोग नैवैद्य तथा स्तुति की गई। महाभिषेक के यजमान महावीर प्रसाद नारसरिया, निर्मला देवी थे। दिन भर का भोग अनीश अग्रवाल एवं विकास- रुचिता शर्मा ने किया। अर्चक- सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने मिलकर पूजा अनुष्ठान कराया। प्रदीप नारसरिया, राजेश सुल्तानिया, रंजन सिंह, शंभू नाथ पोद्दार, सीता शर्मा, यशोदा देवी, छाया दुबे, सुधा झा के अतिरिक्त भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संजय सेठ ने जवानों और परिजनों को बंधा रक्षा सूत्र

रांची/नयी दिल्ली। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सोमवार को नई दिल्ली में अग्निवीरो, सैनिकों और उनके परिजनों को रक्षा सूत्र बांधा और शुभकामनायें दी। रक्षा राज्यमंत्री ने सभी जवानों और उनके परिजनों से कुशलक्षेम पूछा। सबके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षा सूत्र सिर्फ धागा नहीं है। यह देश की भावनाएं हैं, जो हमें एक दूसरे से जोड़कर रखती हैं। सीमाओं की सुरक्षा में सदैव समर्पित रहने वाले जवानों को रक्षा सूत्र इसलिये भी हमने बांधा है कि यह सूत्र उन्हें देश के अगाध प्रेम से अवगत कराये। देशवासियों की भावनाएं इस सूत्र में हैं।

विश्व शांति वैदिक महायज्ञ का होगा आयोजन

विज्ञानदेव महाराज के प्रवचन का लाभ लेंगे विहंगम योगी

5101 कुंडीय विश्वशांति वैदिक महायज्ञ का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विहंगम योग के प्रणेता अनंत सदगुरू सदाफलदेव महाराज की 137वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर 5101 कुंडीय विश्वशांति वैदिक महायज्ञ का आयोजन 22 और 23 अगस्त को रांची के प्रभात तारा धुर्वा मैदान में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ 22 अगस्त को सद्?गुरू उत्तराधिकारी सुपूज्य संत प्रवर विज्ञानदेव महाराज के कर कमलों द्वारा 'अ' अंकित श्वेत ध्वजा फहराकर किया जाएगा। तदन्तर राष्ट्रीय स्तर के भजन गायकों द्वारा आध्यात्मिक भजनों की भाव प्रवण प्रस्तुति की जाएगी। इसके बाद सुपूज्य संत प्रवर विज्ञानदेव महाराज की स्वर्वेद आधारित संगीतमयी दिव्य वाणी होगी। इस बात की जानकारी विहंगम योग संदेश पत्रिका के संपादक सुखनंदन सिंह सदय ने सोमवार को संवाददातओं से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को प्रातः 6 बजे से प्रभात तारा मैदान के सभा मंडप में आसन-प्राणायाम प्रशिक्षण के साथ इसकी शुरूआत की जाएगी। स्वास्थ्य चेतना सम्बन्धी विशेष जानकारी भी दी जाएगी। प्रातः 10.00 बजे मैदान परिसर में विराट यज्ञ कुण्डो पर हजारों यज्ञमानों द्वारा विश्व शान्ति वैदिक महायज्ञ सुपूज्य संत प्रवर विज्ञान देव महाराज के संरक्षण में गुरूकुलम वाराणसी के विद्यार्थियों द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा।

होटल एवीएन प्लाजा में जांच के लिए पहुंची बंगाल पुलिस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी के एक होटल में जांच करने के लिए प›िम बंगाल की पुलिस सोमवार को पहुंची। यह मामला चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित होटल एवीएन प्लाजा का है, जहां बंगाल के पुरुलिया जिले की पुलिस जांच के लिए पहुंची। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले पुरुलिया जिले के बागमुंडी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की अपने प्रेमी के साथ इस होटल में आकर रूकी रही थी। इसके बाद उस लड़की ने पुरुलिया में जाकर लड़के के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है। इसी मामले की जांच को लेकर प›िम बंगाल की पुलिस रांची पहुंची है।

हथियार दिखाकर धमकी देने वाला अपराधी गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। निर्माण कार्य में लगे कर्मी को हथियार दिखाकर धमकी देने वाला अपराधी गिरफ्तार हुआ है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए बुंडू थाना क्षेत्र के पुराना बाजार टोली का रहने वाला श्रवण कुमार दास को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने एक पिस्टल और चाकू बरामद किया है।

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ग्रामीण एसपी ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बुण्डू थाना अंतर्गत पुराना बाजार टोली में बड़ा तालाब का सौन्दर्यकरण का कार्य हो रहा है, जिसमें काम कर रहे कर्मचारी को किसी अपराधकर्मी के द्वारा पिस्टल और चाकू का भय दिखाया जा रहा है। एसएसपी के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा बड़ा तालाब बुण्डू के पास त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया।

डॉ मौमिता के हत्यारों को फांसी दिलाने के लिए किया उपवास

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने बंगाल की डॉ मौमिता के दुष्कर्मियों एवं हत्यारों को 24 घंटे के अंदर फांसी देने की मांग को लेकर भारत सरकार एवं सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार लगाते हुए रक्षाबंधन के दिन बहनों के सम्मान में परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर एक दिवसीय उपवास पर बैठे गये। राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि आज रक्षाबंधन में बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध रही हैं। ऐसे में भाई को भी अपनी बहन के लिए रक्षा सूत्र बांधने की जरूरत है ताकि हर गली से लेकर शहर की महिलाएं सुरक्षित हो सकें।

मंझे हुए नेता हैं चंपई, खुद तय करेंगे अपना रास्ता : बाबूलाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन एक मंझे हुए राजनेता हैं। जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री के पद से हटाया गया, उससे वे आहत हैं। वह अपनी आगे की राह के बारे में निर्णय खुद लेंगे।

यह कहना है पूर्व सीएम और प्रदेश भाजपा अद्यक्ष बाबूलाल मरांडी का। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए चलाये गये आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं चंपई सोरेन। सीएम हेमंत सोरेन के आरोपों के सवाल पर कहा कि अगर कोई

विधायक अपना दुख व्यक्त करता है, तो उनकी बात सुननी चाहिए।

हेमंत अपने विधायकों को बिकाऊ कहेंगे

भाजपा द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त करने संबंधी सीएम हेमंत सोरेन के आरोपों पर मरांडी ने कहा कि इसका मतलब यह है कि वह (हेमंत) कह रहे हैं कि उनके विधायक बिकाऊ हैं। यदि आप (हेमंत) सभी विधायकों को बिकाऊ कहेंगे, तो कौन आपके साथ रहना चाहेगा। अगर कोई विधायक अपना दुख व्यक्त करता है, तो आपको उसकी बात सुननी चाहिए।

मरांडी ने कहा कि चंपाई जैसे वरिष्ठ नेता के अलग होने से पार्टी (झामुमो) पर असर पड़ेगा।

चंपई के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस सिलसिले में उनसे अभी कोई बातचीत नहीं हुई है। चंपाई के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि वह बहुत आहत हैं। गलत तरीके से मुख्यमंत्री पद से हटाये जाने से उन्होंने काफी अपमानित महसूस किया।

खबर एक नजर में

भोजपुरी लोकगीत मीठ मीठ बोलिया ने आम लोगों के बीच मचाया धूम

रांची। झारखण्ड के उभरते लोकगायक आशुतोष द्विवेदी एवं भोजपुरी की सुप्रसिद्ध गायिका इंदु सोनाली के द्वारा गाए हुए भोजपुरी लोकगीत मीठ मीठ बोलिया आम लोगो के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। भोजपुरी में इस सुमधुर गीत मीठ मीठ बोलिया को यूपी , बिहार और झारखंड के कई दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। आशुतोष द्विवेदी ऑफिसियल चैनल पर सोमवार को रिलीज किया गया। वहीं इस एल्बम के प्रोड्यूसर संगीता रानी, लिरिक्स संतोष साहिल,म्यूज़िक हर्ष उपाध्याय, मिक्स मास्ट हम रिकॉर्ड, वीडियो डायरेक्टर रवि , एडीटर विवेक , डी आई रोहित सिंह , कोरियोग्राफर बप्पी , एफ एक्स हेड रौनक सिंह ने किया है।

सनातन युवा मंच ने किया शिविर का आयोजन

रांची। राष्ट्रीय सनातन युवा मंच के सदस्य द्वारा अंतिम सोमवार के मौके पर सेवा शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं के बीच में 251लिटर दुध बेलपत्र पुष्प भांग इत्यादि का वितरण किया गया इस सेवा कार्य मे मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह ,सत्यनारायण सिंह, मुनचुन राय ,मुकेश मुक्ता, ओम प्रकाश पांडे, अशोक मिश्रा ,डॉ सिमा सिंह, नेहा सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लोक गायिका देवी ने भक्ति गीतों से रांची को झुमाया

रांची। अंगुरी में डंसले बिया नगीना रे ननदी -- जैसे चर्चित गीतों की प्रसिद्ध लोकगीत गायिका देवी ने सावन पूर्णिमा पर आयोजित सावन के रंग देवी के संग कार्यक्रम में सोमवार को रांची के लोगों को खूब झुमाया। न्यूज चैनल कशिश की ओर से आयोजित भक्ति संगीत के इस कार्यक्रम की शुरूआत देवी ने भगवती गीत से की। फिर इसके बाद भोले बाबा का एक से बढ़ कर एक गीत सुनाया। खास कर - का लोके शिव के मनायब हो शिव मानत नाहीं, चल कांवरिया देवघर नगरिया- जैसे गीतों पर उन्होंने लोगों को खूब झुमाया। बाद में लोगों की जोरदार फरमाइश पर उन्होंने अपना चर्चित गीत- राजधानी पकड़ के आ जइओ, और अंगुरी में डंसले बिया नगीना रे ननदी, भैया के जगा द- पर लोगों को झूमनेरक बमजूर कर दिया। कार्यक्रम रांची के सेल सिटी में आयोजित किया गया था।

झारखंड राज्य सहकारी बैंक लि. पण्डरा शाखा के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

बैंक की अध्यक्ष बिभा सिंह एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ब्रजेश्वर नाथ ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य सहकारी बैंक लि. पण्डरा शाखा का नवनिर्मित भवन का उद्घाटन सोमवार को बैंक की अध्यक्ष श्रीमती बिभा सिंह एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ब्रजेश्वर नाथ के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

नये बैंक भवन उद्घाटन के परिप्रेक्ष्य में अध्यक्ष श्रीमती बिभा सिंह ने ग्राहकों को संबोधित करते हुए बताया कि पूर्व में यह बैंक पण्डरा शाखा बाजार समिति पण्डरा के प्रागंण में संचालित होते आ रहा था, जिसका स्थान परिवर्तन कर मेदिनीनगर मुख्य मार्ग रातू रोड पण्डरा स्थित सुनैना मार्बल प्रतिष्ठान के उपर भवन में कर दिया गया है। परिणामस्वरूप ग्राहकों को बैंकिंग लेन-देन में सुविधा होने के साथ-साथ बैंक का प्रचार-प्रसार एवं बैंकिंग सुविधा का लाभ अधिकतम लोगों को मिल पाएगा। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त संयुक्त निबंधक, सहकारिता विभाग, झारखण्ड के जयदेव सिंह उपस्थित थे। सर्वप्रथम उपस्थित सभी अतिथियों को शाखा प्रबंधक पल्लवी राज एवं सहायक प्रबंधक निखिल बंका द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। बैंक के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन के अवसर पर शाखा में विधिवत बैंक कर्मियों द्वारा सामूहिक पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर बैंक अध्यक्ष के आप्त सचिव निरज कुमार, सहायक पुष्पा सिंह, रेखा तिर्की, बिस्कोमान के पदाधिकारी एपी सिंह एवं बहुसंख्यक ग्राहक उपस्थित थे।

सोनारगली स्थिति आवास के बाहर से अधिवक्ता की स्कूटी चोरी

रांची। अधिवक्ता जिज्ञासा अग्रवाल नारसरिया के सोनारगली स्थिति आवास के बाहर से रविवार की रात 2 बजे के आसपास ब्लू रंग की एक्टिवा स्कूटी जेएच01 सीसी 7336 को अपराधी चोरी कर ले गए। इस क्रम में कोतवाली थाना में प्राथमकी दर्ज कराई गई है। सोनारगली में इस माह एक बाइक चोरी का भी समाचार है।कुछ प्रतिष्ठानों का ताला भी तोड़ा गया है। सोनारगली में रात होते ही चोर उच्चके अपराधी प्रवित्ति के लोग खुलेआम वारदात को अंजाम देते है। ज्ञातव्य है कि अधिवक्ता जिज्ञासा अग्रवाल नारसरिया सिविल कोर्ट में तथा उनके पति अधिवक्ता श्याम नारसरिया झारखंड उच्च न्यायालय में वकालत करते है।

केनरा बैंक ने हजारीबाग क्षेत्र में छात्रवृत्ति प्रदान किया

डॉ. अम्बेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति योजना के तहत किया कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केनरा बैंक डॉ. अम्बेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अधिकारी सुभाष कुमार उपस्थित थे। इनके अलावा विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्रधान अध्यापिकाएं, छात्राएं एवं केनरा बैंक के विभिन्न शाखाओं के प्रबंधक ने भाग लिया। केनरा बैंक के मंडल प्रबंधक आशीष कुमार वर्मा एवं घनश्याम यादव ने केनरा बैंक के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत इस छात्रवृत्ति योजना के बारे में सभी को अवगत कराया। इस छात्रवृत्ति योजना के तहत केनरा बैंक पूरे भारत में 44742 मेधावी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है।

मेडिका हॉस्पिटल ने आंखों में स्टंट लगाकर ग्लूकोमा का सफल उपचार किया

यह बिहार और झारखंड में पूर्ण कैशलेस के तहत पहला प्रत्यारोपण है

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञा डॉ. अनिन्द्या अनुराधा ने मेडिका अस्पताल में पहला आईस्टेंट इंजेक्शन डब्ल्यू लगाया। 2 क्लिक में 2 प्रत्यारोपण एक बेहतरीन प्रत्यारोपण है। यह बिहार और झारखंड में कॉर्पोरेट मरीज के लिए पूर्ण कैशलेस के तहत पहला प्रत्यारोपण है। उन्होंने बताया कि ग्लूकोमा दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है, जिससे इंट्राओकुलर प्रेशर बढ़ने के कारण धीरे-धीरे दृष्टि हानि होती है। पारंपरिक उपचारों में अक्सर ड्रॉप्स या इनवेसिव सर्जरी का लंबे समय तक उपयोग शामिल होता है, जो कई बार जोखिम पूर्ण होते हैं। बिहार-झारखण्ड का पहला आई - स्टंट इंजेक्शन लगाने की सफलता पर मेडिका के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विजय मिश्र ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मेडिका आखों के मरीजों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने में अग्रणी है।

वन विभाग ने क्लामेट चेंज पर की गयी कार्रवाई पर मांगा एटीआर

रांची। वन एवं पर्यावरण विभाग ने क्लामेट चेंज पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी है इसकी रिपोर्ट विभिन्न विभागों से मांगी है। नगर विकास, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों से एक्शन टेकेन रिपोर्ट देने को कहा है। भारत सरकार इस संबंध में विस्तृत गाइडलाइन तैयार करा रही है। रिपोर्ट ऑफ कमेटी के परफॉरमेंस ऑफ द तक नेशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस संबंध में लोकसभा सचिवालय की ओर भी राज्य सरकारों को पत्र लिखा गया है। वायु प्रदूषण रोकने के लिए क्या उपाय किये गये हैं इसकी विस्तृत जानकारी इसमें दी जायेगी। राज्यों से जानकारी मिलने के बाद भारत सरकार से अलग से राशि भी ग्रांट की जायेगी। वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए भी काम किया जायेगा। जल निकाय, पुनर्जीवन, वृक्षारोपण, परिवहन, नागरिक सुविधा से जुड़े कार्य किये जाने हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी से मिले प्रदेश अध्यक्ष

शिष्टाचार मुलाकात की और संगठन एवं सरकार की ताजा गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर से शिष्टाचार मुलाकात की और संगठन एवं सरकार की ताजा गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया।

मुलकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के हर षड्यंत्र और साजिश से निपटने के लिए हम पूरी ताकत के साथ तैयार हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार की मैया सम्मान योजना भी भारतीय जनता पार्टी को बेचैन कर दी है और इस योजना से राज्य के लोगों का ध्यान बांटने के लिए फिर से जोड़ तोड़ की राजनीति शुरू की है लेकिन भाजपा को इसका जवाब राज्य की जनता दे देगी।

लक्ष्मेश्वर धाम 24 घंटे का अखंड हवन कीर्तन संपन्न

अनगड़ा। लक्ष्मेश्वर धाम खखसी गढ़ा बहेया अनगड़ा में सावन मास के अन्तिम सोमवारी को 24 घन्टे का अखंड हवन कीर्तन एवं पूजा का आयोजन सम्पन्न हुआ। अखंड हवन कीर्तन का उदघाटन अनगड़ा के थानेदार चमरा मिंज के द्वारा किया गया। हवन कीर्तन बोकारो और सिल्ली की टीम के द्वारा किया गया। ज्ञात हो कि लक्ष्मेश्वर घाम में श्रावण मास के प्रत्येक सोमवारी को बड़ी संख्यां में श्रद्धालु स्वर्णरेखा नदी से जल कॉवर में भरकर शिवलिंग में जलाभिषेक किए। अखंड हवण कीर्तन के उदघाटन के मौके पर धाम के मुख्य पुजारी लक्ष्मण बाबा बीरेन्द्र सिंह भोक्ता रामपोदो महतो ग्राम प्रधान शिवलाल पहन अजय सिंह भोक्ता सुप्रेश महतो जयराम महतो प्रदीप उरांव करमलाल महतो अरुण महतो इत्यादि उपस्थित थे

आज का राशिफल

मंगलवार, भाद्रपद पक्ष कृष्ण प्रतिपदा

मेष : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

वृष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

मिथुन : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कर्क : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

सिंह : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कन्या : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

तुला : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढने. में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

वृश्चिक : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग- जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा।

धनु : कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे।

मकर : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा।

कुंभ : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

मीन : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

21 अगस्त को भारत बंद को लेकर समीक्षा बैठक

खलारी। डॉ भीम राव अम्बेडकर पार्क डकरा में भारत बंद को लेकर समीक्षा बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता बहुरा मुंडा और मंच का संचालन राम लखन गन्झू ने किया। बैठक में एससी-एसटी के गणमान्य बुद्धिजीवी समाज के साथ भारत बंदी को लेकर विचार विमर्श किया गया। चर्चा में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी-एसटी भारत सरकार आरक्षण पर वर्गीकरण एवं क्रिमि लेयर में बांट कर आरक्षण देने का प्रावधान लाया है। सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के खिलाफ में बंदी का आयोजन किया जा रहा है। बंदी 21 अगस्त प्रातः 6 बजे से 8 बजे रात तक पूर्ण बंदी रहेगी। बैठक में कन्हाई पासी, देवपाल मुंडा, रंथू उरांव, बालेसर उरांव, विजय उरांव, बिरजू लोहरा, अमर लाल सतनामी, उपेंद्र कुमार, रामदेव राम, रामेश्वर भोगता, उमेश लोहरा, नित्या कुमार, कैलाश तुरी, सुकरा उरांव, मनु तुरी, संदीप कुमार, चरका मुंडा, रविंद्र बैठ सूरज कुमार दास सहित अन्य मैजूद थे।

मांडर-चान्हो में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधकर की अपनी सुरक्षा और सम्मान की कामना

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर/चान्हो। प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर रक्षा का अगला लेख संकल्प दिलाया। सुबह लोगों ने स्नान आदि के बाद तैयार होकर बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई। बहनों ने राखी की थाली सजाई उसमें रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और राखी रखे थे। इसके बाद भाई को तिलक लगाकर उसके दाहिने हाथ में राखी बांधी। भाई की आरती उतारी फिर मिठाई खिलाई अपनी सुरक्षा और सम्मान की कामना की। सुबह से ही भद्राकाल लगने के कारण राखी बांधने का शुभ मुहूर्त दोपहर 01 बजकर 32 मिनट के बाद का था। इस तरह से राखी बांधने का शुभ मुहूर्त दोपहर 01 बजकर 32 मिनट के बाद से लेकर रात 09 बजकर 31 मिनट तक रहा।

रक्षा बन्धन के शुभ अवसर पर आजसू केन्द्रीय सचिव सह जिपस चान्हों आशुतोष तिवारी को छेत्र की बच्चियाँ राखी बांधी। इस पावन अवसर पर उन्होंने कहा क्षेत्र के सभी बहनों को ईस भाई के तरफ से रक्षा बन्धन की बहुत-बहुत बधाई, शुभकामना वो आशीर्वाद तथा उनके सुख-दुख में साथ देने का वचन दिया।

घघारी बाबाधाम में अखंड कीर्तन सह श्रावणी मेला संपन्न

24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन के विसर्जन के साथ हुआ मेले का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

मेला के दौरान पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ तथा पहली बार मेला में पहुंचे श्रद्धालु।

बेड़ो। लापुंग प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में सावन पूर्णिमा पर पहली बार दो दिवसीय श्रावणी मेला सह 24 घंटा अखंड हरि कीर्तन के विसर्जन के साथ ही मेले का समापन किया गया। मौके पर घघारी बाबा धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजकमल गोप, सचिव संजय कुमार महतो, कोषाध्यक्ष सेवक सिंह, पूर्व अध्यक्ष गंगाधर साहू, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र शर्मा, कार्यकारिणी अध्यक्ष राजधन शेखर सिंह, नफींद्र सिंह, विक्रम शेखर सिंह, संतोष कुमार महतो, चिंटू तिवारी, विजय महतो, श्यामलाल सिंह, सुनील उरांव, हीरालाल सिंह, पूर्व पार्षद वार्ड नंबर 2 गुंदरा उरांव, सूरज वर्मा, विनोद भगत, सागर दास गोस्वामी, रूपेश पाठक, सोमा उरांव, हरिमोहन गोप, मनी देवी,सीताराम पाठक, राजेश पाठक, किस्तो बाबा, तुलसी बाबा के साथ सैकड़ों भक्त मौजूद थे।

गेतलसूद शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन संपन्न

अनगड़ा। प्रखंड के गेतलसूद शिव मंदिर में चल रहे 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन सोमवार को पूणार्हुती व भंडारा के साथ समापन हो गया। अखंड हरिकीर्तन में चुट्टू हतवाल रामदगा सहित कई जगहों से कीर्तन भजन मंडली शामिल हुए। मुख्य पूजारी ईश्वरचंद्र गोस्वामी ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कराया। मुख्य संरक्षण सह भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार ने बताया की भंडारा में एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर उपमुखिया शंकर बैठा, मनोज बैठा, अध्यक्ष हर्ष राज, सचिव राज कुमार बैठा, कोषाध्यक्ष राजीव सिंह, हर्षराज सिंह, रवि चौधरी, अमित चौधरी, बिगेश्वर महतो, अनंत चौधरी, मिकी सिंह, ओंकार महतो, विशू गोस्वामी, टीकू गोस्वामी, उमेश गुप्ता, वीरेन्द्र यादव, आदित्य साहू, शुभम गोस्वामी, सीताराम मुंडा, विकी भारती, प्रीतम भारती आदि उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

भालू के हमले से युवक घायल

राहे। प्रखंड क्षेत्र के अंबाझरिया गांव में सोमवार दिन के 11 बजे भालू के हमले से 35 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि गांव के 35 वर्षीय सुखराम मुंडा मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर गया था। मवेशियों को लेकर जब वह घर वापस लौट रहा था, उसी वक्त झाड़ियां से तीन भालू निकालकर हमला कर दिया। भालू को हमले से किसी तरह अपने को बचा लिया, लेकिन गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने हल्ला मचाया जिससे भालू भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर आजसू नेता संजय मुंडा, और भुवनेश्वर महतो घटनास्थल पहुंचकर एंबुलेंस आदि की व्यवस्था करवाया और घटना की जानकारी वन विभाग को दिया गया।

उरूगुट्टू अंजुमन कमेटी का पुनर्गठन

ठाकुरगांव। कांके प्रखंड के उरूगुट्टू अंजुमन कमेटी का पुनर्गठन किया गया। वोटिंग से हुए चुनाव में सदर अख्तर खलीफा, सेकेट्री खलील अहमद व खजांची हसनैन अंसारी चुने गए। अंजुमन के चुनाव में 508 मतदाताओं ने भाग लिया। कमेटी का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। मौके पर गुलाबुद्दीन अंसारी, अख्तर अंसारी, मतीउर रहमान, हसमुद्दीन अंसारी, समीउल्लाह अंसारी, अफरोज अंसारी, तस्लीम अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

गोदाम की दीवार तोड़कर छह लाख के सामान की चोरी

नामकुम। थाना क्षेत्र जैक कार्यालय के समीप स्थित एक घर से चोरों ने कॉपर केबल सहित अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली। बताया जा रहा है कि रविवार रात स्थानीय सुशील सांगा के मकान में बने गोदाम से चोरों ने लगभग 6 लाख रुपए के कॉपर केबल सहित अन्य सामान की चोरी कर ली। मकान मालिक सुशील ने बताया कि गोदाम किराए पर मुर्शिद उर्फ समीर लिए हुए था। गोदाम में मोबाइल टॉवर का सामान रखा हुआ था। चोरो ने गोदाम की दीवार तोड़कर सारा सामान गायब कर दिया। मामले में समीर ने नामकुम थाने मे शिकायत दर्ज करायी है।

विधायक ने मृतक के परिजन को दशकर्म के लिए किया सहयोग

सिकिदिरी। खिजरी विधायक राजेश कच्छप की ओर से पूर्व पंसस महेश गंझू ने सोमवार को सिकिदिरी के पिपराटोली गांव निवासी स्व. झगरु गंझू के घर जाकर दशकर्म के लिए उनके स्वजन को खाद्य सामग्री और नकद राशि देकर सहयोग किया।साथ ही आगे भी सहयोग करने का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि झगरू गंझू का निधन पिछले दिनों इलाज के अभाव में लंबी बीमारी के बाद हो गया था।आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने के कारण स्वजन दशकर्म के लिए असमर्थ थे।पूर्व पंसस महेश गंझू के आग्रह पर विधायक ने स्वजनों को खाद्य सामग्री और नकद राशि भेजवाया। मौके पर पवन भोगता, दीपक गंझू, भीम गंझू, शीतला गंझू, अमित कुमार, लेदवा गंझू, साहेब राम गंझू, राजाराम गंझू सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

रक्षाबंधन के दिन श्रावणी मेला में उमड़ी लोगों की भीड़

बेड़ो। रक्षाबंधन के दिन श्रवानी मेला में जरूरत से ज्यादा भीड़ देखा गया। झारखंड के कई जिलों में से लातेहार, लोहरदगा, गुमला, चतरा, रांची अन्य जगहों से कोषों दूर से कई सवारी गाड़ी से भाड़ा कर के पहुंच कर मेला का लुफ्त उठाया। सावन के शुभ मुहूर्त के समय हर वर्ष की भांति श्रवानी मेला का आयोजन किया जाता है। इस सावन के लास्ट सोमवारी तथा रक्षाबंधन में मेला में पैर रखने तक का जगह नही था। खलारी केडी मुख्यपथ पूरी तरह जाम थी। हालांकि खलारी पुलिस जगह जगह पर सुरक्षा व्यवस्था में चूक न हो इसके लिए फोर्स की तैनाती किया गया था।

रक्षा सूत्र बांध बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की

भाइयों ने बहनों की रक्षा का लिया संकल्प

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बहना ने भाई की कलाई में प्यार बांधा है रेशम के धागे से संसार बांधा है... जैसे गीतों के बीच भाई-बहन के प्यार का पर्व रक्षाबंधन बेड़ो प्रखंड में हर्षोल्लास से मनाया गया। प्रखंड के तुको, जरिया, ईटाचिल्दरी, पुरियो, मासू, मुडाम्मू, बारीडीह, नरकोपी समेत दर्जनों गांवों में भाई-बहन के स्नेह के पर्व पर भाई बहनों का उत्साह और उमंग देखते ही बन रहा था। रक्षाबंधन के मौके पर बेड़ो में बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधा और बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। बहनों ने अहले सुबह ही शिवालयों के बाहर से पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ से अपने भाइयों के लिए लंबी उम्र और खुशी का वरदान मांगा। सुबह से शाम तक बाजारों में भी चहल पहल रहा।

इटकी में हर्षोल्लास से मना रक्षाबंधन

इटकी। इटकी प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को भाई-बहन के स्नेह व प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मौके पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांध कर सुख-दुख में साथ निभाने का वचन लिया। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा रक्षा करने का वचन दिया। इधर आखरी सोमवारी के मौके पर इटकी के मुख्य शिवालय, बनिया टोली स्थित महाकाल शिव मंदिर व हरही स्थित गंगा जल सहित अन्य शिवालयों में सुबह से ही पूजा अर्चना व जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

खलारी प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

खलारी। खलारी प्रखण्ड सहित पूरे कोयलांचल के लपरा, कोंनका, नवाडीह, दुल्ली, धमधमियां, करकट्टा, खलारी, मोहननगर, भूतनागर, सुभाषनगर, डकरा सहित अन्य गांव टोला में रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बहन-भाई के प्यार का प्रतिक त्योहार के अवसर पर प्रत्येक घर घर में एक दिन पहले से ही व्यापक तैयारियां कर लिया गया था। इस दिन सुबह लोग स्नान कर देवी देवताओं की पूजा अर्चना के उपरांत बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सुत बांधकर जन्म जन्म तक सुख-दु:ख में साथ निभाने का वचन भाईयों से लिया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी

राहे/सोनाहातू। भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन राहे और सोनाहातू प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई के कलाई पर राखी बांधा और भाई के दीघार्यु जीवन की मंगल कामना ईश्वर से किया। बहनों ने भाई की आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधा। इसके बाद मिठाई खिलाया। भाईयों ने भी इस अवसर पर बहनों को उपहार दिया। भाई की कलाई पर बहना का प्यार दमक रहा था। कहीं रेशम की डोर से रिश्ते मजबूत हो रहा था, तो कही सुनहरी राखियों के साथ जीवनभर रक्षा करने का वचन लिया गया। भाईयों के माथे पर तिलक सज रहा था। रक्षा बंधन को लेकर पूरे प्रखंड में काफी चहल पहल देखी गई। रक्षाबंधन श्रावणी पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है, जिस कारण सोमवार सुबह से ही सभी शिवालयों में श्रद्धालुओ की काफी भीड़ रही। सभी कतारवद्ध होकर जलाभिषेक किये। राहे पुलिस को झारखंड आवासीय विद्यालय राहे की छात्राओं ने थाना में प्रभारी फैज रब्बानी सहित सभी पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। इधर सोनाहातू थाना में प्रभारी चंदन कुमार सहित सभी पुलिसकर्मियों को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने राखी बांधी। इधर रक्षा बंधन को लेकर पूरे दिन क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना रहा।

संयुक्त श्रमिक संगठन ने गेट मीटिंग कर मजदूरों से की चर्चा

प्रबंधन की मनमानी का किया विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। संयुक्त श्रमिक संगठन उत्तरीकर्णपुरा क्षेत्र की गेट मीटिंग मजदूरों के हित मे किया गया। गेटमिटिंग कि अध्यक्षता करते हुए मिथलेश कुमार सिंह ने एन के क्षेत्र की के डी एच परियोजना में मजदूरों के बिच संडे एवं पी एच डी के मुद्दों के साथ साथ बायोमेट्रिक हाजरी के बिषय मे चर्चा किया गया। मजदूरों ने भी अपनी समस्या संयुक्त श्रमिक संगठन के पास रखे यूनियन एवं मजदूरों के संबंध को कुछ लोगो ने खराब करने का असफल प्रयास किया है। मजदूरों से बचतीत में पता चला है कि जो मजदूर आंदोलन को कमजोर करने का भरसक कोशिश कर रहे है। गेट मीटिंग के बाद दूसरे परियोजना मे भी मजदूरों के साथ गेट मीटिंग करके आगे के आंदोलन की रुपरेखा तैयार की जाएगी। मौके पर गोल्डन प्रसाद यादव, प्रेम कुमार,अमर भूषण सिंह, शैलेश कुमार,डी पी सिंह,मिथलेश सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार पाठक, अजय चौहान, जगदीश चौहान, अजय कुमार, जीके साहू सहित कई मजदूर उपस्थित थे।

एक नजर में

मांडर : खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल और जर्सी का वितरण

मांडर। प्रखंड के तिगोई अंबाटोली पंचायत के फुटबाल खेलाड़ियों के बीच सोमवार को जिला परिषद सदस्य बिनोदित तिग्गा और समाजसेवी रबुल अंसारी ने फुटबॉल और जर्सी का वितरण किया। इस अवसर पर रबुल अंसारी ने कहा कि खेल को प्रोत्साहित करने और युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में यह एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नियमित अभ्यास और समर्पण के साथ वे अपनी खेल यात्रा में सफल हो सकते हैं। बिनोदित तिग्गा ने कहा कि ग्रामीण इलाकों के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती है। बसरते कि उन्हें बेहतर सुविधा और प्रशिक्षण प्राप्त हो। इन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण और लाभदायक सुविधा के लिए मांडर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक प्रखंड में खेल का एक प्रशिक्षण केंद्र भविष्य में स्थापित किया जाएगा। मौके पर अजय पहान, बसंत उरांव, राम मुंडा, पप्पू गोप, सिकंदर अंसारी, असफाक अंसारी सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित थे।

रातू : सड़क हादसे में दो की मौत, बच्चा घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। पाली पतरा के पास ब्राम्बे-हाजी चौक रोड में सोमवार को दो बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक दस वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल है। मृतक की पहचान ठाकुरगांव हिसरी के विजय महतो (45) एवं चान्हो थाना क्षेत्र के बढ़ेया निवासी राजकुमार गोप (35) के रूप में की गई है। जबकि घायल बच्चा छोटू गोप मृतक राजकुमार गोप का पुत्र है। घायल बच्चे का गंभीर अवस्था में रिम्स के ट्रामा सेंटर में ईलाज किया जा रहा है। जानकारी अनुसार, मृतक विजय महतो पैशन प्रो बाइक जेएच 01 सीएच 2308 पर सवार हो अपनी पत्नी को बसिया मायके भेजने के लिए बस बैठाकर लालगुटवा ओवर ब्रिज के पास से लौट रहा था, ठीक उसी समय मृतक राजकुमार गोप अपनी स्प्लेंडर बाइक जेएच 01 एजी 7297 में सवार हो पत्नी और दो बच्चों को लेकर सिमलिया की ओर जा रहा था। शव का मंगलवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त दोनो बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है।

तमाड़ में बाइक के धक्के से मां-बेटा घायल

तमाड़। सालगाडीह के समीप सोमवार को तेज रफ्तार बाइक की जोरदार टक्कर से रांची-टाटा एनएच 33 पार कर रहे मां और बेटे जख्मी हो गये। दोनों की हालत गंभीर बताई जाती है। इस दौरान मोटरसाइकिल सवार पर तीनों युवक भी औंधे मुंह गिरे। इसमें वे तीनों भी घायल हो गए। सभी पांचों घायलों को एंबुलेंस द्वारा तत्काल इलाज के लिए तमाड़ पीएचसी भेजा गया। जहां घायलों की प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सलगाडीह में पढ़ने वाली एक छात्रा से भाई देवकी नंदन सिंह मुंडा अपनी मां सुमोना देवी के साथ रक्षाबंधन पर अपनी मां के साथ राखी बंधवाने विद्यालय आए थे। राखी बंधाने के बाद वापस घर जाने के क्रम मे रांची -टाटा नेशनल हाइवे-33 को पार कर रहे थे। तभी तमाड़ से बुंडू की ओर काफी तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल की चपेट में आ गए। मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवकों में 18 वर्षीय शिवा उरांव, शशोधर प्रमाणिक और 21 वर्षीय धीरज मुंडा शामिल है। तीनों में से शिवा उरांव की हालत दयनीय बताया जाता है। उनकी बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

अज्ञात वाहन के धक्के से तीन युवक घायल

मांडर। रांची-डाल्टेनगंज एनएच-39 पर मांडर बाजारटांड़ यूनियन बैंक के निकट एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 28 वर्षीय निर्मल कुजूर, 27 वर्षीय अनीस कुजूर व 28 वर्षीय संजीत कुजूर गंभीर रूप घायल हो गए। घायल सभी लोग चान्हो थाना क्षेत्र के मसमनो गांव के रहने वाले हैं। सभी घायलो को मांडर पुलिस द्वारा रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्रथमिक ईलाज के बाद निर्मल कुजूर की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर किया गया। जबकि अनीस व संजीत कुजूर का ईलाज रेफरल अस्पताल में चल रहा है।

बेड़ो के खुखरा में निकली शोभायात्रा

बेड़ो। श्रावण माह की अन्तिम सोमवारी और रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बेड़ो प्रखंड के ऐतिहासिक खुखरा गांव में ग्रामीणों द्वारा एक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा सुबह 6 बजे से प्रारंभ हुई। जिसमें श्रद्धालुओं ने पदयात्रा करते हुए चनकोपी नदी से जल कलश उठाया। साथ ही मुड़हर पहाड़ स्थित मुड़हर बाबा के मंदिर पर मुड़हर बाबा में जलाभिषेक किया। शोभायात्रा पंचायत के विकास,सुख -समृद्धि व हरियाली की मंगल कामना उद्देश्य से निकाली गई। वहीं शोभायात्रा को सफल बनाने में खुखरा निवासी जितेंद्र सिंह, रामभजन सिंह, रमेश साहू, शाहदेव व अनिल सिंह समेत शोभायात्रा में सैकड़ों ग्रामीणों ने सराहनीय योगदान दिया।

बेड़ो महादानी मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में दो दिवसीय सावन पूर्णिमा महोत्सव 24 घंटा अखंड हरी कीर्तन सह आयोजित भंडारा कार्यक्रम हवन पूणार्हुति के साथ संपन्न हो गया। इधर अखंड हरी कीर्तन के समापन के साथ ही श्रद्धालुओं के बीच खीर के बने महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसके अलावा सावन के अंतिम सोमवार को लेकर भी महादानी मंदिर स्थित भोलेनाथ में पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर उमड़ पड़ी। अंतिम सोमवार में पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालु रात 12.00 से ही महादानी मंदिर में लाइन लगाकर अरघा पद्धति के माध्यम से भोलेनाथ का जल अभिषेक किया। इधर पुजारी मेघनाथ गिरी ने बताया कि सावन का यह आखिरी सोमवारी और साथ ही रक्षाबंधन होने से श्रद्धालुओं का भीड़ मंदिर में पूजा अर्चना के लिए उमड़ पड़ा। वही श्रद्धालुओं के भीड़ को नियंत्रण के लिए भोलेनाथ में श्रद्धालुओं से अर्घ पद्धति के माध्यम से जल अभिषेक कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महादानी सेवा सत्संग समिति के संरक्षक महावीर गोप, अध्यक्ष हरनाथ महतो, सचिन सह पुजारी मेघनाथ गिरी, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, ईश्वर बड़ाइक, लिबू बड़ाइक, महावीर सिंह, विकास गोप, संदीप गोप, धनंजय बड़ाइक, बजरंग गोप, राजू सिंह शामिल हैं।

डॉ परमेश्वर भगत ने चलाया जनसंपर्क अभियान

गांव-गांव जाकर लोगों से मिले और समस्याएं सुनीं

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। प्रखंड के विभिन्न गांवों में सोमवार को पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत ने जन संपर्क अभियान चलाया। ईस अवसर पर डॉ भगत ने जन समस्याओं पर ध्यान दिया और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, और सड़क जैसी मुद्दों पर चिंता जताई। डॉ भगत ने आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल के महत्व के बारे में भी बताया एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के तौर पर जर्सी एवं फुटबॉल का वितरण किए। बैठक के दौरान, उन्होंने ग्रामीणों के साथ समस्याओं के समाधान के लिए एक योजना तैयार करने पर भी जोर दिया। फुटबॉल वितरण के साथ-साथ इस बैठक ने सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा दिया। डॉ भगत की इस पहल ने ग्रामीणों में सकारात्मक भावना उत्पन्न की। उनके प्रयासों से ग्रामीणों को एक नई ऊर्जा और उम्मीद मिली है। मौके पर जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष शमीम अख़्तर आजाद, मौलाना रफीक, साजिद अंसारी, इमाम बक्स अंसारी, अराफात अंसारी, शमीम अंसारी, सुनील मिंज, पुनीत मिंज, डहरू मिंज, बिरसा मिंज, शरीफ अंसारी, हजरत अंसारी, कलीम अंसारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

किशोरी लापता, सहेली पर भगाने का आरोप

चटकपुर की है घटना, पुलिस कर रही जांच

रातू। चटकपुर मिलन चौक की एक किशोरी के रहस्यमय तरीके से लापता होने की खबर है। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी की बेटी ने उसे बहला-फुसला कर घुमने के लिये घर से लेकर निकली और खुद वापस आ गयी। लेकिन, लापता बच्ची देर रात तक नहीं लौटी है। इसे लेकर उसके परिजन हलकान हैं। विवश होकर वह रातू थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत की। पुलिस इसकी तफ्तीश में जुट गयी है। जानकारी के मुताबिक, गुमसुदा बच्ची के पिता पंडरा बाजार समिति में मजदूरी करते हैं। उनकी छह बेटी और एक बेटा है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। गृहणी मां घर में रहती है। सोमवार को दिन के 11 बजे बच्ची अचानक गायब हो गयी। खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। शाम में ग्रामीणों ने बताया कि उनकी बेटी पड़ोसी बच्ची के साथ ऑटो से रांची की ओर जा रही थी। परिजन उसके पास पहुंचे, लेकिन वह उसके साथ कहीं जाने से मुकर गयी। इस पर दोनों परिवार के बीच नोंक-झोंक हुयी। पीड़िता की बहन ने आरोपी की हाथ से मोबाइल ले ली। उसे थाने को सुपुर्द कर दिया गया है।

नन्हे हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। जमीन कारोबारी नन्हे खान की सरेआम हत्या के मामले में सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार की अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश दिया है। आज इस मामले में अभियोजन ने कोई गवाह पेश नहीं किया। प्रिंस की मां नासरीन खातून की ओर से अधिवक्ता उदय कुमार भट्ट ने प्रतिनिधित्व का आवेदन दिया था। 24 नवंबर 21 को दोपहर लगभग 3:20 बजे के दो बाइक पर सवार चार शूटरों ने बुलेट से जा रहे 37 वर्षीय नन्हे पर गोलियों की बौछार कर दी। घटना को अंजाम देकर अपराधी आराम से भाग निकले थे।

मेला में दिखी झारखंड की सभ्यता-संस्कृति की झलक

ओरमांझी के गगारी पहाड़ पर लगा श्रावण पूर्णिमा मेला

- भाजपा सरकार बनते ही गगारी पहाड़ बनेगा पर्यटन क्षेत्र
- आदित्स साहू ने की 10 लाख देने घोषणा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी के गगारी पहाड़ पर लगे मेला में उमड़ी भीड़।

ओरमांझी। श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर प्रखंड के गगारी पहाड़ में दो अलग-अलग स्थान पर मेला लगा। बाबा भोलेनाथ धाम गगारी पहाड़ व महाकालेश्व धाम गगारी ओरमांझी में लगे मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू व पूर्व सांसद रामटहल चौधरी द्वारा किया गया। भोलेनाथ धाम गगारी पहाड़ मेला में ओरमांझी के विभिन्न गांव से हजारों की भिड़ उमड़ी थी। समिति द्वारा आयोजित सांस्कृति कार्यक्रमों में कलाकारों की गीत व नृत्य प्रस्तुति के साथ मेला पहुंची सैकड़ों की संख्या में युवा व युतियां भी थिरक रहे थे। इसके अलावा कालेश्वर धाम गगारी में भी मेला लगाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदित्य साहू कहा मेला सिर्फ उत्सव ही नही धार्मिक मेला से झारखंड की सभ्यता व संस्कृति के भी देखा जा सकता है। उन्होने मेला स्थल गगारी पहाड़ के विकास के लिए अपने सांसद कोष से 10 लाख रुपए देने की घोषणा किया। वहीं झारखंड के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह मेला में उपस्थित लोगों की भीड़ व उत्साह की सरहाना की, कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही क्षेत्र के लोगों की आस्था से जुड़ी भोलेबाबा गगारी पहाड़ का पर्यटक स्थल के रुप में विकसित किया जाएगा। पूर्व सांसद राामटहल चौधरी, पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, भाजपा नेता डॉ बिरसा उरांव, जीतनाथ बेदिया सहित कई लोगों ने संबोधित किया और गगारी पहाड़ को विकसित करना महत्वर्पूण बताया।

मौके पर थे मौजूद

पूर्व विधायक राजकुमार पाहन, मुखिया धनराज बेदिया, रमेश बेदिया, समुंदर पाहन, सत्यनारायण तिवारी, अमरनाथ चौधरी, दिलीप मेहता, सोनाराम मुंडा, शषि मेहता, नरेष महतो, विक्रांत तिवारी, धनेष्वर बेदिया, रामदयाल बेदिया, जितेन्द्र बेदिया, बृजलाल बेदिया, शिवटहल नायक, साधो उरांव, लालू बेदिया, गोवर्धन बेदिया रमेश बेदिया, गोपाल बेदिया, राजेन्द्र बेदिया, गौरीशंकर नायक बालेश्वर उरांव, लक्ष्मन उरांव, पंकज बेदिया, राहुल महतो, दिगेश बेदिया, रामवृक्ष बेदिया सहित कई अतिथि गण उपस्थित थे।

प्रमोद-समीम को दी श्रद्धांजलि

बलिदानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते लोग।

ओरमांझी। बलिदानी प्रमोद-शमीम के 21वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देकर याद किया गया। सोमवार को विकास चौक पर बलिदानी प्रमोद महतो की प्रतिमा पर प्रमुख सोमनाथा मुंडा, जिप सदस्य सह आजसू जिला अध्यक्ष संजय कुमार, भाजपा के खारसांवा व सरायकेला जिला प्रभारी अषोक कुमार, समाज सेवी संतोष महतो व भाजपा नेता युवराज पासवान सहित कई लोगों ने माल्यार्पण कर दोनो बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दोनो बलिदानी से हमें सामाजिक क्षेत्र में समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरण मिलती है। बताया गया कि बलिदानी प्रमोद-समीम दोनो दोस्त थे। शिक्षित समाज निर्माण के लिए प्रयासरत थे। दोनो की हत्या एक दिन एक साथ हुई थी। पुण्यतिथि पर वक्ताओं ने उनके विचारों को फैलाने और शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने का संकल्प लिया। मौके पर पूर्व मुखिया गंगा करमाली, उपेन्द्र प्रसाद, उमेश यादव, राजबल्लव प्रसाद, संदिप कुमार, आफताब अंसारी (बबलू), विनोद सिंह, राजा महतो, मुस्ताक अंसारी, किशोर महतो मौजूद थे।

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार . 20 अगस्त 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

हड़ताल पर डॉक्टर

एक महिला डॉक्टर से दुर्ष्कम और हत्या के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने हड़ताल का आह्वान किया था। जो हमारी स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के भीतर व्याप्त गंभीर संकट को ही उजागर कर गई। निस्संदेह, डॉक्टरों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है, उनकी न्याय की मांग भी उचित है, लेकिन गंभीर रोगों से जूझ रहे मरीजों खासकर गरीब मरीजों पर इस हड़ताल का असर बेहद चिंताजनक है। पहले ही देश में स्वास्थ्य व्यवस्था अपर्याप्त सुविधाओं और अत्यधिक बोझ से ग्रस्त है। ऐसे में कमजोर वर्ग के मरीजों को इस विरोध का खमियाजा भुगतने को मजबूर करना न तो उचित ही है और न ही मानवीय है। इसमें दो राय नहीं कि चिकित्सा वर्ग की सुरक्षा व संरक्षा की मांग तार्किक है, जिसे नजरअंदाज नहीं ही किया जाना चाहिए। रात-दिन मुश्किल हालात में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले डॉक्टरों को जिन संकटों से गुजरना पड़ता है, उसको लेकर चिंता होना वाजिब ही है। उचित होता यदि रोगियों की देखभाल की अनदेखी किये बिना संतुलित तरीके से समस्या का समाधान निकाला जाता। काले बैज पहनकर क्रमिक हड़ताल करना इसका एक प्रभावी विकल्प हो सकता था। कहने का अभिप्राय है कि डॉक्टरों को अपनी चिंताओं को भी अभिव्यक्त करना चाहिए लेकिन आवश्यक चिकित्सा सेवाएं भी बाधित नहीं होनी चाहिए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पहले भी हड़तालों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध रूप से चलाया जाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। साथ ही चिकित्सकों के रोगियों के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी निभाने पर भी बल दिया गया था। सरकार को इस दिशा में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

विकसित भारत की बात

अब 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बन जाने का फिर से भरोसा जताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब 40 करोड़ लोगों ने देश को आजाद करा दिया तो 140 करोड़ लोग बहुत कुछ कर सकते हैं। ऐसी अनेक अच्छी-अच्छी बातें उन्होंने अपने रिकॉर्ड-तोड़ 98 मिनट के उद्बोधन में की। बहुत से विषय वे ही थे जो वे टुकड़ों में अलग-अलग मंचों से कहते आये हैं। पीएम ने भारत की अपार क्षमता, विकास, नये संकल्प, सरकार की प्रतिबद्धता तथा रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म का फामूर्ला किंचित अलग शब्दों में प्रस्तुतीकरण किया। लोकसभा-2024 के चुनाव में पूरा बहुमत न पाने के कारण दो दलों के समर्थन पर चल रही सरकार के मुखिया होने के नाते उन्हें जिस कमजोरी का एहसास है, उसका प्रतिबिम्ब उनके भाषण में साफ झलक रहा था। 2014 से लेकर 2023 तक के दो कालावधियों में इसी मंच का उपयोग वे जिस कड़ी शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए विपक्ष तथा सरकार के विचारों से इत्तेफाक न रखने वालों के लिये करते रहे हैं, वह तेवर भी ज्यादा नजर नहीं आया। विकास को अपनी 'प्रतिबद्धता' बताया, न कि कोई 'राजनीतिक मजबूरी'। उनका कहना था कि वे जो भी कर रहे हैं वह राजनीतिक गुणा-भाग करते हुए नहीं वरन 'नेशन फर्स्ट' की थ्योरी काम करते हुए कर रहे हैं। रिफॉर्म्स (सुधारों) पर तो उनका दावा था कि इस पर घंटों चर्चा हो सकती है लेकिन अगर देशवासी इसका अंदाजा लगाना चाहें तो केवल बैंकिंग सेक्टर देख सकते हैं जिसमें बड़े सुधार हुए हैं। वैसे अब मोदी की लोकप्रियता को हम घटी सीटों से नापे तो एक बड़ा वर्ग अब भाषणों पर भरोसा नहीं करता है। विकास चंद रेलगाड़ियों से ज्यादा रोजगार और महंगाई की मार से प्रभावित होता है। आखिर देश में गिग ईकोनॉमी पर बहस क्यों नहीं करते मोदी।

सेकुलर सिविल कोड : हमारा संविधान हमारा सम्मान

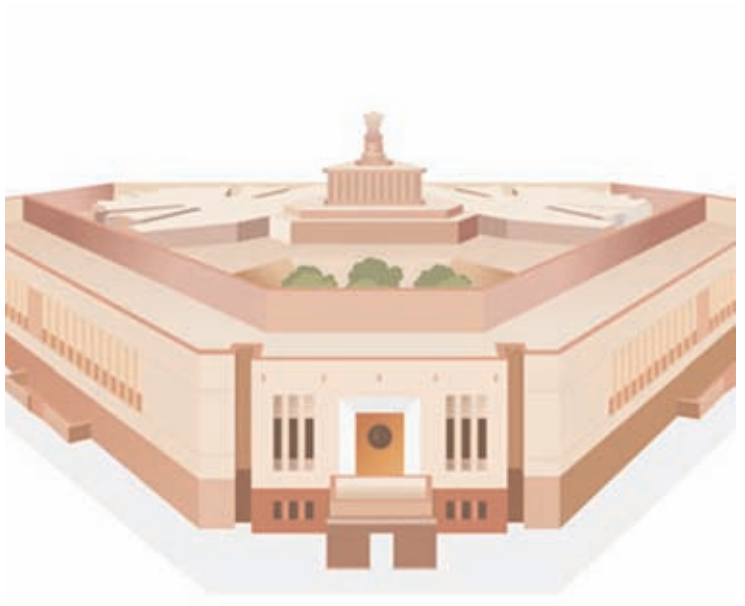

- डॉ विश्वास

इसके लिए भारत सरकार ने वर्तमान में हमारा संविधान हमारा सम्मान के नाम से अभियान चलाया है। खुद को उदारवादी और धर्मनिरपेक्ष कहने वाली जो फिरकापरस्त ताकतें जो वर्तमान विपक्ष में हैं, वे समान नागरिक संहिता का विरोध करती हैं, वे वास्तव में मुस्लिम पर्सनल लॉ की रक्षा करना चाहती हैं, किंतु वैसा वे अनुच्छेद 25 की आड़ में करती हैं, इस खेल को समझना बहुत जरूरी है।

मैं पिछले 24 वर्षों से लॉ स्टूडेंट्स को भारतीय संविधान पढ़ाते समय जब आर्टिकल 44 पढ़ाता हूँ तो समान नागरिक संहिता को सेक्युलर सिविल कोड की संज्ञा देता आया हूँ, जब लाल किले की प्राचीर से सुप्रीम कोर्ट के माननीय चीफ जस्टिस एवं अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने भी समान नागरिक संहिता को सेकुलर सिविल कोड कहा है क्योंकि भारत केवल और केवल तभी एक सेकुलर राष्ट्र माना जाएगा, जब यहां पर एक यूनिफॉर्म सिविल कोड होगा।

वस्तुतः इस यूनिफॉर्म कोड के बारे में बात करते समय कुछ तकनीकी बिंदुओं को स्पष्ट कर लेना जरूरी होगा। सबसे पहली बात तो यह कि संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 44 में यह साफ लिखा गया है कि राज्यसत्ता भारत के नागरिकों पर एक समान नागरिक संहिता लागू करेगी। जब भारतीय जनता पार्टी समान नागरिक संहिता की बात करती है तो इसे विपक्षी दलों द्वारा एक सांप्रदायिक एजेंडा करार दिया जाता है। अव्वल तो यह हिंदू सिविल कोड नहीं, बल्कि कॉमन सिविल कोड है, और दूसरे निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार इसका एक संवैधानिक आधार है। इस बात को सबको स्मरण में रखना चाहिए।

दूसरे, जहां समान नागरिक संहिता का एक संवैधानिक आधार है, वहीं धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का कोई संवैधानिक आधार नहीं है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी पंथनिरपेक्ष शब्द बाद में जोड़ा गया है। अब जब प्रस्तावना में दिनांक सहित लिखा हो कि .....अपनी इस संविधान सभा में आज दिनांक 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। .....तो बाद में इस प्रस्तावना में कुछ भी जोड़ना कुटकरण का अपराध होता है। क्योंकि जो कुछ भी संविधान सभा ने तय किया वो 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित हो चुका है, समाजवादी और पंथ निरपेक्ष 1976 में जोड़े गए ..इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट में निर्णय सुरक्षित रखा गया है।

अतः स्पष्ट है कि वास्तव में सेकुलरिज्म भारतीय संविधान का हिस्सा मूल रूप से नहीं था। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान 1976 में आनन-फानन में विवादास्पद 42वां संविधान संशोधन करते हुए इसे संविधान की प्रस्तावना में जोड़ा था। किंतु धर्म और राज्य के सम्बंधों के स्वरूप की सुस्पष्ट व्याख्या संविधान में कहीं भी नहीं की गई है। तो फिर दुविधा कहां पर है? दुविधा के मूल में है संविधान का अनुच्छेद 25, जो कहता है कि भारत के नागरिकों को अपने धर्म के अनुपालन और प्रचार की स्वतंत्रता है। अलबत्ता उसमें यह भी कहा गया है कि यह स्वतंत्रता निर्बाध नहीं है, यह सार्वजनिक नैतिकता और व्यवस्था के अनुरूप होनी चाहिए। फिर इसी अनुच्छेद के दूसरे क्लॉज में यह भी साफ शब्दों में लिखा गया है कि इस अनुच्छेद का कोई भी प्रावधान राज्यसत्ता द्वारा कानून-निर्माण की प्रक्रिया में बाधा नहीं बनना चाहिए।

दूसरे शब्दों में, अगर सत्तारूढ़ दल समान नागरिक संहिता सम्बंधी संवैधानिक प्रावधानों की सुस्पष्ट और सतर्क व्याख्या कर सके तो वह अपने पक्ष में व्यापक जनमत का निर्माण कर सकता है। इसके लिए भारत सरकार ने वर्तमान में हमारा संविधान हमारा सम्मान के नाम से अभियान चलाया है। खुद को उदारवादी और धर्मनिरपेक्ष कहने वाली जो फिरकापरस्त ताकतें जो वर्तमान विपक्ष में हैं, वे समान नागरिक संहिता का विरोध करती हैं, वे वास्तव में मुस्लिम पर्सनल लॉ की रक्षा करना चाहती हैं, किंतु वैसा वे अनुच्छेद 25 की आड़ में करती हैं, इस खेल को समझना बहुत जरूरी है। इन फिरकापरस्त ताकतों को और कुछ नहीं तो कम से कम संविधान सभा की बहसें ही पढ़ लेना चाहिए। जब संविधान सभा में अनुच्छेद 25 पर बहस चल रही थी तो 6 दिसम्बर 1948 को ओडिशा के नेता श्री लोकनाथ मिश्रा ने तीन बहुत पते की बातें कही थीं।

उन्होंने कहा था-

1) दुनिया के किसी भी देश के संविधान में धर्म के प्रचार को मूलभूत अधिकार का दर्जा नहीं दिया गया है, तो फिर हमारे यहां वैसा क्यों किया जा रहा है?

2) आयरलैंड के संविधान में बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक आस्था को राजधर्म जैसी विशेष अवस्था प्रदान की गई है, फिर हमें भारत में वैसा करने में लज्जा क्यों आ रही है?

3) सोवियत रूस में धर्म के अनुपालन की आजादी दी गई है तो धर्म-विरोधी प्रचार को भी उतनी ही आजादी दी गई है। यह इस्लामिक देशों के ईशनिंदा कानून के सर्वथा विपरीत है, जहां ईश्वर की सत्ता पर किसी तरह का प्रश्न पूछे जाने को कुफ्र कहते हुए उसे एक अपराध माना जाता है। हमारे संविधान में धर्म-विरोधी प्रचार का कोई अधिकार क्यों नहीं दिया गया है?

हमें यह याद रखना चाहिए कि जिन परिस्थितियों में भारत का संविधान रचा जा रहा था, वह अत्यंत कठिन समय था और सांप्रदायिक विभाजन से भारत देश की आत्मा कराह रही थी। वैसे में पहले ही दब्बू किस्म के भारतीय नेतागण इस्लामिक पर्सनल लॉ के मामले में और जोखिम लेने से थर-थर कांप रहे थे। लेकिन संविधान सभा के चेयरमैन डॉ. भीमराव आम्बेडकर स्वयं समान नागरिक संहिता के प्रबल पक्षधर थे, इस बात को हमारे उदारवादी बंधुओं को स्मरण रखना चाहिए। जब संविधान सभा में एक मुस्लिम के सदस्य द्वारा कहा गया कि भारत जैसे बड़े देश में समान नागरिक संहिता सम्भव नहीं है तो आम्बेडकर ने गरजते हुए जवाब दिया- जब समान अपराध संहिता हो सकती है तो समान नागरिक संहिता क्यों नहीं हो सकती? इसके बाद आम्बेडकर ने जो प्रहार किया, वो तो और करारा था। जब मुस्लिम सदस्य ने कहा कि हमारे पर्सनल लॉ में बदलाव करना किसी के लिए सम्भव नहीं है तो आम्बेडकर ने उन्हें याद दिलाया कि 1935 तक नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस में शरीयत कानून लागू नहीं थे। साथ ही, बॉम्बे, सेंट्रल प्रोविंसेस और यूनाइटेड प्रोविंसेस में तो उत्तराधिकार के कानून हिंदू विधि के अनुरूप संचालित हो रहे थे।केरल में रह रहे मुस्लिम तो मातृसत्तात्मक मरुमक्कथयम् कानून का पालन करते आ रहे थे।

खास बात

एकता जरूरी

नागेन्द्र सिंह

निस्संदेह, अतीत गवाह है कि जब-जब हमारी राष्ट्रीय एकता कमजोर हुई विदेशी शक्तियां हमारी संप्रभुता को चुनौती देने लगीं। ऐसे में इस पर्व को राजनीतिक-वैचारिक मतभेदों को भुलाकर उल्लासपूर्वक मनाना ही शुभकर है। भले ही हम किसी भी राजनीतिक सोच से जुड़े हों लेकिन राष्ट्रीय हितों के मुद्दे पर हमारा सुर एक ही होना चाहिए। निस्संदेह, यह तिरंगा अभियान हमें एकता के सूत्र में पिरोता है। हमें बताता है कि हम कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक ही हैं। जम्मू-कश्मीर के स्वरूप में आये बदलाव के बाद वहां तिरंगा यात्राएं इस बात का हमें गहरे तक अहसास कराती हैं कि राष्ट्रीयता के क्या मायने हैं। केसर की घाटी में तिरंगे की मोहक व स्वतंत्र उपस्थिति देशभक्ति के सरोकारों से भर देती है। किसी भी देश की भौगोलिक सीमाएं व संसाधन ही देशभक्ति का पर्याय नहीं होते। जब तक देशभक्ति का जज्बा उसके नागरिकों की रगों में नहीं दौड़ता कोई राष्ट्र पूर्णता हासिल नहीं कर सकता। इस पूर्णता में हमारे राष्ट्रीय प्रतीक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। तिरंगा भी इन्हीं राष्ट्रीय अहसासों की सरस अभिव्यक्ति ही है। आजादी के पर्व को महज छुट्टी के रूप में देखने वाले लोगों को इस बात का गहरा अहसास होना चाहिए कि आजादी को हासिल करने के लिये वर्ष 1857 से 1947 के बीच हुए स्वतंत्रता संग्राम में देशवासियों ने कितनी बड़ी कीमत चुकायी।

परतंत्र भारत में जीने वाले भारतीयों को इस बात का गहरा अहसास था कि आजादी की कीमत क्या होती है। बीते साढ़े सात दशक की हमारी उपलब्धि बताती है कि इन सालों में हमने आज जो हासिल किया उसे हम गुलामी के सैकड़ों सालों में भी हासिल नहीं कर पाये। इस आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखना हमारा पुनीत कर्तव्य है। इसी आजादी का प्रतीक है तिरंगा।

आसमान में शान से लहराता तिरंगा हमें बताता है कि हम एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिनिधि देश के नागरिक हैं। इस तिरंगे की शान हमें बनायी रखनी है।हमारी राष्ट्रीयता कमजोर हुई तो देश विरोधी शक्तियां सक्रिय होगी।

वैदिक देवता

विचार-प्रवाह

सुभाष काक

इसी तरह सबसे ऊपर की तीन स्थितियां हैं, असुर, मानव और देव। वहां ऐसे उत्सव होते, जिसमें यक्षों का आह्वान किया जाता। अवंतिपुर और मार्तंड के खंडहर हमें इस बारे में बताते हैं, फिर भी हमने इसे ठीक से नहीं समझा।

वैदिक देवता कश्मीर के रास्ते चीन और जापान गए। चौथी महान परिषद भी कुषाण शासक कनिष्क के संरक्षण में सन 100 में वहां हुई। सर्वस्तिवादिन स्कूल के भिक्षुओं ने नए सिद्धांत संकलित किए। यही महायान का आधार बना। वैदिक देवता इस समझ का एक हिस्सा थे, जैसे कि ईश्वर की साधना के परम लक्ष्य के साथ ध्यान एक हिस्सा था वैदिक परंपरा का। श्रीनगर के पास कंकुना स्तूप के परिहसापुरा स्मारक पामीर पर्वत से जापान तक पूरे एशिया में एक मॉडल की तरह हैं। वैदिक देवों की कश्मीरी तस्वीर भी बहुत हद तक नकल की गई। कला इतिहासकार सुसान हंटिंगटन हमें याद दिलाते हैं कि चीन में युनांग गुफाएं, एशिया की कई जगहों पर दीवारों पर हुई पेंटिंग और जापान की कुछ पांडुलिपियों का मूल्यांकन इस बात को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए कि इनका स्रोत कश्मीर हो सकता है।

वैदिक विचारों को भी दक्षिण भारत और दक्षिण पूर्व एशिया से समुद्री मार्ग के जरिए जापान ले जाया गया।

इससे पता चलता है कि तमिल स्वर विज्ञान के माध्यम से संस्कृत के कुछ शब्द जापानी में कैसे बदले। उदाहरण के लिए, संस्कृत का होम शब्द जापानी में गोम हो गया। जापान में संस्कृत मंत्रों को दक्षिण भारत की सिद्धम लिपि में लिखा जाता है। आइए मिलते हैं उन वैदिक देवताओं से जो आज के जापान में लोकप्रिय हैं।

संथालपरगना में 1951 के बाद जनगणना के अनुसार 2011 तक आदिवासी समाज की संख्या 45 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत तथा पूरे देश में इस दौरान हिंदुओं की संख्या 4 प्रतिशत घटी लेकिन संथालपरगना में यह लगभग 23 प्रतिशत घटी।

- निशिकांत दूबे, सांसद

आपके ट्वीट

आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम - ये है भारत के गिग वर्कस की व्यथा! सुनील उपाध्याय जी के साथ एक यूबर यात्रा के दौरान चर्चा फिर उनके परिवार से मिल कर देश के गिग वर्कस समस्याओं का जायजा लिया। 'हैंड टू माउथ इनकम' में इनका गुजारा **-राहुल गांधी**

राज्य की आधी आबादी को हक-अधिकार और सम्मान देने के लिए आपके इस भाई और बेटे तथा झारखण्ड सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में कई ऐतिहासिक योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। **- हेमंत सोरेन, सीएम**

कुछ खास दिनों तक सिमट कर न रहे देश प्रेम

फिरदौस खान

यह खुशनुमा अहसास है कि हमारा देश आजादी की 75वीं सालगिरह मना रहा है। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी यानी जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। जन्म स्थान या अपने देश को मातृभूमि कहा जाता है। भारत और नेपाल में भूमि को मां के रूप में माना जाता है। यूरोपीय देशों में मातृभूमि को पितृ भूमि कहते हैं। दुनिया के कई देशों में मातृ भूमि को गृह भूमि भी कहा जाता है। इंसान ही नहीं, पशु-पक्षियों और पशुओं को भी अपनी जगह से प्यार होता है, फिर इंसान की तो बात ही क्या है। हम खुशनसीब हैं कि आज हम आजाद देश में रह रहे हैं। देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने के लिए हमारे पूर्वजों ने बहुत कुर्बानियां दी हैं। उस वक़्त देश प्रेम के गीतों ने लोगों में जोश भरने का काम किया। बच्चों से लेकर नौजवानों, महिलाओं और बुजुर्गों तक की जुबान पर देश प्रेम के जज्बे से सराबोर गीत किसी मंत्र की तरह रहते थे। क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल की नज्म ने तो अवाम में फि रंगियों की बंदूकों और तोपों का सामने करने की हिम्मत पैदा कर दी थी।

देश प्रेम के गीतों का ज़िक्र मोहम्मद अल्लामा इकबाल के बिना अधूरा है। उनके गीत सारे जहां से अच्छा के बगैर हमारा कोई भी राष्ट्रीय पर्व पूरा नहीं होता। हर मौके पर यह गीत गाया और बजाया जाता है। देश प्रेम के जज्बे से सराबोर यह गीत दिलों में जोश भर देता है। हिन्दी फिल्मों में भी देश प्रेम के गीतों ने लोगों में राष्ट्र प्रेम की गंगा प्रवाहित

आजादी दिवस

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी से पहले इन गीतों ने हिन्दुस्तानियों में गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मुल्क को आजाद कराने का जज्बा पैदा किया और आजादी के बाद देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार करने में अहम किरदार अदा किया है। फि ल्मों का ज़िक्र किया जाए तो देश प्रेम के गीत रचने में कवि प्रदीप आगे रहे। उन्होंने 1962 की भारत-चीन जंग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए ह्यऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानीह्न गीत लिखा। लता मंगेशकर द्वारा गाये इस गीत का तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की मौजूदगी में 26 जनवरी, 1963 को दिल्ली के रामलीला मैदान में सीधा प्रसारण किया गया था। गीत सुनकर जवाहरलाल नेहरू की आंखें भर आई थीं। साल 1943 बनी फिल्म कि स्मत के गीत दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिन्दुस्तान हमारा है ने उन्हें अमर कर दिया। इस गीत से गुस्साई तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उनकी गिरफ़्तारी के आदेश दिए थे, जिसकी वजह से प्रदीप को भूमिगत होना पड़ा था। उनके लिखे फिल्म जागृति (1954) के गीत आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिन्दुस्तान की ओर दे दी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल आज भी लोग गुनगुना उठते हैं।

शकील बदायूंनी का लिखा फि ल्म सन ऑफ इंडिया का गीत नन्हा मुन्ना राही हूं देश का सिपाही हूं बच्चों में बेहद लोकप्रिय है। कैफी आजमी के लिखे और मोहम्मद रफी के गाये फि ल्म हकीकत के गीत ह्यकर चले हम फिदा जान-ओ-तन साथियों, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों को सुनकर आंखें नम हो जाती हैं और शहीदों के लिए दिल श्रद्धा से भर जाता है। फिल्म लीडर का शकील बदायूंनी का लिखा और मोहम्मद रफी का गाया और नौशाद के संगीत से सजा गीत अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं, लेकिन सर झुका सकते नहीं बेहद लोकप्रिय हुआ। प्रेम धवन द्वारा रचित फि ल्म हम हिन्दुस्तानी का गीत छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, नये दौर में लिखेंगे, मिलकर नई कहानी।

कार्टून वर्ल्ड

पुतिन की गति...

लेटर टू एडिटर

कड़ी सजा मिले

हाल ही में कोलकाता में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर घटने वाली घटनाएं बताती हैं कि राज्य के हालात ठीक नहीं हैं? राज्य की मुख्यमंत्री का इस मामले में बड़े बवाल के बाद कार्रवाई का मन बनाने को आखिर क्या समझा जाए?

- रविशंकर, गढ़वा

मीडिया को चेतावनी

प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि गलत जानकारी और एजेंडा से चलने वाली डिबेट लोकतंत्र के लिए खतरनाक साबित होती हैं। उन्होंने कहा मीडिया के फैलाए जा रहे पक्षपातपूर्ण विचार लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं और सिस्टम को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अपनी जिम्मेदारी से भागकर आप हमारे लोकतंत्र को दो कदम पीछे ले जा रहे हैं।

- अविनाश सिंह, रांची

पाकिस्तान की मांग के लिये मुस्लिम लीग का डायरेक्ट एक्शन का दिन

- रमेश शर्मा

इतिहास

पन्द्रह अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता और यह वर्तमान स्वरूप सरलता से नहीं मिला। यह दिन मानों रक्त के सागर से तैरकर आया है। बलिदानियों ने जितना बलिदान विदेशी आक्रांताओं से मुक्ति के लिये दिया, उतना ही बलिदान अपने स्वत्व को सुरक्षित रखने के लिये दिया है। और स्वतंत्रता के साथ हुए भारत विभाजन में तो भीषण नरसंहार हुआ ही था लेकिन इससे पहले भारत विभाजन की माँग को बल देने के लिये भी हत्यारों ने लाशों के ढेर लगा दिये थे। यह नरसंहार 16 अगस्त 1946 से शुरू हुआ और मात्र पाँच दिन में बंगाल और पंजाब में लाशों के इतने ढेर लग गये थे कि उन्हे उठाने वाले भी नहीं बचे थे। लोग हत्यारों के भय से भागकर जंगलों और अन्य प्रांतों में भाग गये थे। लाशों की सड़ाँध से बीमारियाँ और मौतें हुईं सो अलग। इन पर लगाम 21 अगस्त के बाद लग सकी।

अपने लिये पृथक देश पाकिस्तान की माँग को सशक्त बनाने केलिये मुस्लिम लीग ने इस डायरेक्टर एक्शन का आव्हान अचानक नहीं किया था। इसकी तैयारी सालों से की थी। एक अलग मुस्लिम राष्ट्र का वातावरण बनना 1887-88 के आसपास से आरंभ हो गया था। इसकी झलक सर सैय्यद अहमद के भाषणों से मिलती है। इसे आकार देने के लिये 1906 में मुस्लिम लीग अस्तित्व में आई और 1930-31 में पाकिस्तान नाम भी सामने आ गया था। उसी प्रकार इस डायरेक्ट एक्शन की तैयारी भी वर्षों से की जा रही थी। 1931 में मुस्लिम लीग ने बाकायदा सशस्त्र सैनिकों की भर्ती आरंभ कर दी थी। इसे मुस्लिम लीग आर्म गार्ड नाम दिया गया था। 1944 तक अलग-अलग नगरों में इनकी संख्या 22 हजार तक पहुँच गई थी। फरीदपुर में इसका प्रशिक्षण केन्द्र था। इसके एक प्रशिक्षण शिविर में बंगाल के मुख्यमंत्री सोहरावर्दी भी उपस्थित थे उन्होंने इस इन आर्म गार्ड को पाकिस्तान के लिए उपलब्धिह्र बताया था। 1946 में ऐसे ही एक प्रशिक्षण शिविर में अब्दुल मोबेन खान ने संख्या बढ़ा कर एक लाख करने की आवश्यकता बताई थी। बंगाल में इनकी गतिविधि का केन्द्र कलकत्ता था। इसीलिए बंगाल का विवरण भारत में है। किंतु पंजाब और सिंध में इसका केन्द्र रावलपिंडी, लाहौर और मुल्तान में था। यह क्षेत्र अब पाकिस्तान में है इसलिये वहाँ का कोई विवरण अब भारत में नहीं मिलता।

भारत विभाजन के लिये अंग्रेज और मुस्लिम लीग एक राय थे पर काँग्रेस में कुछ असमंजस थी इसलिए निर्णय की घोषणा में विलंब हो रहा था। काँग्रेस के हर नेता ने पहले विभाजन का विरोध किया था। काँग्रेस पर दबाव बनाने के लिये मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट एक्शन के नाम पर यह नरसंहार किया था। डायरेक्ट एक्शन की घोषणा करने के पहले लीग ने खुली चेतावनी दी थी। जुलाई 1946 में मोहम्मद अली जिन्ना ने बॉम्बे में अपने घर पर आयोजित आयोजित पत्रकार वार्ता में घोषणा की थी कि- मुस्लिम लीग संघर्ष शुरू करने की तैयारी कर रही है और एक योजना भी तैयार कर ली है। उन्होंने स्पष्ट कहा था- यदि मुसलमानों को अलग पाकिस्तान नहीं दिया गया तो वे सीधी कार्रवाई शुरू करेंगे। और अगले दिन जिन्ना ने 16 अगस्त 1946 को प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस होने की घोषणा कर दी। जिन्ना ने कांग्रेस को चेतावनी दी- हम युद्ध नहीं चाहते हैं, यदि आप युद्ध चाहते हैं तो हम आपके प्रस्ताव को बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार करते हैं। हमारे पास या तो एक विभाजित भारत होगा या एक नष्ट भारत होगा।ह्र जिन्ना की इस शब्दावली में भविष्य की पूरी तस्वीर का संकेत है। इसके साथ मुस्लिम लीग के सभी वरिष्ठ नेता संभावित पाकिस्तान के पूरे क्षेत्र में सक्रिय हो गये। बंगाल में इस अभियान की कमान मुख्यमंत्री सोहरावर्दी के हाथ में थी।मुस्लिम लीग की इस चेतावनी के साथ ही बंगाल और पंजाब के मुस्लिम आबादी बाहुल्य इलाकों से हिन्दुओं का पलायन आरंभ हो गया था। हिन्दुओं में इस भय का कारण बंगाल और पंजाब में निरंतर बढ़ती साम्प्रदायिक घटनाएँ थीं।

जिनमें 1930 के बाद तेजी आई। जिसमें पुलिस तटस्थ रहती। पुलिस के तटस्थ रहने का कारण यह था कि जहां मुस्लिम लीग समर्थक सरकारें थीं वहां पाकिस्तान समर्थक नौजवानों को योजनानुसार पुलिस में भर्ती किया गया था। और अन्य प्रांतों में सशस्त्र बालेन्टियर तैयार किये थे।

भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल, सयाल-उरीमारी भक्ति जयकारों से गूंजा

श्रावण माह के अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सिद्धेश्वर नाथ प्राचीन शिव मंदिर सयाल में पूजा-अर्चना में शामिल श्रद्धालु महिला-पुरूष

बुढ़वा महादेव मंदिर में भगवान शिव का जयकारा लगाते श्रद्धालु भक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल, सयाल-उरीमारी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में श्रावण माह के अंतिम सोमवारी पर पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं महिला-पुरूषों की अपार भीड़ अहले सुबह से ही उमड़ी रही। इस दौरान श्रद्धालुओं ने दूध व जल से शिवलिंग का जलाभिषेक कर, फल-फूल, बेलपत्र व प्रसाद चढ़ाकर पूरे विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान ऊः नमः शिवाय, हर हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के समक्ष मत्था टेक अपने परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि, और हरियाली-खुशहाली की कामना की। इधर जवाहर नगर भुरकुंडा स्थित शिव मंदिर, सयाल मोड शीतला मंदिर, पटेलनगर शिव मंदिर, गायत्री मंदिर, हॉस्पीटल कॉलोनी स्थित शिव मंदिर, सयाल-उरीमारी स्थित शिव मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही जुटे रहें। वहीं भुरकुंडा, रिभर साईड, लपंगा, चैनगडा, सौंदा डी, हॉस्पीटल कॉलोनी, कुरसे, चिकोर, लादी, देवरिया, मतकमा, पाली, निमी, सुद्दी, बलकुदरा, बासल आदि क्षेत्रों के शिवालयों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-शांति की कामना की।

इधर तीन नंबर झोपड़ी स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में भी विशेष पूजा का आयोजन किया गया। इसमें सैंकड़ों लोगों ने पूजा किया। पूजा के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं पटेलनगर सयाल मोड़ स्थित मां शीतला मंदिर में जवाहर नगर भुरकुंडा निवासी मां दुर्गा के उपासक पंडित रामकुमार पाठक द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई गई। वहीं सिद्धेश्वर नाथ प्राचीन शिव मंदिर सयाल पूजा कमेटी द्वारा 21 किलो दूध से भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक पूजन, श्रृंगार एवं प्रातः कालीन आरती किया गया। मौके पर मंदिर कमेटी की अध्यक्ष पम्मी कुमार, सोनी देवी, गीता सिन्हा, अर्जुन सिंह, संदीप केशरी, उदय मेहता, बजेश पाठक, हरीचन्द्र झा, रामकृपाल मालाकार एवं मंदिर कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थें।

बुढ़वा महादेव मंदिर में 24 घंटा का अखंड-हरिकीर्त्तन संपन्न, भव्य भंडारा का हुआ आयोजन

पंचायत समिति मद से ढाई लाख रुपए की लागत से बने सामुदायिक भवन का हुआ उद्घाटन

पूजा-अर्चना में शामिल बरका-सयाल जीएम व उनकी पत्नी

भुरकुंडा (रामगढ़)। सावन महोत्सव के पावन अवसर पर भुरकुंडा के तीन नंबर झोपड़ी स्थित प्राचीन बुढ़वा महादेव मंदिर में रविवार से चल रहे 24 घंटा के अखंड-हरिकीर्त्तन का सोमवार को समापन हो गया। पूजा में मुख्य रूप से बरका-सयाल जीएम अजय कुमार सिंह सपत्नी शामिल हुए। इस दौरान पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मुख्य पुजारी अशोक तिवारी द्वारा भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा कराई गई। मौके पर जीएम अजय कुमार सिंह ने कहा कि भक्ति आयोजनो से क्षेत्र में भक्ति का संचार बढ़ता है। साथ ही क्षेत्र में हरियाली-खुशहाली का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि भक्ति में बड़ी शक्ति होती है, घर-परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए धार्मिक अनुष्ठान होते रहना चाहिए। सावन महोत्सव के समापन पर सोमवार को भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिप उपाध्यक्ष सह समाजसेवी मनोज राम एं पतरातू प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि सीताराम मुंडा ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण कर किया। भंडारा में श्रद्धालुओं के बीच पुरी-सब्जी, खीर और बुंदिया का वितरण किया गया। इस दौरान सैंकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरूष बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस असर पर बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में पंचायत समिति मद से ढाई लाख रुपए की लागत से बने सामुदायिक भवन का उद्घाटन भी मुख्य अतिथि मनोज राम व प्रमुख प्रतिनिधि सीताराम मुंडा द्वारा फीता काटकर किया गया। धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में बुढ़वा महादेव मंदिर समिति के अध्यक्ष गणेश साव, मुख्य पुजारी अशोक तिवारी, भुरकुंडा पंचायत समिति दीपक भुइंया, भुरकुंडा पंचायत के उप मुखिया संजीत राम, डब्लू पांडेय, युसुफ अंसारी दर्जनों श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा।

रांची के हरमू में 124वां श्री श्याम महाभंडारा का आयोजन

भंडारा में श्रद्धालुओं को प्रसाद देते रोटरी क्लब की महिलाएं व अन्य

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री श्याम मित्र मंडल एवं रोटरी क्लब रांची के द्वारा हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में सोमवार को 124वां श्री श्याम महाभंडारा का आयोजन किया गया। इससे पहले सुबह मंदिर में खाटू नरेश का अभिषेक कर पूजा के बाद भोग चढ़ाया गया। रोटरी क्लब रांची की ओर से शाम में श्याम भंडारे का महाभोग लगाया गया। जिसमें तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर श्याम प्रभु की अर्चना की।

एक नजर में

कुजू कोयलांचल में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

कुजू। कुजू कोयलांचल व आस-पास के क्षेत्रों में भाई-बहन का त्योहार रक्षाबंधन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान क्षेत्र के कुजू, ओरला, तोपा, सांडी, आरा, सारूबेड़ा, दिगवार, बोंगावार, करमा, रतवे, छोटकी डूंडी आदि स्थानों में दोपहर 2 बजे से बहनों ने भाईयों को राखी बांधकर अपनी सुरक्षा का वायदा लिया। वहीं भाईयों ने भी उपहार स्वरूप भेंट प्रदान किया। राखी बांधने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। इधर विभिन्न मंदिरों में मां मनसा की पूजा हुई। इस दौरान बकरे व बतख की बली दी गयी।

भाईयों के दीर्घायु कामना को ले बहनों ने बांधी राखी

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने-अपने भाईयों की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधी। साथ ही मिठाई खिलाकर बहनों ने भाई के दीर्घायु होने की कामना की। मौके पर भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देते हुए उनकी की रक्षा करने का संकल्प लिया। इधर पवित्र सावन माह के अंतिम दिन सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु महिला-पुरूष भक्त विभिन्न शिवालयों में पहुंचे। जहां भगवान शिव का दूध व जल से जलाभिषेक करते हुए बेलपत्र व प्रसाद चढ़ाया। इस दौरान ऊं नमः शिवाय, भोले बाबा की जय, हर हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के गगनभेदी उदघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के दौरान भगवान शिव से अपने परिवार व क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली, अमन-चैन की कामना की। भुरकुंडा, जवाहर नगर, पटेल नगर, सुंदर नगर, सौंदा डी, सेंट्रल सौंदा, चिकोर, लादी, मतकमा, देवरिया, लपंगा, चैनगडा, कुर्से, बलकुदरा, भदानीनगर, निम्मी, पाली, सुद्दी, रीवर साईड, सौंदा बस्ती, भदानीनगर, हुरूमगढ़ा, पगला आश्रम, हॉस्पीटल कॉलोनी, शिव नगर, बंगला कुंआ सहित विभिन्न क्षेत्रों में भाई-बहनों के प्रेम व स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

पतरातू प्रखंड का चहुंमुखी विकास करने में जुटी हैं विधायक अंबा प्रसाद : कृष्णा

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू प्रखंड विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि विधायक अंबा प्रसाद की सराहना किया है। उन्होंने कहा की अंबा के अथक प्रयास से पतरातू प्रखंड का चहुमुखी विकास के लिए विधायक मद की योजना को स्वीकृति मिली है। फिलहाल पतरातू प्रखंड में 47 योजनाओं का स्वीकृति मिला है। जिसमें प्रखंड के विभिन्न पंचायतो में विभिन्न प्रकार की विकास योजना उतारी गई है। इसमें पीसीसी पथ, पेवर ब्लॉक पथ, यात्री शेड, शमशान शेड, छठ घाट, शमशान घाट, नाली निर्माण, मंदिर के समीप सुंदरीकरण, मंडा पूजा के लिए तारा माचा,चबुतरा निर्माण एवं विभिन्न प्रकार की योजनाएं शामिल हैं। कुल मिलाकर 47 योजनाएं हैं जिसकी लागत एक करोड़ चार लाख रुपए से योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि विधायक अंबा प्रसाद पतरातू प्रखंड ही नहीं पूरे बड़कागांव विधानसभा में बड़ी-बड़ी योजनाओं को धरातल में उतारने के बाद अब पंचायत में जो छोटी-छोटी योजनाएं बची हुई थी उन योजनाओं को अपने विधायक मद से धरातल पर उतारने का काम कर रही है। ताकि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो सके।

समय रहते किसान अपने फसलों का करा लें बीमा : शैलेश कुशवाहा

भुरकुंडा (रामगढ़)। बिरसा चौक भुरकुंडा निवासी सह चिकोर पैक्स अध्यक्ष शैलेश कुशवाहा ने पतरातू प्रखंड के किसानों को जागरूक करते हुए खेतों में लगे धान और मक्का फसल का चिकोर पैक्स कार्यालय भुरकुंडा में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा कराने की अपील की है। उन्होंने बताया की फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। उन्होंने फसल बीमित किसान खुशहाल किसान का नारा बुलंद करते हुए कहा कि इसका लाभ लेने के लिए चिकोर पैक्स कार्यालय भुरकुंडा में हर हाल में 31 अगस्त तक किसान अपने खेतो में लगे धान और मक्का फसल का बीमा करा लें। श्री कुशवाहा ने बताया कि फसल बीमा की सभी प्रकिया ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए किसान को आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जमीन का करंट रसीद, वंशावली, वंशावली पर मुखिया का हस्ताक्षर व मोबाइल नंबर देना होगा। उन्होंने बताया कि चिकोर पैक्स में बिरसा प्रधामंत्री फसल बीमा के तहत परमेश्वर राम, इंद्र प्रकाश कुशवाहा, सनोज कुमार, मंटू राम, ललिता देवी, जितेंद्र गोप, भीम कुमार महतो, अरविंद मुंडा आदि किसानों ने बीमा कराया है। बाकी बचे किसान भी जल्द से जल्द फसलों का बीमा करा लें।

भाजपा भुरकुंडा मंडल ने सांसद मनीष जायसवाल का किया जोरदार स्वागत

सांसद का स्वागत के बाद वार्ता करते भाजपाई

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। रांची से बड़कागांव बुढ़वा महादेव मंदिर जाने के क्रम में सोमवार को सयाल 10 नंबर खान के समीप भाजपाईयों द्वारा हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल का स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा के नेतृत्व में भाजपाईयों ने बुके देकर एवं फूल माला पहनाकर सांसद मनीष जायसवाल का जोरदार स्वागत किया गया।

सैकड़ों लोग जेबीकेएसएस छोड़ आजसू पार्टी में हुए शामिल

युवाओं की पार्टी है आजसू : रोशनलाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रोशनलाल चौधरी व अन्य

बड़कागांव। प्रखंड के होरम गांव स्थित पुराने आंगनबाड़ी केंद्र में एक बृहद सामूहिक बैठक होरम ग्रामवासियों ने रखा। जिसमें मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता संतोष कुमार पटेल व संचालन जितेंद्र कुमार महतो ने किया। जिसमें सैकड़ो युवाओं ने जेबीकेएसएस को त्याग करते हुए रोशनलाल चौधरी के समक्ष आजसू पार्टी का दामन थाम लिया। पार्टी में शामिल हुए लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमलोगों ने जेबीकेएसएस की सदस्यता सिर्फ मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से उनके द्वारा फैलाए भावनात्मक और झूठे जुमले वादों तथा सिंपैथी भाषणों की वजह से आकर्षित होकर हम सभी युवा एक गलत राह चुन लिए थे । बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो, जिला मीडिया प्रभारी दीपक कुमार दीन्हा, युवा प्रखंड अध्यक्ष नारायण प्रसाद,आंगो पंचायत प्रभारी बीरेंद्र कुमार महतो, विजय महतो, सुनील कुमार सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

रानीचुवा के युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

बरही। बरही प्रखंड के रानीचुवा गांव के निवासी चंदू टुडू के 18 वर्षीय पुत्र छोटन टुडू का 15 अगस्त को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान दुर्भाग्यवश उनका निधन हो गया। छोटन टुडू के निधन के बाद, उनके परिजनों को अस्पताल के भारी बिल का सामना करना पड़ा, जिसे चुकाने में वे असमर्थ थे। अस्पताल प्रशासन ने बकाया राशि के भुगतान तक शव को रिलीज करने से मना कर दिया। इस मुश्किल घड़ी में परिजनों ने जीप सदस्य भाग-2, रविशंकर अकेला से मदद की गुहार लगाई। रविशंकर अकेला ने तुरंत अस्पताल पहुंचकर प्रबंधन से बातचीत की और बकाया राशि को माफ करवाया।

पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने सावन की अंतिम सोमवारी पर किया जलाभिषेक

बरही। सावन के पवित्र महीने की अंतिम सोमवारी पर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने धार्मिक आस्था और परंपरा का निर्वहन करते हुए बराकर नदी से जल भरकर बरही ब्लॉक परिसर स्थित मनोकामनेश्वर शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राभिषेक में भी भाग लिया और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी अनुज शर्मा ने कराया। पूर्व विधायक ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान भगवान शिव से बरही विधानसभा क्षेत्र की समृद्धि, प्रगति और उन्नति के लिए कामना की। उन्होंने कहा कि सावन का महीना शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है और इस अवसर पर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना सौभाग्य की बात है। पूर्व विधायक की इस धार्मिक क्रियाकलाप ने लोगों के दिलों में आस्था और विश्वास की भावना को और प्रगाढ़ किया।रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। सभी ने मिलकर भगवान शिव का गुणगान किया और उनकी कृपा से क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन साव, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, राजकुमार यादव, मनोज केशरी, राजकुमार केशरी, सूरज देव यादव, प्रदीप केशरी, धर्मेंद्र गुप्ता, नन्द किशोर गुप्ता, पिंटू केशरी, पिंटू ठाकुर, बलराम केशरी, प्रशांत केशरी, श्याम सिन्हा, हरिशंकर शर्मा, दिलीप केशरी, आचार्य चंद्र मोहन मिश्रा, मंदिर पुजारी अनुज शर्मा, सचिन यादव सहित अन्य श्रद्धालु शामिल थे।

ओवरलोडिंग के खिलाफ एसोसिएशन का आंदोलन तीसरे दिन भी जारी

रामगढ़। ओवरलोडिंग के कारण वाहन मालिकों की हो रही खस्ताहाल पर विवश होकर ट्रक, ट्रेलर, हाइवा एसोसिएशन, रामगढ़ ने अब आंदोलनात्मक रूख अख्तियार कर लिया है। घोषित कार्यक्रम के तहत एसोसिएशन ने गत 17 अगस्त से क्षेत्र के कोरिया घाटी फोरलेन मोड़ के पास ओवरलोडिंग के खिलाफ अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन प्रारंभ कर दिया। इसके तहत एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित ट्रक, ट्रेलर, हाइवा मालिकों ने कोरिया घाटी फोरलेन मोड़ पर टेंट, तंबू लगाकर डेरा डाले हैं, और मार्ग से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों को आने जाने से रोक दिया जा रहा है। जिसके कारण फोरलेन सड़क पर दोनों ओर ओवरलोड वाहनों की लंबी कतार लग गई है। आंदोलन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है। आंदोलनकारियों द्वारा संबंधित विभाग से ओवरलोडिंग पर रोक लगाने का आग्रह किया जा रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अचानक कोल्ड ड्रिंक्स की खाली बोतलें फेंककर आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया गया। बताया जाता है कि जिस समय कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलों फेंकी गई,उस समय लगभग 12-15 की संख्या में आंदोलनकारी तंबू में मौजूद थे। अचानक इस तरह से हुए हमले से लोगों में अफरातफरी मच गई। लेकिन साहस जुटाकर सबों ने हमलावरों को खदेड़कर भगाया। तंबू में मौजूद आंदोलनकारियों के अनुसार अहले सुबह करीब तीन बजे अज्ञात सफेद रंग की डस्टर कार से करीब 5 की संख्या में पहुंचे असामाजिक तत्वों ने कोल्ड ड्रिंक्स की खाली बोतलों से उन लोगों पर ताबड़तोड़ प्रहार शुरू कर दिया। प्रहार से विचलित करीब पंद्रह की संख्या में तंबू में बैठे आंदोलनकारियों के विरोध के बाद हमलावर डस्टर कार पर सवार होकर फरार हो गए। घटित घटना को लेकर एसोसिएशन सचिव पारस महतो ने कुजू ओपी पुलिस को लिखित सूचना देते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। सूचना के बाद ओपी प्रभारी दिगंबर पांडेय घटनास्थल पहुंच कर पूरे मामले की जानकारी ली। एसोसिएशन के बैनर तले ट्रक, ट्रेलर, हाइवा मालिकों ने अपनी मांगी पूरी नहीं होने तक आंदोलन को जारी रखने के लिए कटिबद्ध हैं। वहीं इस आंदोलन को की राजनीतिक दलों में भी समर्थन देने की घोषणा की है। आजसू मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो, सीपीआई (एमएल) जिला सचिव पच्चू राणा व जिला परिषद डाड़ी भाग एक सदस्य सर्वेश कुमार सिंह ने एसोसिएशन की मांगों को जायज ठहराते हुए आंदोलन स्थल पहुंच कर आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की है। आंदोलन में एसोसिएशन के पदाधिकारी मधु साव, महेंद्र प्रसाद साहू,संजय प्रसाद, पारस महतो, राजेश प्रसाद, शंकर प्रसाद,बसंत प्रजापति, तालेश्वर प्रसाद, कार्तिक मंडल, लखन प्रसाद, राकेश कुमार, मिट्ठू प्रसाद, प्रेम कुमार, मिथिलेश प्रसाद, मुकेश प्रसाद, बसंत प्रसाद सहित बड़ी संख्या में वाहन मालिक डेरा जमाए बैठे हैं।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल खेल- खिलाड़ियों के उत्थान और सहयोग के लिए आयोजित कर रहें हैं 'सांसद खेल महोत्सव- 2024'

सभी पांचों विधानसभा के हरेक प्रखंडों में जल्द शुरू होगा नमो फुटबॉल टूनार्मेंट

तैयारी कर पूरी, आकर्षक नमो जर्सी और ट्रॉफी के साथ विजेता और उपविजेता टीमों को मिलेगा नगद पुरस्कार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। साल 2024 में पहली बार हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित होने के बाद मनीष जायसवाल ने 'सांसद खेल महोत्सव-2024' के तहत नमो खेल श्रृंखला का विस्तार संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में करने का निर्णय लिया है। सांसद खेल महोत्सव-2024 के प्रथम चरण की तैयारी पूरी कर ली गई है और जल्द ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़, मांडू, हजारीबाग सदर, बड़कागांव और बरही विधानसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों में नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने इसे लेकर सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर बताया कि हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में सांसद खेल महोत्सव -2024 के तहत नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का विस्तार किया जायेगा।

इसबार लोकसभा क्षेत्र के करीब 1,000- 1500 (एक हजार-पंद्रह सौ) टीम के 15,000- 20,000 (पंद्रह हजार-बीस हजार) खिलाडियों का समागम इस टूनार्मेंट में होने जा रहा है। नमो फुटबॉल टूनार्मेंट-2024 के प्रथम चरण की शुरूआत आगामी 21 अगस्त को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड से होगा। द्वितीय चरण आगामी 25 अगस्त को मांडू विधानसभा क्षेत्र के कुजू से होगा। इसकी तैयारी नमो खेल श्रृंखला समिति द्वारा पूरी कर ली गई है। प्रत्येक चरण के विजेता टीम को पुरस्कार स्वरूप 25,000 रुपए नगर और आकर्षक नमो ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को 15,000 नगद और आकर्षक नमो ट्रॉफी भेंट किया जाएगा।

नमो फुटबॉल टूनार्मेंट के उद्घाटन और समापन को समारोह के रूप में आयोजित कर स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान कर उन्हें भी प्रोत्साहित किया जायेगा। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि इस बार पहली बार यह निर्णय लिया जा रहा है कि टूर्नामेंट के सभी 22 प्रखंडों के विजेता टीमों का एक प्रतिस्पर्धा हजारीबाग में नमो चैंपियन ट्रॉफी के नाम से आयोजित होगा जिसके विजेता को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया की फुटबॉल टूनार्मेंट के साथ ही अन्य खेलों में भी प्रतिस्पर्धा का आयोजन कर खेल- खिलाड़ी और खेल प्रेमियों को सम्मान दिया जायेगा. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की पीएम नरेंद्र मोदी के आवाह्न पर खेल- खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के सम्मान के लिए नमो खेल श्रृंखला के तहत नमो फुटबॉल टूनार्मेंट के एक नए स्वरूप का आगाज होने जा रहा है जिसकी दस्तक संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र में होगी और हर गांव में इसकी गूंज सुनाई देगी। टूनार्मेंट के शुभारंभ और समापन के मौके पर कई दिग्गज और गणमान्य लोग शामिल होंगें। मौके पर रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

झामुमो परिवारवादी पार्टी, सत्ता इनके लिए सर्वोपरी है : मनीष जायसवाल

प्रेस वार्ता करते सांसद व अन्य

पत्रकार सम्मेलन में पूर्व सीएम चंपई सोरेन के मामले पर जब सांसद मनीष जायसवाल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब घर में घुटन महसूस हो रहा हो, घर के सदस्यों से शिकायत हो, उचित मान सम्मान नहीं मिल पा रहा हो तब राजनीति की पराकाष्ठा हो जाती है। झामुम एक परिवारवादी पार्टी है और महज दो-तीन महीने ही चुनाव में बचे थे लेकिन चंपई दा को सत्ता से बेदखलकर जेल से आते ही सत्ता हथियाकर ना सिर्फ. परिवारवादी पार्टी होने का संदेश दिया बल्कि चंपई दा जैसे नेता के साथ धोखा भी किया। मनीष जायसवाल ने कहा कि हम लोग इन्हें डमी चीफ मिनिस्टर होने का क्लेम करते थे लेकिन चंपई दा ने खुद ही इसका खुलासा कर दिया। जेल से हेमंत सोरेन चंपई सरकार को कंट्रोल करते थे। यह लोकतंत्र के लिए बेहद शर्मनाक और ओछी राजनीति है ऐसा करने से हर किसी राजनीतिक पार्टी को बचना चाहिए। मनीष जायसवाल ने यह भी बताया कि लोकसभा के प्रथम सत्र में ही उन्होंने जनहित और देसी से जुड़े 23 प्रश्नों को लोकसभा के सदन पटल पर रखा और तीन गंभीर विषयों पर उन्हें लोकसभा में बोलने का अवसर प्राप्त हुआ।

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की बंगाल हिंदुस्तान का ही एक राज्य है यहां कोई तालिबानी शासन नहीं है बावजूद इसके जब एक डॉक्टर के साथ ऐसी निर्मम और जगन्य घटना हो सकती है तो आम आदमी की स्थिति क्या होगी इससे अंदाजा लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना के विरोध में जो प्रोटेस्ट देश भर में हो रहे हैं वह किसी राजनीतिक दल के शाह पर नहीं बल्कि स्वतः लोग। सड़क पर उतरकर इसका प्रखर विरोध कर रहें हैं और यही होना भी चाहिए।

स्पीड न्यूज

वन विभाग के कर्मचारियों ने धरना स्थल पर ही मनाया रक्षा बंधन

चतरा। झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ के आह्वान पर जिले भर के वनरक्षी और वनपाल सोमवार को भी धरने पर बैठे हैं और उन्होंने घोषणा की है कि जब तक वन प्रशासन और सरकार उनकी उचित मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक वे आंदोलनरत रहेंगे क्योंकि यह उनके आत्मसम्मान का प्रश्न है। धरने पर बैठे वनरक्षियों और वनपालों की कलाइयाँ सूनी न रह जाएँ, इसलिए चेतना भारती से आई महिलाओं ने उन्हें राखी बाँधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि पूरे राज्य के वनरक्षी अपने नियमावली में हुए अलाभकारी संशोधन के विरोध में अपने सभी विभागीय कामकाज को छोड़कर विगत चार दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी दीर्घायु की कामना की

चतरा। चतरा सहित पूरे जिले में सोमवार को रक्षा बंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी दीर्घायु की कामना की। रक्षा बंधन को लेकर शहर में काफी चहल-पहल देखी गई और लोग विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना करते नजर आए। पर्व को लेकर मिठाई, फल, राखी की दुकानों से लेकर बाजार में सुबह से शाम तक भारी भीड़ रही।वाहनों के इंतजार में बहनों को घण्टों परेशान होना पड़ा। भद्रा नक्षत्र होने के कारण दोपहर डेढ़ बजे के बाद बहनों ने इंतजार कर में राखी बांधी। भाई-बहनों के बीच प्यार का माहौल देखने को मिला और रक्षाबंधन का त्योहार पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया।

जहर खाने से महिला की मौत

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसपोर्ट गली में एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वहीं मृतका की पहचान 30 वर्षीय सुलेखा देवी पिता अजीत कुमार राय के रूप में की गयी है। वहीं बताया जाता है कि घरेलू विवाद को लेकर महिला ने जहर खा लिया, तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इसके बाद घटना की सूचना कोडरमा पुलिस को मिली एवं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हर हर महादेव के नारों से गुंजते रहे शिवालय

खबर मन्त्र संवाददाता

मरकच्चो (कोडरमा)। बोल बम का नारा है भोला एक सहारा है, हर हर महादेव का नारों से सोमवार को प्रखंड के मंदिर गुंजायमान होता रहा। बताते चलें कि श्रावण माह की आखरी व पांचवीं सोमवारी पर मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय समेत प्रखंड के विभिन्न गांव के शिवालयों में देवाधिदेव भगवान महादेव के भक्तों ने शिव का जलाभिषेक कर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा अर्चना की। प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल करमा धाम, मां चन्चालनी धाम स्थित शिवालय में हजारों भक्तों ने भक्ति भाव से जलाभिषेक किया। वहीं प्रखंड मुख्यायलय के लाल नगर, कोटवार मोहल्ला, थाना परिसर, प्रखंड मुख्यालय परिसर, भगवती डीह, ब्रह्मटोली, श्रीनगर, कुम्हर टोली, समेत प्रखंड के ग्राम जामु, दशारो, पपलो, नावाडीह, बरवाडीह, दरदाही, बरियारडीह, देवीपुर, डोंगोडीह समेत कई गांव के हजारों भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को दूध, बेलपत्र, चंदन, रोली, धतूरा भांग, प्रसाद आदि चढ़ाकर पूजा-अर्चना की।

24 घंटे के हरि कीर्तन को लेकर निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

मरकच्चो (कोडरमा)। नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के ताराटांड कुशमई गांव के संयुक्त शिव मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 घंटे का हरि कीर्तन को लेकर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कार्यक्रम का विधिवत उद्घघाटन मुखिया बीना देवी व उपमुखिया सकुंतला देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कुंवारी कन्याओं एवं महिलाओं ने पीले व गेरुआ वस्त्र धारण कर कलश को अपने सिर पर रख पैदल गाजे-बाजे के साथ पसियाडीह नदी पहुंचे, जहां अपने कलश में पवित्र जल भर कर पुनः शिव मंदिर पहुंचकर भोलेनाथ पर जल अर्पित किए। मौके पर किशोर यादव, रुपन महतो, तुलसी पासवान, मनोज यादव, अर्जुन मोदी, बीरेंद्र यादव,

रिंकू यादव, दशरथ यादव, कृष्णा मोदी, रोहित मोदी, मिथलेश पासवान, सिंटू पासवान, गेंदो पासवान, चुरामन यादव, बासुदेव यादव, महेंद्र यादव, किसुन यादव, उपेंद्र यादव, राजेश पासवान, अजय यादव, राजू यादव, संदीप यादव, सचिन यादव, दिनेश पासवान, राहुल मोदी, सोनू मोदी, पिंटू मोदी, संतोष यादव, मोहित मोदी समेत कई महिला व पुरुष शामिल थे।

एक नजर में

कुंदा प्रखंड में यादव होटल का शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

कुंदा (चतरा)। कुंदा प्रखंड के मेन चौक से कुछ ही दूरी पर बाजार रोड स्थित सत्येंद्र पासवान के मकान में यादव होटल का शुभारंभ हुआ। होटल का उद्घाटन कुन्दा मुखिया मनोज कुमार साहू, सिकीदाग मुखिया अनिता देवी, नवादा मुखिया भरत यादव, बौधाडीह मुखिया अनिता देवी और शाखा प्रबंधक आंजेण्य कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुखिया ने कहा कि होटल के शुभारंभ से आम लोगों के साथ-साथ प्रखंड और पंचायत कर्मियों को उत्तम भोजन की सुविधा मिलेगी। होटल संचालक राजेश कुमार ने बताया कि यादव होटल में आम लोगों के बजट के अनुसार व्यंजन मिलेंगे, जिसमें वेज पनीर, पनीर अंगारा, वेज खजाना, पालक पनीर और नॉनवेज में चिकन तंदूरी, चिकन हांडी, मटन हांडी पंजाबी, फीश फ्राय, चाउमीन, मेनचुरियन, चिली और नाश्ता, खाना आदि व्यंजन ग्राहकों को परोसे जाएंगे। इस अवसर पर मजदूर संघ प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, समाजसेवी विनोद साव, रविशंकर वर्मा, संतोष कुमार यादव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

युवाओं ने भरी हुंकार, उखाड़ फेंकेंगे हेमंत सरकार

युवा आक्रोश रैली की तैयारी को ले की गयी बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। विधायक के आवासीय कार्यालय में सोमवार को आगामी 23 अगस्त को रांची में निर्धारित युवा आक्रोश रैली को लेकर भारतीय जनता पार्टी, कोडरमा नगर एवं भाजयुमो कोडरमा की संयुक्त बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता कोडरमा नगर अध्यक्ष अजय पांडेय एवं संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजेश सिंह ने किया। बैठक में प्रभारी जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार झुन्नू उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भारत माता की जयघोष के साथ हुई। बैठक में

सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष अजय पांडेय को पुनः मंडल अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर उन्हें फूल माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत युवा आक्रोश रैली पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजयुमो द्वारा राज्य के धोखेबाज, निकम्मी और भ्रष्ट हेमंत सरकार के विरोध में 23 अगस्त 2024 को रांची में आयोजित युवा आक्रोश रैली में विभिन्न मंडलों से हजारों की संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया। साथ ही साथ 25 अगस्त दिन रविवार को सभी बूथों पर मन की बात श्रवण कार्यक्रम आयोजित कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों को सुनने का निर्णय लिया गया। बैठक में देवेंद्र कुमार चंद्रवंशी, सीताराम भगत, सूरज सिंह, राजू विश्वकर्मा, नरेंद्र सिंह, मुकेश यादव, नवीन सिंह, पंकज सिंह, गांगो कुमार, विशाल सिन्हा, रवि पांडेय, सहर्ष राज, रफीक अंसारी, मो. साबिर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

देवेंद्र को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बनाये जाने पर चंद्रवंशी समाज में खुशी की लहर

कोडरमा। छात्र जीवन से अब तक भाजपा विंग के साथ निष्ठा पूर्वक कार्य करने वाले चंद्रवंशी देवेंद्र कुमार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर चंद्रवंशी समाज में खुशी का लहर है। वहीं चंद्रवंशी समाज की ओर से चंद्रवंशी देवेंद्र कुमार को बहुत बहुत बधाई के साथ भाजपा को जिन्होंने चंद्रवंशी समाज के युवा कर्मठ जुझारू नेता देवेंद्र को प्रदेश प्रवक्ता बनाया, जिसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद दिया गया। वही चंद्रवंशी देवेंद्र को चंद्रवंशी समाज के जिला उपाध्यक्ष सह चंद्रवंशी विकास मंच सचिव महेश भारती, मंच के संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, बिरेंद्र राम, उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, सीता राम भगत जी, महेंद्र राम आदि आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

दुर्गा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक

खबर मन्त्र संवादाता

गिद्धौर। ठाकुरवाड़ी मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित गांव के लोगों ने दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने पर चर्चा की और सफल संचालन के लिए एक संचालन समिति का गठन किया।सर्वसम्मति से राजेश कुशवाहा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में पंचायत समिति सदस्य सरिता देवी, मुखिया निर्मला देवी, मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष विनोद पासवान, भाजपा नेता सतेंद्र कुमार दांगी, कांशी महतो, राजेश कुशवाहा, कविंद्र दांगी, देवनारायण दांगी, निरंजन दांगी, तीरथ राम दांगी, राजू लाल वर्मा, शिक्षक अनिल कुमार, यदुनंदन पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद थे। बैठक में दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा डोर बांधकर की लंबी उम्र की कामना

बहनों ने लिया सुरक्षा का वचन

जयनगर (कोडरमा)। भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन सोमवार को हर्षोल्लास के साथ जयनगर के विभिन्न क्षेत्रों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर सुरक्षा का वचन लिया। सोमवार को अहले सुबह बहनें भाइयों के पास पहुंच कर राखी बांधी और आरती उतार कर मिठाई खिलाई। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मिठाइयों की दुकान गुलजार रहीं। अहले सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में भी जलार्पण के लिए भीड़ देखी गई। वहीं खरीयोडीह बाबा धाम मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने सावन की पूर्णिमा पर जलाभिषेक किया और आशीर्वाद मांगा।

खबर मन्त्र संवाददाता

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन ने अनोखे तरीके से मनाया

बाल मित्र ग्रामों में रक्षा बंधन को सुरक्षा व सम्मान का बंधन के रूप में मनाया गया

कोडरमा। जिला अंतर्गत विभिन्न बाल मित्र ग्रामों में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन द्वारा रक्षा बन्धन के त्योहार को इस बार अनोखे तरीके से मनाया। वहीं बाल पंचायत के बच्चों ने उपायुक्त मेघा भारद्वाज, एसपी अनुदीप सिंह, प्रमुख समेत विभिन्न सरकारी अधिकारीयों, पुलिस के जवानो, पंचायत प्रतिनिधियों को राखी बांधकर इस बार राखी के त्यौहार को रक्षा बंधन सुरक्षा एवं सम्मान का बंधन के रुप में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया और बच्चों एवं महिलाओं के खिलाफ होने वाली हर प्रकार की हिंसा को समाप्त कर बच्चों व महिलाओं के लिए सुरक्षित, सभ्य एवं बाल मित्र सामाजिक वातावरण बनाने की अपील किया। इस दौरान बाल मित्र ग्राम बेहराडीह, रतनपुर, ढोढाकोला, पारहो, बेंदी सहित सैकड़ों बाल मित्र ग्रामों में संगोष्ठी सभा का आयोजन कर बच्चों व महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं सभ्य समाज के निर्माण पर परिचर्चा किया गया एवं कार्यक्रम में शामिल लोगों की कलाइयों पर राखी बांधी गयी।

बरहमपुर मोड़ के पास कांवरियों का जत्था दुर्घटनाग्रस्त

खबर मन्त्र संवादाता

गिद्धौर। चतरा इटखोरी रोड स्थित बरहमपुर मोड़ के पास सुबह करीब 8:00 बजे एक कांवरियों का जत्था भद्रकाली से पूजा अर्चना करने के बाद लौटते समय अचानक डीजे साउंड पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन चालक और कांवरिए बाल-बाल बच गए। सभी कांवरिए चतरा क्षेत्र के चेंगेर गांव के बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ड्राइवर को फटकार लगाते हुए उसे सुरक्षित तरीके से गाड़ी चलाने की हिदायत दी।

भद्रकाली मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

इटखोरी। सावन के अंतिम सोमवारी के अवसर पर भद्रकाली मंदिर में पूजा और जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों भक्तों ने काँवर लेकर माँ भद्रकाली मंदिर स्थित 1008 शहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले माता के मंदिर में पूजा-अर्चना की। सोमवारी के मौके पर भक्तों की अत्यधिक भीड़ होने के कारण भक्तों ने कतारबद्ध होकर माता का पूजन-अर्चन किया और शहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। शहस्त्र शिवलिंग पर एक बार जलाभिषेक करने से 1008 शिवलिंग महादेव पर जलाभिषेक होता है।

धूम-धाम से मना रक्षा बंधन

खबर मन्त्र संवाददाता

डोमचांच (कोडरमा)। भाई-बहन के अमर प्रेम के प्रतीक का पर्व रक्षा बंधन सोमवार को शांति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। रक्षा बंधन पर्व को लेकर बहनों और भाइयों में खासा उत्साह देखा गया।

बहनों ने अपने-अपने भाइयों के कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधकर भाइयों के लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को जीवन भर रक्षा करने का वचन दिया।

पेट्रोल पंप के पास धूं-धूं कर जल गया बोलेरो

खबर मन्त्र संवाददाता

सतगावां (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कलीडीह पेट्रोल पंप के समीप सोमवार की शाम बोलेरो में अचानक आग लगने से बोलेरो धुं-धुं कर जल गयी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त बोलेरो का टंकी लीकेज के कारण आग लग गयी। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नही हुआ है।

वहीं स्थानीय लोगों व पेट्रोल पंप कर्मी के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। वहीं घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ले रही थी। उक्त बोलेरो ग्राम राजाबर निवासी का बताया जा रहा है।

स्पीड न्यूज

शशि आचार्य एंड टीम ने सैनिकों को बांधी राखी

जमशेदपुर। सोमवार सोनारी सर्किट हाउस स्थित आर्मी कैंप में उपस्थित आर्मी भाइयों की कलाइयों में एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड की बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व बहुत थी उल्लास से मनाया सभी भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतार कर भगवान से उनके स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया और बधाई दी। मौके पर झारखंड की महामंत्री शशि आचार्य सुजाता सिंह विद्या सिंह पुष्पा सिंह शर्मिला सिंह पूर्वी दत्त संध्या सिंह रजिया जेब उपस्थित थीं।

भाई बहन के प्रेम और विश्वास के प्रतीक हैं मुख्तार और डॉ निधि

जमशेदपुर। पिछले 27 वर्षों से धर्म और संप्रदाय से परे भाई बहन के स्नेह को राखी के रंग बिरंगे धागों से सींच रहे हैं आजाद नगर शांति समिति के महासचिव मुख्तार आलम खान और विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्या डॉ निधि श्रीवास्तव। यह स्नेह का बंधन न सिर्फ पारिवारिक है बल्कि समाज सेवा तथा सामाजिक विकास के साथ भी जुड़ा हुआ है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्षाबंधन के शुभ अवसर को दोनो भाई बहन ने मिल कर मनाया।

पूर्व मुखिया शंकर चंद्र हेंब्रम के श्राद्धकर्म में शामिल हुईं विधायक

फोटो सबिता महतो

चांडिल। चौलीवासा पंचायत के पूर्व मुखिया सह झारखंड आंदोलनकारी शंकर चंद्र हेंब्रम के श्राद्धकर्म में रविवार को विधायक सविता महतो शामिल हुए। इस दौरान विधायक ने दिवंगत पूर्व मुखिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान विधायक ने पूर्व मुखिया के परिजनों से मिलकर इस दुख की घड़ी में ढांडस बंधाया। इस अवसर पर विधायक सविता महतो, स्नेहा महतो, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।

31 को अगस्त इकोज फेस्टिवल संगीत की सजेगी महफिल

जमशेदपुर। बिष्टुपुर स्थित बेल्डीह क्लब में आगामी 31 अगस्त को लजीज व्यंजनों के साथ ही संगीत की महफिल सजेगी। शहर के संगीत प्रेमी स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ यहां बेहतरीन म्यूजिक का भी लुत्फ उठा सकेंगे। मौका होगा अगस्त इकोज फेस्टिवल का। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 3 बजे से रात 10.30 बजे तक होगा। इस फेस्ट में विभिन्न स्टॉल भी लगाये जायेंगे साथ ही सामानों की प्रदर्शनी भी लगेगी। मेला में कुछ स्पेशल सामानों की बिक्री की जायेगी ।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

दिन में सौ-सौ बार जय श्री श्याम कहता है, खांटू जाने को तैयार रहता है...

- चर्चित भजन गायक कन्हैया मित्तल के भजनों पर झूमे 20 हजार से अधिक लोग
- हर हर महादेव सेवा संघ की भजन संध्या में डा अशोक भगत समेत 11 विभूतियां सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

कार्यक्रम में सम्मानित की गयी विभूतियों संग अतिथि।

भजनों की प्रस्तुति देते कन्हैया मित्तल (ऊपर) और भजन प्रस्तुत करते कृष्णमूर्ति (नीचे)।

जमशेदपुर। हर हर महादेव सेवा संघ द्वारा सावन की अंतिम सोमवारी की शाम साढ़े सात बजे से गुरुद्वारा मैदान,साकची में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें देश के नामी भजन गायक चंडीगढ़ निवासी कन्हैया मित्तल और जमशेदपुर के भजन गायक कृष्णमूर्ति एंड टीम ने अपने भजनों से शिवभक्तों और श्याम भक्तों को खूब झुमाया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत हर हर महादेव के संस्थापक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने किया। उन्होंने कहा कि यह हर हर महादेव सेवा संघ के वार्षिक भजन संध्या का 24 वां साल है। अगले वर्ष 25 वर्ष के अवसर पर ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्र म की शुरुआत कृष्णमूर्ति एंड टीम की भजन प्रस्तुति से हुई जो विगत 24 वर्षों से निःशुल्क इस वार्षिक आयोजन में अपनी प्रस्तुति देते आ रहे हैं। इसके बाद रात्रि 09 बजे से कन्हैया मित्तल ने अपनी प्रस्तुति देनी शुरु की जो देर रात तक चला। मित्तल ने गणेश बंदना से अपनी प्रस्तुति शुरु की। उसके बाद वे खांटू वाले श्याम बाबा के भजनों से भक्तों को भिगोंने लगे। उन्होंने गाया-दिन में सौ-सौ बार जय श्री श्याम कहता है, खांटू जाने को हमेशा तैयार रहता है...। इसके बाद सुनाया-माला तेरे नाम की....घर भर दी संसार की... वो खांटू वाले श्याम जी कमाल हो गया, तेरा बंदा बाबा मालामाल हो गया...।

इन विभूतियों को किया गया सम्मानित : आदिवासियों के कल्याण में अपना जीवन खपा देने वाले पद्मश्री डा अशोक भगत, डा आसिफ अहमद, केदारनाथ जासूका, 170 बार रक्तदान कर चुके एसके झा, एमटीएमएच के आंकोलोजिस्ट डा तामोजित चौधरी,शिक्षाविद् डा डीपी शुक्ला, साईकिलिंग कोच सतवीर सिंह सहोता, हिन्दी और भोजपुरी के चर्चित एवं बयोवृद्ध साहित्यकार अरविंद विद्रोही,64 बार रक्तदान कर चुकी श्रीमती रजनी उपाध्याय, रेडक्रॉस के सचिव विजय सिंह, मैनेजमेंट गुरु चंद्रेश्वर खां,कैंसर मरीजों की निःशुल्क सेवा करने वाले सरदार त्रिलोक सिंह।

कार्यक्रम में सांसद विद्युतबरण महतो, धनबाद के पूर्व सांसद पीएन सिंह, विधायक सरयू राय समेत बड़ी संख्या में आम और खास लोग उपस्थित थे।

अरबों के जीएसटी घोटाले के मुख्य सरगना शिव देवड़ा की जमानत रद

सुमित गुप्ता के जमानत के समय झारखंड उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

यहां तक कि देश का एक सामान्य व्यक्ति भी राष्ट्र और राज्य के निर्माण और विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के सीजीएसटी और एसजीएसटी का भुगतान कर रहा है, लेकिन याचिकाकर्ता जैसे व्यक्ति जो सफेदपोश अपराधी हैं, राष्ट्र और राज्य के विकास में बाधा डालते हैं और बाधा डालते हैं। निजी लाभ पर गिद्ध दृष्टि रखकर सुनियोजित तरीके से फर्जी कैलकुलेशन और बेईमान डिजाइन में जालसाजी करने वाली फर्जी और फर्जी फर्म, जिससे सार्वजनिक धन की भारी हानि हो रही है, देश और राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है, ऐसे सफेदपोश अपराधियों को आंखें खोलने वाला संदेश देने के लिए अलग दृष्टिकोण से निपटा जाना चाहिए। इसी क्रम मे सेंट्रल जी. एस. टी. खुफिया महानिदेशालय जमशेपुर द्वारा शिव कुमार देओरा एवं अमित गुप्ता जिसको न्यायालय द्वारा जमानत मिल चुका था का विरोध जमशेदपुर आर्थिक अपराध न्यायालय मे किया गया था परिणाम स्वरूप आज दिनांक 19 अगस्त 2024 को जमशेदपुर के आर्थिक अपराध न्यायालय द्वारा शिव कुमार देओरा का जमानत रद्द कर दिया गया है। जी. एस. टी. खुफिया महानिदेशालय जमशेपुर के अधिकारी की नजर अब इस गिरोह के काले कारनामो के असली लाभार्थी पर है एवं भविस्य मे उनपर कड़ी कार्यवाही की जाने की संभावना है। वर्तमान मे इस गिरोह का जांच श्री रोशन कुमार मिश्रा, सीनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर के नेतृत्व मे श्री दिनेश कुमार, श्री राजीव रंजन एवं श्री बिराज कुमार पांडे इंटेलिजेंस ऑफिसर द्वारा किया जा रहा है।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। अरबों रुपए की जीएसटी चोरी करने बाले अंतरराज्यीय गिरोह का मुख्य सरगना शिव कुमार देओरा की जमानत 19 अगस्त 2024 को जमशेदपुर के आर्थिक अपराध न्यायालय ने रद्द कर दिया।

ज्ञात हो कि जमशेदपुर स्थित सेंट्रल जीएसटी खुफिया महानिदेशालय ने विगत वर्ष पैन इंडिया संचालित एक गिरोह का पदार्फास किया था। यह गिरोह गरीब एवं अनपढ़ लोगो को नौकरी देने का झांसा देकर उसका आधार कार्ड एवं पैन कार्ड लेकर उसके नाम से फर्जी कंपनी खोलता था एवं उस कंपनी के द्वारा फर्जी जी. एस. टी इनपुट का बंदरबाट करके अरबों का चुना भारत सरकार के राजस्व को लगा रहा था।

जी. एस. टी. अधिकारी जब इस गिरोह का विस्तृत जांच करने लगे तब यह पाया गया की यह गिरोह पैन इंडिया मे फर्जी कंपनी का संचालन कर रहा है। एवं इसका मुख्य सरगना कोलकाता निवासी शिव कुमार देओरा, अमित गुप्ता, एवं सुमित गुप्ता है। साथ ही यह भी पता चला की जमशेदपुर मे इस गिरोह का संचालन विक्की भालोटिया उर्फ अमित अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है।

फलस्वरूप सेंट्रल जी. एस. टी. खुफिया महानिदेशालय जमशेदपुर द्वारा रोशन कुमार मिश्रा, सीनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया जिसमें दिनेश कुमार, राजीव रंजन, बिराज कुमार पांडे इंटेलिजेंस ऑफिसर शामिल थे। एवं इसका निगरानी सहायक निदेशक राजेश रोशन टोप्पो द्वारा किया जा रहा था।

भाई-बहन के असीम प्रेम का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

गम्हरिया/जमशेदपुर। कांड्रा, गम्हरिया समेत सम्पूर्ण क्षेत्र में गुरुवार को भाई-बहन के असीम प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्ते का पवित्र त्योहार रक्षाबंधन खुशी एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और फिर उनकी कलाई पर राखी बांधी। साथ ही, मिठाई खिला कर बहनों ने अपने भाई की लंबी उम्र के लिए भगवान से कामना की। इस दौरान भाइयों ने भी बहनों को विभिन्न प्रकार के उपहार प्रदान कर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। पूरे क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस पर्व को लेकर घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए गए थे। बच्चों में भी इस दौरान काफी उत्साह देखा गया। नये-नये कपड़ों में बच्चों की कलाई तरह-तरह की राखियों से सजी रही।

जमशेदपुर पहुंच ओडिसा के राज्यपाल रघुवर दास ने बहनों से बंधवायी राखी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम व स्नेह का पावन त्यौहार रक्षाबंधन सोमवार को शहर में पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। रक्षाबंधन पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने जमशेदपुर के एग्रिको स्थित आवास पर अपनी बड़ी बहन प्रेमवती, बेदु बाई एवं महारीन बाई समेत जमशेदपुर शहर के विभिन्न क्षेत्र की बहनों से राखी बंधवायी। इस दौरान बहनों ने उनके माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और मुंह मीठा कर उत्तम स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। वहीं, रघुवर ने बहनों का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मौके पर बड़ी संख्या में उनके आवास पर साकची, गोलमुरी, भालूबासा एवं मानगो क्षेत्र की सैकड़ों बहनों ने पूर्व सीएम रघुवर की कलाई पर राखी बांधी। राज्यपाल ने सभी बहनों को स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किया और उनकी रक्षा का संकल्प लिया।

›› कहा, नारी शक्ति से सम्मान और सुरक्षा से ही देश बनेगा विकसित

बड़ी बहन प्रेमवती से राखी बंधवाते रघुवर दास।

विधायक मंगल कालिंदी ने जुगसलाई विस क्षेत्र की बहनों से बंधवायी राखी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सोमवार को रक्षाबंधन पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के बिड़रा की दीदी तिलोत्तमा कालिंदी, पटमदा पाइचाडीह की किरण देवी, परसुडीह भाटा बस्ती की शांति लोहार, हलुदबनी पंसस स्वप्ना बेरा, गोविंदपुर की मीना देवी, गोविंदपुर की ममता गोप के आवास जाकर राखी बंधवायी और रक्षाबंधन की खुशियों को साझा किया। उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। साथ ही उन बहनों की रक्षा का संकल्प भी दोहराया। बहनों ने विधायक की कलाई पर राखी बांधी और तिलक चंदन लगाकर मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर विधायक ने कहा कि एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना संजोए रक्षाबंधन का यह पर्व हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की पहचान है।

चंपई सोरेन की सीएम हेमंत पर की गयी टिप्पणी स्वागत योग्य : जटाशंकर पांडेय

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भाजपा झारखण्ड प्रदेश के प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ जटा शंकर पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पूर्व मुख्य मंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने मुख्य मंत्री श्री हेमंत सोरेन के व्यवहार के विषय में जो टिपण्णी की है वो स्वागत योग्य है। श्री चम्पाई सोरेन जी को पहले सोचना चाहिए था कि वे जिस पार्टी में है वहां केवल एक परिवार का चलता है वह परिवार वादी पार्टी में है। वहां एक परिवार का भी नहीं एक व्यक्ति का चलता है। जो परिवार अपनी बड़ी बहू की इज्जत नहीं करता वो उनकी इज्जत कैसे कर सकता है।

कोशिश के सातवें रक्तदान शिविर में 832 यूनिट रक्त संग्रह

- शिविर में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक सरयू राय, वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, मेजर हिमांशु साहू, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, जिप अध्यक्ष बारी मुर्मू ने बढ़ाया रक्तदाताओं का उत्साह

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर की समाजसेवी संस्था कोशिश 'एक मुस्कान लाने की' के तत्वावधान में रविवार को एकदिवसीय स्वैक्षिक रक्तदान शिविर सम्पन्न हुई। सिदगोड़ा स्थित सोन मंडप सभागार में स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की पुण्यस्मृति में आयोजित सातवें महारक्तदान शिविर में हजारों रक्तदाताओं के साथ शहर के कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

सुबह 8 बजे से संध्या 5 बजे तक चले शिविर में उत्साह से लबरेज पुरुष एवं माहिला रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर की समाप्ति पर रिकॉर्ड 832 यूनिट रक्त संग्रह किये गए। इस दौरान रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्था ने सभी रक्तवीरों को उपहार व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। शिविर की सफलता को लेकर ब्लड बैंक की ओर से सोन मंडप में शनिवार देर रात को ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी थी।

रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने पहुंचे सीनियर एसपी किशोर कौशल। साथ में कोशिश के संरक्षक शिवशंकर सिंह व अन्य।

शिविर में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक सरयू राय, मेजर हिमांशु साहू, पूर्वी सिंहभूम जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, संपादक संजय मिश्रा, संपादक ब्रजभूषण सिंह, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पूर्व विधायक अरविंद सिंह, जिप अध्यक्ष बारी मुर्मू, जिप उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, इंटक नेता राकेश्वर पांडेय, आजसू नेता चंद्रगुप्त सिंह, व्यवसायी कौशल सिंह, दिग्विजय सिंह, पूर्व कमिश्नर विजय सिंह, शिक्षाविद दिवाकर सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख राजीव कमल बिट्टू, चैंबर ऑफ कॉमर्स का अध्यक्ष विजय आनंद मुनका, उपाध्यक्ष अनिल मोदी, टाटा वर्कर्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय भी थे।

एक नजर में

माई किड्स प्ले स्कूल में मना राखी का त्योहार

जमशेदपुर। डॉ मनोहर लाल गोयल श्रीनिवास केडिया ट्रस्ट के तत्वावधान में राखी का त्योहार माई किड्स प्ले स्कूल में मनाया गया, जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। छात्रों ने अपने शिक्षकों की मदद से विभिन्न प्रकार की राखी बनायी। लड़कियों ने राखी के अवसर पर अपनी कक्षा के लड़कों को राखी बांधी और सभी ने एक दूसरे को उपहार दिये। सभी ने त्योहार का आनंद लिया। बच्चों ने अपने पसंदीदा गीतों पर नृत्य किया। बच्चों ने कई तरह की गतिविधियों में भाग लिया। ज्ञात रहे कि माई किड्स प्ले स्कूल बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ योग, संगीत एवं स्वच्छता से रहने का तरिका भी सीखाया जाता है जिससे न केवल बच्चों में मानसिक विकास बल्कि शारिरिक विकास भी होता है। हमारे यहां सभी शिक्षिकाएं बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए हमेशा तत्परता से उन्हें मदद हेतु तैयार रहती हैं। स्कूल में उपस्थित सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से बच्चों के अभिभावक काफी खुश हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्कूल की प्राचार्य, ईशा गोयल, स्कूल के शिक्षिकाओं और कर्मचारियों का योगदान था।

बारीडीह बस्ती में महिलाओं ने किया जलाभिषेक

जमशेदपुर। बारीडीह बस्ती में सावन की आखिरी सोमवारी पर शिव भक्ति का अनोखा दृश्य देखने को मिला। कॉलोनी की महिलाओं ने स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर हरी मैदान के पास स्थित शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल अर्पित किया। इस आयोजन में 18-20 महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने न केवल जल चढ़ाया, बल्कि वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा भी संपन्न की। कॉलोनी की महिलाओं ने इस खास मौके पर बताया कि सावन के अंतिम सोमवार को पूजा करना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। महिलाओं का कहना था कि शिव जी को जल अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना शुभ माना जाता है, और इससे मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस उत्सव में शामिल हुई नीलम, रीना, बेबी, किरण, रेखा, संध्या, उषा रानी, आरती, शकुंतला, सीमा, शोभा, दीपा, उर्मिला, स्वेता, ममता और दीपा समेत अन्य गणमान्य महिलाओं ने भी इस शिव पूजा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सांसद ने किया गोलमुरी मंडल कार्यालय का उद्घाटन

जमशेदपुर। भाजपा जमशेदपुर महानगर अंतर्गत गोलमुरी मंडल के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन सोमवार को सांसद विद्युत वरण महतो ने किया। गोलमुरी बाजार स्थित एक्सिस बैंक के बगल में बने भाजपा गोलमुरी मंडल के नये कार्यालय के उद्घाटन पर जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय समेत मंडल क्षेत्र के कई वरीय नेतागण मौजूद रहे। मंडल कार्यालय के उद्घाटन होने के साथ ही कार्यालय में आमजनों व कार्यकर्ताओं की चहल-पहल देखी गयी। मौके पर सांसद ने नये कार्यालय के लिए गोलमुरी मंडल क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उद्घाटन के पश्चात विद्युत महतो ने कार्यकर्ताओं के संग राजनीतिक एवं सामाजिक चर्चा की। उन्होंने विश्वास जताया कि मंडल कार्यालय के माध्यम से कार्यकर्ताओं को क्षेत्र के लोगों से संपर्क और संवाद स्थापित करने में सुविधा होगी। वहीं, पार्टी के कार्यक्रमों पर रणनीति बनाकर उसके बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

बैंकों ने बाजारों में लगाया कैंप, कटे-फटे नोट बदले

जमशेदपुर। जमशेदपुर में गंदे और कटे-फटे नोटों के लिए विनिमय सेवाएं देने के उद्देश्य से, चार बैंकों क्रमशः भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) और आइसीआईसीआई बैंक ने बिष्टुपुर और साकची जैसे प्रमुख बाजारों में करेंसी एक्सचेंज मेलों का आयोजन किया। मेलों में आरबीआई, पटना के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में आरबीआई की महाप्रबंधक विनिता टोपनो और अमित कुमार, उप महाप्रबंधक, आरबीआई भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संजीव नाथ, उप महाप्रबंधक भी थे। इवेंट के दौरान सुजीत अरविंद ने आरबीआई की स्वच्छ नोट नीति को बढ़ावा देने में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जनता को पुरानी या गंदी नोटों को नये नोटों से बदलने के लिए इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे अर्थव्यवस्था में स्वच्छ मुद्रा का प्रसार हो सके। उन्होंने बताया कि कटे-फटे या गंदे नोटों को सभी बैंक शाखाओं में बदला जा सकता है, और जो जले हुए और दीमक से खराब हो चुके नोट जो आगे के संचालन के योग्य नहीं हैं, उन्हें केवल आरबीआई कार्यालयों के इश्यू विभाग में बदला जा सकता है।

बीरेंद्र बरियार ज्योति

बारिश के पानी से बचेगी खेती

बारिश के भरोसे खेती करने के दिन अब लद गए हैं। बारिश के पानी के इंतजार में हाथ पर हाथ धरे बैठे किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए खुद ही इंतजाम करने की जरूरत है। इसके लिए कुछ खास मेहनत और खर्च करने की जरूरत नहीं है, बल्कि बारिश के पानी को बचा कर रखने से ही सिंचाई की सारी मुश्किलों से छुटकारा मिल सकता है। बरसात के पानी के भरोसे खेती करने के बजाय सिंचाई के पुराने तरीके अपना कर उम्दा खेती की जा सकती है। खेती में अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है।

बिहार के नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड के कथौली गांव के किसान बृजनंदन प्रसाद ने अपने गांव में 10 एकड़ जमीन में तालाब बनाए हैं, जिससे करीब 200 एकड़ खेत में लगी फसलों को पानी मिलता है। उन्होंने सिंचाई की आस में हाथ पर हाथ धर कर सरकार और किस्मत को कोसने वाले किसानों को नया रास्ता दिखाया है। बृजनंदन कहते हैं कि खुद को और खेती को बरबाद होते देखने से बेहतर है कि अपने आसपास के पुराने और बेकार पड़े तालाबों और पोखरों को दुरुस्त कर के खेती और सिंचाई की जाए।

कुछ इसी तरह के जज्बे और हौसले की कहानी बांका जिले के बाबूमहल गांव के किसान नुनेश्वर मरांडी की भी है। 32 एकड़ में फैले लहलहाते बाग मरांडी की मेहनत और लगन की मिसाल हैं। उन्होंने अपने गांव में छोटे-छोटे तालाब बना कर बरसात का पानी जमा किया और अपने गांव की बंजर जमीन में जान फूंक दी। उन्होंने पुराने और छोटे तालाबों को धीरे-धीरे बड़ा किया और नए तालाब भी खुदवाए। तालाबों के पानी से सिंचाई करके उन्होंने अपनी 32 एकड़ जमीन में पपीता और अमरूद के बाग लहलहा दिए। तालाब के पानी से खेतों की सिंचाई करने के साथ-साथ वे उसमें मछलीपालन भी कर रहे हैं और अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं।

कृषि विभाग के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में सिंचित क्षेत्र ज्यादा होने के बाद भी किसान समय पर फसलों की सिंचाई नहीं कर पाते हैं। पिछले 6 सालों में सिंचित क्षेत्रों में करीब 2 लाख हेक्टेयर की कमी आई है। अभी कुल सिंचित क्षेत्र 35 लाख 20 हजार हेक्टेयर है। इसमें 10 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र की नहरों से, 1 लाख 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के तालाबों से और 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र की कुओं से सिंचाई हो पाती है। कुओं और तालाबों जैसे सिंचाई के परंपरागत तरीकों की अनदेखी करने की वजह से यह गिरावट आई है।

कृषि वैज्ञानिक बीएन सिंह कहते हैं कि कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत बीज, खाद, मिट्टी, कीटनाशकों के साथ पानी की सब से बड़ी भूमिका होती है और हम पानी को बचाने को लेकर ही सबसे ज्यादा लापरवाह बने हुए हैं। बारिश के पानी के भरोसे बैठे रहने वाली किसानों की मानसिकता ने ही खेती और किसानों का बेड़ा गर्क किया है। बारिश के मौसम में कब, कहां और कितनी बारिश होगी? इस का सटीक अंदाजा लगाना आज भी मुश्किल है। फसलों को पानी के अभाव में बरबाद होने से बचाने के लिए बारिश के पानी को बचाने और उसके सही इस्तेमाल के तरीके किसानों को सीखने होंगे। बिहार में 93.29 हजार हेक्टेयर में तालाब और पोखर हैं। इसके अलावा 25 हजार हेक्टेयर में जलाशय और 3.2 हजार हेक्टेयर में सदाबहार नदियां हैं।

देश भर में आमतौर पर 15 जून के बाद से बारिश शुरू होती है और धान की नर्सरी डालने का सही समय 25 मई से 6 जून तक का होता है। मिसाल के तौर पर पटना जिले के पिछले 40 सालों के बारिश के आंकड़ों पर गौर करने से पता चलता है कि वहां जून में 134 मिलीमीटर, जुलाई में 340 मिलीमीटर, अगस्त में 260 मिलीमीटर और सितंबर में 205 मिलीमीटर की औसत बारिश होती है। जून में 6 दिन, जुलाई में 13 दिन, अगस्त में 12 दिन और सितंबर में 10 दिन ही बरसात होती है। बारिश के पानी को बेकार बहने से बचाने को लेकर किसानों को जागरूक होना पड़ेगा और तालाबों व पोखरों वगैरह को बचाना होगा। इससे किसान किसी महीने में कम बारिश होने पर भी अपनी फसलों को सूखने से बचा सकेंगे। इसके साथ ही सिंचाई पर होने वाली लागत में भी कमी आएगी।

किसान सलाहकार रजत यादव बताते हैं कि खेतों की मेंड़ों की ऊंचाई को बढ़ा कर मानसून के दौरान बारिश के पानी को खेतों में रोक कर रखा जा सकता है। मेड़ की ऊंचाई जितनी ज्यादा होगी, उतने ही बारिश के पानी को बचा कर रखा जा सकेगा। अमूमन मेड़ों की ऊंचाई 7 सेंटीमीटर से 15 सेंटीमीटर तक होती है। बारिश के पानी को खेतों में महफूज रखने के लिए मेंड़ों की ऊंचाई 20 से 25 सेंटीमीटर और मोटाई 10 से 15 सेंटीमीटर कर लेना जरूरी है। यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि खेतों में इतना पानी न जमा हो जाए कि फसलों को नुकसान होने लगे। जरूरत से ज्यादा पानी खेतों में न जमा हो, इसके लिए पानी की निकासी का भी इंतजाम करना चाहिए। ज्यादा समय तक खेतों में पानी भरे रहने से धान के पौधों के गलने का खतरा भी बढ़ सकता है।

बारिश के पानी को खेतों में बचा कर रखने से केवल सिंचाई का ही फायदा नहीं होता है, बल्कि सिंचाई पर होने वाले खर्च में कमी आती है। गौरतलब है कि डीजल पंप से सिंचाई करने पर किसानों को हर घंटे 80-90 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। इससे खेती की लागत, पैदावार और किसानों की आमदनी पर बुरा असर पड़ता है। खेत में ज्यादा समय तक बारिश का पानी जमा रहने से जमीन के नीचे के पानी के स्तर को बढ़ावा मिलता है।

पेंच में फंसा वर्षा जल संरक्षण

बारिश का पानी जमा करने के लिए आम लोगों को जागरूक बनाने के लिए सरकार विज्ञापनों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन बिहार में 2 विभागों के अफसरों के पेंच में यह योजना फंसी हुई है। सूबे के 8 सूखा प्रभावित जिलों में बहुत तामझाम के साथ इस योजना को शुरू करने का ढिंढोरा पीटा गया। मगर यह योजना कृषि विभाग और ग्रामीण विकास मंत्रालय के बीच उलझ कर रह गई है। बिहार कृषि विभाग केंद्रीय कृषि मंत्रालय को योजना का प्रस्ताव भेज चुका है। पर उसके लिए फंड मुहैया कराने का जिम्मा ग्रामीण विकास विभाग के पास है। पैसे की कमी की वजह से सूबे में बारिश के पानी को जमा करने की योजना ठप पड़ी हुई है। राज्य में जलछाजन के तहत 40 योजनाओं के जरीए 1.92 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा बहाल करने पर काम शुरू किया गया था। पिछले साल 64 नई योजनाओं को इस में शामिल किया गया है। इससे 3 लाख हेक्टेयर में बारिश के पानी से सिंचाई का इंतजाम किया जाना है। इस योजना के पूरा होने से गया, नवादा, बांका, मुंगेर, जमुई, रोहतास, कैमूर और औरंगाबाद जिलों में सिंचाई का ठोस इंतजाम हो जाएगा। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने अगले 15 सालों में सिंचाई का इंतजाम न होने वाले 28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का पानी पहुंचाने की योजना बनाई है, लेकिन 2 विभागों के चक्कर में उलझ कर यह योजना दम तोड़ रही है।

आर्थिक रूप से आगे बढ़ती महिलाएं

कुसुम पी

'परिदृश्य बदल रहा है। महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है।' ये कुछ चुनिन्दा पंक्तियां हैं जो यदाकदा अखबारों में, टीवी न्यूज चैनल पर, और नेताओं के मुंह से सुनी जाती रही है। अपने क्षेत्र में खास उपलब्धियां हासिल करने वाली कुछ महिलाओं का उदाहरण देकर हम महिलाओं की उन्नति को दर्शाते हैं। पर अगर आप ध्यान दे तो कुछ अदभुत करने वाली महिलाएं तो हर काल में रही है। सीता से लेकर द्रौपदी, रजिया सुल्तान से लेकर रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर इंदिरा गांधी एवं किरण बेदी एवं सानिया मिर्ज़ा। परन्तु महिलाओं की स्थिति में कितना परिवर्तन आया? और आम महिलाओं ने परिवर्तन को किस तरह से देखा?

दरअसल असल परिवर्तन तो आना चाहिए आम लोगों के जीवन में। जरुरत है उनकी सोच में परिवर्तन लाने की। उन्हें बदलने की। आम महिलाओं के जीवन में परिवर्तन, उनकी स्थिति में, उनकी सोच में परिवर्तन। उनके खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। शहर असुरक्षित होते जा रहे हैं। कुछ चुनिंदा घटनाओं एवं कुछ चुनिंदा लोगों की वजह से कई सारी अन्य महिलाओं एवं लड़कियों के बाहर निकलने के दरवाजे बंद हो जाते हैं। जरुरत है बंद दरवाजों को खोलने की। रौशनी को अंदर आने देने की। प्रकाश में अपना प्रतिबिम्ब देखने की। उसे सुधारने की । निहारने की। निखारने की। इसी कड़ी में एक और दरवाजा है आत्मनिर्भरता। आर्थिक आत्म निर्भरता। उन्हें बचपन से सिखाया जाता है कि खाना बनाना जरूरी है। जरुरत है कि सिखाया जाये कि कमाना भी जरूरी है। आर्थिक रूप से सक्षम होना भी जरूरी है। परिवार के लिये नहीं वरन अपने लिए। पैसे से खुशियां नहीं आती, पर बहुत कुछ आता है जो साथ खुशियां लाता है।अगर शिक्षा में कुछ अंश जोड़ें जाये जो आपको किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी दे। आपके कौशल को उपयुक्त बनाये। आपको इस लायक बनाये कि आप अपना खर्च तो वहन कर ही सके। तभी शिक्षा के मायने सार्थक होंगे। जरूरी नहीं कि हर कमाने वाली लड़की डॉक्टर या शिक्षिका हो। वे खाना बना सकती है। पार्लर चला सकती है। कपड़े सी सकती हैं। उन्हें ये सब आता है। वे ये सब करती हैं। पर सिर्फ घर में। उनके इसी हुनर को घर के बाहर लाना है। आगे बढ़ाना है। ये एक सोच है। जरूरत है इस सोच को आगे बढ़ाने की। उनके कौशल को उनकी जीवन रेखा बनाने की। ताकि समय आने पर वे व्यवसाय कर सके। अपना परिवार चला सके। ये उन्हें गति देगा। दिशा देगा। आत्माभिमान देगा। आत्मविश्वास देगा। वे दबेगी नहीं। डरेगी नहीं। ये एक खुशहाल भविष्य की कामना है। अमल करें। अभी करें।

सरकारी नौकरी डॉटकॉम है युवाओं की पसंद

आज प्रत्येक युवा का सपना सरकारी नौकरी पाना है। यह केवल सपना है। आज की स्थिति में यह सपना साकार होना आसान नहीं है। कारण, सबको सरकारी नौकरी चाहिए क्योंकि युवा अपने जीवन में स्थिरता का सपना पाले होते हैं। हमारी परंपरा ही जीवन में स्थिरता की रही है। स्थिर जीवन स्थायी नौकरी से संभव है। स्थायी नौकरी आलस्य, मनमानी के साथ ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। आज नियोक्ता ठेका आधार पर नौकरी को महत्त्व दे रहे हैं। कर्मचारियों के हितों की बात करने वाले संगठित क्षेत्र में कर्मचारी यूनियंस महत्त्वहीन हो रही हैं। सही बात यह है कि मनमानी की यह व्यवस्था ज्यादा दिन चल नहीं सकती, फिर भी सभी युवक सरकारी नौकरी चाहते हैं। सर्च इंजन गूगल के ताजा सर्वेक्षण के अनुसार, सरकारी नौकरी डॉटकॉम पर सबसे ज्यादा युवकों ने नौकरी खोजी है। वर्गीकृत विज्ञापन देखने के लिए क्लिक करने वाले युवा इस डॉटकॉम पर जरूर हिट कर रहे हैं। क्लासीफाइड का कारोबार देश में तेजी से बढ़ रहा है और आज यह करीब डेढ़ अरब डॉलर का बन चुका है। युवाओं ने बैंकिंग तथा सूचना तकनीकी क्षेत्र में भी रुचि दिखाई है लेकिन 38 फीसदी युवा सिर्फ सरकारी नौकरी डॉटकॉम पर हैं। यह जिस रफ्तार से चल रहा है उसे देखते हुए 2020 तक इसकी भागीदारी 65 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, ऑनलाइन कारोबार में क्लासीफाइड का कारोबार 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं

आत्मविश्वास से आशय स्वंय पर विश्वास एवं नियंत्रण से है। हमारे जीवन में आत्मविश्वास का होना उतना ही आवश्यक है जितना किसी फूल में खुशबू का होना। आत्मविश्वास के बगैर हमारी जिंदगी एक जिन्दा लाश के समान हो जाती है। कोई भी व्यक्ति कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, वह आत्मविश्वास के बिना कुछ नहीं कर सकता।

प्रशांत झा

त्मविश्वास ही सफलता की नींव है, आत्मविश्वास की कमी के कारण व्यक्ति अपने द्वारा किये गए कार्य पर संदेह करता है और नकारात्मक विचारों के जाल में फंस जाता है। आत्मविश्वास उसी व्यक्ति के पास होता है जो स्वंय से संतुष्ट होता है एंव जिसके पास दृढ़ निश्चय, मेहनत, लगन, साहस, वचनबद्धता आदि संस्कारों की सम्पत्ति होती है।

■ सबसे पहले अपना लक्ष्य तय करें एवं उन्हें पूरा करने के लिए वचनबद्ध रहें। जब आप अपने द्वारा बनाये गए लक्ष्य को पूरा करते हैं तो यह आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देता है।

■ ऐसे लक्ष्य बनाएं जिसे आप प्राप्त कर सकें क्योंकि जब आप ऐसे लक्ष्य बनाते हैं जिसे आप पूरा नहीं कर सकते तो यह आपके मनोबल को गिरा देते हैं और आपका स्वयं पर विश्वास कम हो जाता है। लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए।

■ खुश रहकर खुद को प्रेरित करें। असफलता से दुखी न होकर उससे सीख लें।

■ हमेशा आसान काम पहले करें और मुश्किल काम बाद में। क्योंकि जब आप पहले आसान कार्य अच्छे से कर लेते हैं तो दबाव कम हो जाता है और आत्मविश्वास बढ़ता है जिससे मुश्किल कार्य भी आसान बन जाता है।

■ जब भी सोंचे तो सकारात्मक ही सोचें। इससे आत्मबल में वृद्धि होती है। विनम्र रहें एंव दिन की शुरुआत किसी अच्छे कार्य से करें।

■ इस दुनिया में नामुनकिन कुछ भी नहीं है। आत्मविश्वास का सबसे बड़ा दुशमन किसी भी कार्य को करने में असफलता होने का डर है एवं डर को हटाना है तो वह कार्य अवश्य करें जिसमें आपको डर लगता है।

■ वह कार्य करें जिसमें आपकी रुचि हो एंव कोशिश करें कि अपने करियर को उसी दिशा में आगे ले, जिसमें आपकी रुचि हो।

■ दूसरों की देखा-देखी मत कीजिए, वह पहनिए जो आपको अच्छा लगे या मन को भाये। कपड़े कम खरीदिये लेकिन अच्छे खरीदिये।

■ व्यवहारकुशल बनें और हमेशा नम्रता व मुस्कराहट के साथ व्यवहार करें। इससे न केवल आपका आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी, बल्कि इससे आपके अच्छे मित्रों की संख्या भी बढ़ेगी। अच्छे मित्र हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते हैं और आपके सुख दुख में हमेशा आपके साथ होते हैं।

■ वर्तमान में जियें। क्योंकि न तो भूतकाल एंव न ही भविष्यकाल पर हमारा नियंत्रण है। बच्चों से दोस्तीं करें और आत्मचिंतन करें।

ध्यान, योग एवं प्राणायाम करें। अपने लिए समय निकालें और कुछ समय एकांत में बिताएं। स्वंय से बात करें और यह महसूस करें कि आप एक बेहतर इन्सान हैं।

■ अपनी सफलताओं को याद करें और कल्पना करें कि आप कुछ भी कर सकते हैं और आपके लिए नामुकिन कुछ भी नहीं।

■ हमेशा चिंतामुक्त रहने की आदत बनायें, रचनात्मक तरीके से सोचें और कुछ न कुछ नया करते रहें। दिन में कुछ समय संगीत सुनने, खेलने अथवा रचनात्मक कार्यों के लिए जरूर निकालें।

■ आत्मनिर्भर बनें एंव जितना हो सके अपने कार्य स्वंय करने की कोशिश करें। आत्मनिर्भरता से आपका लेवल बढ़ता है।

■ उस बारे में सोचना बंद कर दें जिस पर हमारा नियंत्रण न हो। अगर आप उस बातों या परिस्थितियों की वजह से दुखी हो जाते है जो आपके नियंत्रण में नहीं है तो इसका परिणाम समय की बर्बादी व भविष्य पछतावा है जिससे आपका मनोबल गिरता है।

■ आप अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहें और अपना सौ प्रतिशत मेहनत व लगन से बड़े से बड़ा मुश्किल कार्य आसान हो जाता है। अगर लक्ष्य को प्राप्त करना है तो बीच में आने वाली बाधाओं को पार करना होगा, मेहनत करनी होगी, बार बार दृढ़ निश्चय से कोशिश करनी होगी।

■ असफल लोगों के पास बचने का एकमात्र साधन यह होता है कि वे मुसीबत आने पर अपने लक्ष्य को बदल देते हैं। इससे ऐसे लोगों से बचें।

अगर आपको सफल होना है तो अपने लक्ष्य पूरे करने की आदत बनाईये न कि उन्हें बार बार बदलने की, अगर आपका अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय नहीं है तो आपके आत्मबल का गिरना तय है।

लोग क्या कहेंगे,यह मत सोचिये

सबसे बड़ा यही रोग है कि लोग क्या कहेंगे। ज्यादातर लोग कोई भी कार्य करने से पहले कई बार यह सोचते हैं कि वह कार्य करने से लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे या क्या कहेंगे और इसलिए वे कोई निर्णय ले ही नहीं पाते एवं सोचते ही रह जाते हैं एंव समय उनके हाथ से पानी की तरह निकल जाता है। ऐसे लोग हमेशा डर-डर के जीते हैं और बाद में पछताते हैं। इसलिए दोस्तों ज्यादा मत सोचिये जो आपको सही लगे वह कीजिये क्योंकि शायद ही कोई ऐसा कार्य होगा जो सभी लोगों को एक साथ पसंद आये।

नौकरी खो जाने के डर से कर रहे हैं ये काम तो..

यदि आपको कभी लगता है कि आपकी कंपनी आपको नौकरी से निकाल सकती है तो ऐसा मत मानिये कि किसी प्रकार का नौकरी लॉस इंश्योरेंस आपको नई नौकरी पाने के दौरान कुछ महीनों तक सहारा देता रहेगा।

इस बात के आसार भी हो सकते हैं कि आप इसकी पात्रता भी ना रखते हों। टेक्नॉलॉजी सेक्टर में छंटनी का दौर चल रहा है। ऐसे में कर्मचारी ऐसे किसी विकल्प की तलाश में हैं जिससे उन्हें नौकरी खोने का भी बीमा मिल सके। आइये इसके बारे में कुछ और बातें जानते हैं...

■ स्टैंड अलोन जॉब लॉस कवर उपलब्ध नहीं हैं। किसी भी प्रकार की बीमा कंपनी ऐसी पॉलिसी नहीं चलाती है। अन्य पॉलिसियां जो एक्सीडेंट और गंभीर बीमारी को कवर करती हैं, उसमें यह उपलब्ध है।

■ यह केवल उन तीन सबसे बड़ी ईएमआइ के लिए हैं जो कि अपनी आय का पचास प्रतिशत किश्त में चुकाते हैं।

■ एक से तीन महीने का समय वेटिंग पीरियड में आता है, इसका क्लेम केवल उसी समयावधि के लिए किया जा सकता है।

■ छंटनी के मामले में पॉलिसी तभी लागू होती है जब नियोक्ता विलय या अधिग्रहण के चलते आपकी छंटनी कर दे। इसके लिए आपको छंटनी का लिखित प्रमाण चाहिये। बिना प्रमाण के लिए यह क्लेम मान्य नहीं होगा।

■ कई पॉलिसियां ऐसी होती हैं जो कि इस तरह के क्लेम को मान्य नहीं करती। इसके अलावा विभिन्न बीमा में छंटनी को एक सूची के जरिये देखा जाता है।

■ यदि नौकरी के रिस्क को लेकर कोई क्लेम पेश किया जाता है तो इसमें बहुत सारी शर्तें देखना होंगी।

■ नौकरी के लॉस कवर का सीमित क्षेत्र देखते हुए इसका कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।

■ छंटनी का प्रमाण रखना बेहद जरूरी है क्योंकि वही चीज आपके काम आएगी यदि आपको क्लेम करने की पात्रता है।

केंद्रीय सलाहकार को विधानसभा क्षेत्र की सात हजार से अधिक बहनों ने बांधी राखी

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत के विवाह मंडप भवन में रक्षाबंधन के अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय सलाहकार सह बिश्रामपुर के भाजपा युवा नेता रामशीष यादव को सात हजार से अधिक बहनों ने राखी बांधी। सबसे ज्यादा राखी बंधवाने का यह नया विश्व रिकार्ड माना जा रहा है। मालूम हो कि इससे पहले यह रिकार्ड बिहार के चर्चित शिक्षाविद खान सर के नाम था। उन्हें वर्ष 2023 में 6500 राखी बांधी गई थी। हालांकि अब यह रिकार्ड टूट चुका है और नया रिकार्ड सात हजार राखियों के साथ रामशीष यादव के नाम हो गया है।

बताते चलें कि सोमवार की सुबह से ही मंझिआंव स्थित नगर पंचायत के विवाह मंडप में

रामशीष यादव को राखी बांधती बहनें।

रक्षाबंधन कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं की भीड़ लग गई थी। बिश्रामपुर विधानसभा के 367 बूथ से महिलाएं अपने भाई रामाशीष यादव को राखी बांधने पहुंची थीं। प्रत्येक बूथ से 20 महिलाओं ने राखी बांधी है। इस हिसाब से 7,340 राखी सिर्फ बूथ कार्यकताओं ने उन्हें बांधी है। यह झारखंड का अब तक का सबसे बड़ा रक्षाबंधन हुआ है। जो ऐतेहासिक है। जबकि 20 महिलाओं का टारगेट रखा गया था लेकिन इससे भी अधिक संख्या में महिला पहुंची हुई थी। इस दौरान मुस्लिम समुदाय की बहनों ने भी राखी बांधी। उन्होंने कहा कि जात धर्म कुछ नहीं होता यह भाई और बहन का प्रेम है। उसे नाते हम सब अपने रामाशीष भैया को राखी बांधी हूं। मौके पर मुख्य रूप से कुसुम देवी, सुनीता देवी, अनीता देवी, किरण देवी, शोभा देवी, गीता देवी, ममता देवी, किस्मतीया देवी, बसंती देवी, सरिता देवी, देवंती देवी, सुमित्रा देवी, रीना देवी, सुषमा देवी, शोभा देवी, ललिता देवी, ज्ञानती देवी, किरण देवी, अंजू देवी, सरिता देवी आदि उपस्थित थी।

बहनों ने चुनाव जिताने का लिया संकल्प

सात हजार से अधिक बहनों ने रामाशीष यादव के कलाई में राखी बांध कर उनकी लंबी आयु एवं स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर संयुक्त रूप से महिलाओं ने संकल्प लेते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ अपने भाई रामाशीष यादव पर भरोसा है, जो उनकी रक्षा के साथ उनके बच्चों के भविष्य को उज्जवल करने की क्षमता रखता है। इसलिए इस बार उन्हें ही अपना विधायक बनायेंगी ताकि महिला सुरक्षा, महिला शिक्षा एवं नारी शक्ति का नया उदय हो सके। महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि यदि पार्टी ने उन्हें चुनाव में प्रत्याशी नहीं भी बनाया तो सभी महिलाएं मिलकर रामाशीष भईया से आग्रह करके उन्हें चुनाव लड़ा कर उनकी जीत सुनिश्चित करेंगी। राखी बंधवाने के दौरान रामाशीष यादव भावुक हो गए। बहनों द्वारा मिले प्रगाढ़ प्रेम से अभिभूत होकर उनकी अश्रु धारा फुट पड़ी। उन्होंने सभी बहनों को उपहार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया एवं अंतिम सांस तक सभी बहनों की रक्षा करने का प्रण लिया। साथ ही कहा कि जितनी भी बहनों ने उनपर भरोसा किया है वह उनका भरोसा कभी टूटने नहीं देंगे। आखिरी सांस तक सभी बहनों की रक्षा करेंगे। रामाशीष यादव ने महिला सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि देश में महिला सुरक्षा की स्थिति दयनीय है। हर रोज महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की खबरें आ रही हैं। ऐसे में अपनी बहनों की सुरक्षा हेतु विशेष अभियान चलाऊँगा और यदि विधानसभा पहुंचा तो सरकार को महिला अपराध के खिलाफ कठोर कानून बनाने को मजबूर कर दूंगा।

खबर | एक नजर में

दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन एक सितम्बर को

कांडी। प्रखण्ड के खुटहेरिया पंचायत अंतर्गत महंत श्री रामचन्द्र पूरी +2 उच्च विद्यालय गरदाहा के खेल मैदान में एक सितम्बर दिन रविवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुए आयोजन कमिटी के हेड अख्तर व मोहित ने बताया कि इस आयोजन के मुख्य अतिथि विश्रामपुर विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याषी रजनीश रंजन दुबे उर्फ विकास दुबे हैं। उन्होंने बताया कि इस दौड़ प्रतियोगिता में 24 मिनट में 5 किलोमीटर दौड़ पूरा करना है। जिसके लिए निबंधन शुल्क 100 रुपया रखा गया है। प्रथम पुरस्कार 3100, दूसरा 2100 व तीसरा पुरस्कार 1100 रुपए रखा गया है। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए या अन्य कोई जानकारी के लिए फोन नम्बर 7488108346 व 7858953814 पर संपर्क किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

नवादा। जिले के अकबरपुर में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने आक्रोश मार्च निकालकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक शिव नारायण, जिला संयोजक रवि कुमार, सिद्धार्थ कुमार, आदित्य कुमार अकबरपुर के नगर मंत्री, रणवीर कुमार, लव कुश प्रताप यादव, कुंदन यादव, सुबोध यादव आदि छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए कहा कि दोषियों को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बचाना चाहती है। और इसी के विरोध में हम लोगों ने आज बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया है। आरोपियों को तुरंत फांसी दी जाए नहीं तो आने वाला समय में एक और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के के सदस्यों द्वारा पहले बाजार में ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुएपुतला दहन किया गया है।जहां विभाग के संयोजक शिवनारायण ने कहा कि बंगाल में लड़कियों सुरक्षित नहीं है ना ही महिला सुरक्षित है। इस कोलकात्ता कांड का देश भर में विरोध हो रहा है। जिसके बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरी घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। मामले में मंगलवार को चीफ जस्टिस के कोर्ट में सुनवाई होगी।

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत को ले रेलवे अस्पताल ने किया विरोध प्रदर्शन

कटिहार। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत के खिलाफ सोमवार को कटिहार रेलवे अस्पताल के डॉक्टर एवं पारा मेडिकल कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का नेतृत्व रेलवे अस्पताल के एसीएमएस प्रशासन डॉक्टर दयानंद सिंह और वरीय एसीएमएस डॉक्टर पवन कुमार ने की। सभी डॉक्टरों ने रेलवे कॉलोनी में पैदल मार्च निकाला कर सरकार से इंसाफ की गुहार लगाई। विरोध मार्च में शामिल सभी डॉक्टर हाथों में काला बिल्ला तथा पोस्टर बैनर लिए हुए थे। इस अवसर पर डॉ. पवन कुमार ने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। परंतु इस दिशा में कोई कड़ी कानून व्यवस्था लागू करने की बजाय सरकार द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया गया है। हर बार डॉक्टर हिंसा का शिकार होते हैं। डॉक्टर डी एन सिंह ने कहा कि आखिर दोषियों के ऊपर कब कारवाई होगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल के अंदर जब डॉक्टर ही सुरक्षित नहीं है तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित होंगे। प्रदर्शन कर रहे सभी डॉक्टर ने कहा कि उनकी मांगें माने जाने तक प्रदर्शन जारी रखने का फैसला लिया गया है। इस मौके पर रेलवे अस्पताल के डॉक्टर पवन कुमार के साथ डॉक्टर डीएन सिंह, डॉक्टर सोरौव कुमार, डॉक्टर अजय कुमार, डॉक्टर गौरव, डॉक्टर आर मीणा, डॉक्टर ए दास सहित कई पारा मेडिकल स्टाफ मौजूद थे।

पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिये : जीतनराम मांझी

गया। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। गया शहर के एक निजी होटल में पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में 17वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी, बिहार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार, विधायक अनिल कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सर्वप्रथम पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी के चित्र पर लोगों ने श्रद्धा सुमन व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी।

गया में पेड़ों को राखी बांध कर मनाया गया रक्षा बंधन का त्योहार

गया। बिहार के गया शहर में 'हमारा पेड़ हमारा पर्यावरण अभियान' के सदस्यों ने अनूठा पहल की है, जिसमें पेड़ों को राखी बांध कर रक्षा बंधन त्योहार मनाया गया है। हमारा पेड़ हमारा पर्यावरण अभियान कार्यक्रम में स्कूली बच्चे और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। गया ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) में कार्यरत वीर जवानों को भी राखी बांधी गयी और उन्हें मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की गई।हमारा पेड़ हमारा पर्यावरण अभियान मॉर्निंग वॉकर लोगों का ग्रुप है, जिनके द्वारा ब्रह्मयोनि पहाड़ में हजारों पेड़ लगाए गए हैं। इनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर हजारों कांवरिया ने गंगा में लगाई डुबकी

भागलपुर। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर आज काफी संख्या में कांवरियों ने अजगैबीनाथ के उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाई। हर हर महादेव के नारों के साथ अजगैबीनाथ धाम गुंजयमान हो गया। उल्लेखनीय हो कि आज सावन का अंतिम सोमवार साथ ही रक्षाबंधन का भी त्योहार होने पर लोगों ने अपने अपने घरों में एवं शिव मंदिरों में पूजा पाठ करते हुए बहनों ने अपने अपने भाईयों के कलाई पर राखी बांधी। दूसरी तरफ शिव भक्तों ने शिव मंदिरों में पूजा किया। साथ ही हजारों कांवरिया ने अजगैबीनाथ के उतर्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर पूजा पाठ करते हुए बाबा भोलेनाथ के शिवालय में गंगा जल चढाते हुए पैदल और वाहन से बैद्यनाथ धाम में बाबा भोलेनाथ को जल चढाने के लिए निकल पड़े हैं। इसको लेकर गंगा घाट, शहर एवं कांवरिया पथ पर जिला प्रशासन के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नगर परिषद के द्वारा भी साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सीओ, बीडीओ के द्वारा भी गौगा घाट में एसडीआर एफ टीम को लगाते हुए मोनिटरिंग किया जा रहा है।

स्पीड न्यूज

पुलिस ने दो चोर को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी।

धुरकी। धुरकी पुलिस ने थाना कांड संख्या 119/24 के प्राथमिकी अभियुक्त ग्राम शारदा निवासी मुकेश उरांव, और बुधन भुइयां को शारदा सरकारी स्कूल के पुराने बिलिंडग के दरवाजा की चोरी करने आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि शारदा सरकारी स्कूल के बंद पड़े पुराना बिलिंडग से उक्त चोरों ने स्कूल के दरवाजा को खोलकर टेंपू में लोड कर नगर की ओर बेचने के लिए ले जा रहे थे। जिसे स्थानीय लोगों ने देख लिया और पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था। एक अन्य चोर शारदा निवासी दिवाकर पांडेय भागने में सफल रहा था। जिसकी तलाश पुलिस अभी कर रही है। जांच पड़ताल के बाद उक्त दोनों चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

किशोरी हत्याकांड का आरोपी संजय यादव समेत पांच गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में लालू छपरा गांव में अनुसूचित जाति की एक लड़की की निर्मम हत्या के मुख्य आरोपी संजय यादव उर्फ संजय राय समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने यहां बताया कि 12 अगस्त को लालू छपरागांव से एक नाबालिग छात्र का शव बरामद किया गया था। इस मामले में विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। इस मामले के एक आरोपी मिथलेश राम को तीन दिन पूर्व गिरफ्तार किया गया था।

पटना के रेलवे अस्पताल में लगी आग

पटना। बिहार की राजधानी पटना के करबिगहिया स्थित रेलवे अस्पताल में सोमवार की सुबह आग लग गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि करबिगहया स्थित रेलवे अस्पताल में पहली मंजिल में अचानक आग लग गयी। आशंका जताई जा रही है कि शॉट सर्किट की वजह से आग लगी है।

अग्रवाल परिवार ने जरूरतमंदों के बीच किया भोजन का वितरण

गढ़वा। अग्रवाल परिवार के तत्वावधान में शहर के रंका मोड़ स्थित संकट मोचन के समीप लगातार 48वें सप्ताह जरुरतमंदो के बीच भोजन का वितरण किया गया। इस दौरान 200 लोगों के बीच प्रसाद रूपी भोजन का वितरण किया गया। मौके पर पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल परिवार सदैव जरुरतमंदो और दीन हिनों की सेवा करता रहता है। हर्ष अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खुद मे बहुत तशल्ली मिलती है। जरुरत मंद लोगो को भोजन कराकर उनका पेट भर कर बहुत ही आंनद की अनुभूति होती है। मौके पर आशुतोष अग्रवाल, विनय कश्यप, तेजस्व अग्रवाल आदि लोग उपस्थित थे।

पुल नहीं होने से ग्रामीणों को हो रही है परेशानी

खबर मन्त्र संवाददाता

रमना। प्रखंड के गुरही नाला पर पुल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले परेशान हैं। ज्ञात हो कि धावरा दामर टोला के लोग मुश्किल से इस नाला को पार कर पंचायत और प्रखंड तक पहुंचते है। इतना ही नहीं दोनों तरफ से गम्हरिया पंचायत के धवरवा दामर टोला के लोग आज भी पहुंच पथ से कोसो दूर है। इस टोला के लोगों को 78 वर्ष पूर्व गुलामी से आजादी तो मिल गयी, लेकिन मौलिक अधिकारों से आज भी वंचित है, इस क्षेत्र के लोग आज भी सड़क व स्वास्थ्य सुविधा से वंचित है। राज्य सरकार और केंद्र

गुरही नाला पार करते ग्रामीण।

सरकार द्वारा चलाये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए इस क्षेत्र के लोगो को गर्मी बरसात और ठंडा के मौसम में सड़क के अभाव में घोर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। आजादी के 78वें वर्ष को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चारों तरफ देश भक्ति जय जयकारों और गीतों से लोग झूम रहे थे। वहीं रमना प्रखंड अन्तर्गत गम्हरिया पंचायत के एक क्षेत्र ऐसा भी है जो बरसात के मौसम में टापू बन जाता है, लोग पंचायत और प्रखंड पहुंचने के लिए सुंदर बांध और गुरही नाला को पार करना पड़ता है।

बाइक सवारों को कस्तूरबा की छात्राओं ने बांधी राखी, पुलिस ने पहनाया हेलमेट

खबर मन्त्र संवाददाता

मेराल। रक्षाबंधन के दिन एनएच 75 पर बिना हेलमेट सवारी करने वाले 50 बाइक सवारो को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने राखी बांध सड़क सुरक्षा को लेकर सचेत किया। वहीं पुलिस ने हेलमेट पहनाकर विदा किया। सोमवार को पुलिस अधीक्षक गढ़वा दीपक पांडेय के निर्देश पर सड़क सुरक्षा को लेकर अनूठा पहल करते हुए एसडीपीओ नीरज कुमार, डीएसपी चिरंजीवी मंडल, पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार तथा थाना प्रभारी विष्णु कांत ने 50 बाइक सवारों को हेलमेट पहनाया। वही हिदायत दी गई कि भविष्य में कभी भी बिना हेलमेट के बाइक नहीं चलाए। मौके पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय

राखी बांधती छात्राएं।

की छात्राओं ने सभी को राखी बांधकर सुरक्षित यात्रा की कामना की। मौके पर एसडीपीओ के कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर यह जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। मेराल थाना पुलिस के पहल पर फ्लाई ओवर निर्माण कार्य करा रहे एमजी कंस्ट्रक्टर द्वारा हेलमेट की व्यवस्था की गई जिसे जरूरतमंद बाइक सवारों को निःशुल्क बनाया गया। मौके पर एमजीसीपीएल के हेड एडमिन जफर हसन, एसआई निरंजन पांडेय, प्रेम प्रकाश पांडेय, रवि कुमार, दीपक कुमार, एएसआई सवानंद महतो, उपेन्द्र सिंह, नितिश कुमार, समाजसेवी अजय प्रसाद गुप्ता, संजय भगत, दशरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद, लक्ष्मी विश्वकर्मा सहित पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

सीएम नीतीश ने वृक्ष को बांधा रक्षा सूत्र, किया पौधरोपण

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को रक्षा बंधन एवं बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस पर पटना स्थित राजधानी वाटिका में 'बाम्बेक्स इपलीटिका' वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधा। साथ ही 'डोरंडा' पौधे का रोपण भी किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 13 अगस्त, 2012 को रक्षा बंधन पर बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य है कि पर्यावरण के प्रति लोग जागरूक हों। जल-जीवन-हरियाली एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। राज्य में इको टूरिज्म को भी बढ़ावा देने की दिशा में भी तेजी से काम आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की योजनाओं एवं प्रयासों से राज्य के लोग पर्यावरण एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण तथा पौधरोपण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इस अवसर पर सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विजय कुमार चौधरी, मंत्री डॉ प्रेम कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुखिया पर योजना बेचने का आरोप

खबर मन्त्र संवाददाता

केतार। प्रखंड के बलिगढ़ पंचायत के लाभुक आशा देवी पति शंभू साह ने उपायुक्त, उपविकास आयुक्त व अनमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिरसा सिंचाई कूप योजना के तहत मेरे नाम से कूप की स्वीकृति मिली थी। जिसका वर्क कोड 3497003003/आईएफ/708090 2930539 ग्राम खोंहर में आशा देवी के खेत में बिरसा संवर्धन सिंचाई कूप निर्माण योजना है। उक्त योजना में कार्य आदेश देने के लिए मुखिया ललिता कुमारी द्वारा 40000 रुपया की मांग बार बार किया जा रहा था, लेकिन मैं नहीं दे पाई। जिसके चलते मुखिया, रोजगार सेवक, पंचायत सेवक की मिलीभगत से किसी और से बेच दिया गया। उन्होंने आवेदन में जिक्र किया है कि मजदूरी मद से 1,41,169 रूपया और सामग्री मद से 50,000 रूपया निकासी हो चुका है। जबकि मेरा जमीन पर खाता 57 प्लॉट 696 पर खुदाई ही नहीं हुआ है। इस संबंध में मुखिया पति मनोरंजन कुमार ने दूरभाष पर बताया कि सारा आरोप बेबुनियाद है। मेरे द्वार किसी तरह का कोई पैसा का मांग नहीं किया गया है। जबकि आशा देवी किसी और के नाम से कूप है और इनके द्वारा कहा जा रहा है मेरा है जो सरासर गलत है।

पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष दिल्ली में विश्व मैथिल मंच द्वारा हुए सम्मानित

अररिया। नई दिल्ली के द्वारका स्थित बिहार सदन में अंतर्राष्ट्रीय संस्था विश्व मैथिल मंच की ओर से सोमवार को एक कार्यक्रम में अररिया जिला पत्रकार संघ के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष राकेश कुमार भगत को सम्मानित किया गया। विश्व मैथिल मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधे श्याम मिश्रा ने मिथिला और मैथिल सभ्यता संस्कृति का प्रतीक पाग एवं फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर राष्ट्रवादी कवि विधु शेखर, गोपाल ठाकुर आदि मौजूद रहे। अररिया जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष के रूप में राकेश कुमार भगत के निर्वाचन पर संस्था के संरक्षक त्रिलोक नाथ झा, राष्ट्रीय संयोजक सह अध्यक्ष खुशबू पाठक, स्वस्ति झा, सचिव मनोज कुमार झा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीदेव झा उर्फ पोलो झा, राष्ट्रीय महासचिव प्रकाश नाथ मिश्रा, झारखंड के

संयोजक सुबीर कुमार, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष इंद्रकांत ठाकुर, शिव शंकर झा, राजेश कुमार मिश्रा, संजय पाठक, करिश्मा झा ,मनीष पाठक आदि ने बधाई दी। उन्होंने भरोसा जताया कि पत्रकारिता के विभिन्न आयामों के साथ साथ सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों को अबाध गति से आगे ले जाने का काम करेंगे।

मदरसों में पढ़ाई जा रही किताब 'तालीम-उल-इस्लाम' में गैर-मुस्लिमों को काफिर बताया

एजेंसी

पटना। बिहार के मदरसों में पढ़ाई जा रही किताब 'तालीम-उल-इस्लाम' में गैर-मुस्लिमों को काफिर बताया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा, तालीम-उल-इस्लाम किताब को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसे किफायतुल्लाह साहब ने लिखा है। अभी बिहार के मदरसों में बच्चों को बड़े पैमाने पर पढ़ाया जा रहा है। इन मदरसों में गैर-हिंदुओं के भी दाखिला लेने की खबरें हैं। इस पुस्तक को बिहार राज्य मदरसा बोर्ड ने सलेक्ट किया है।

प्रियंका कानूनगो के मुताबिक जब आप वेबसाइट पर जाते हैं और इस लिंक को क्लिक करते हैं तब यह लिंक आपको पाकिस्तान में रीडायरेक्ट करता है और जब हम उसका अंग्रेजी अनुवाद पढ़ते हैं तो उसके पेज नंबर 20 और 22 में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि जो

लोग एक से ज्यादा भगवान को मानते हैं, वो काफिर हैं। बिहार सरकार ने भी माना है कि वहां मान्यता प्राप्त मदरसों में बड़े पैमाने पर हिंदू बच्चे भी पढ़ रहे हैं। इसमें हिंदू बच्चों को ये बताना कि वो एक से ज्यादा भगवान में विश्वास करेंगे तो काफिर कहलाएंगे, एकदम गलत बात है। ऐसे में बच्चों में मनोवैज्ञानिक रूप से गलत असर पड़ेगा। उनके विकास में बाधा उत्पन्न होगी। उनके अंदर एक हीन भावना का विकास होगा।

मंत्री प्रेम कुमार ने कहा, जांच होनी चाहिए

बिहार सरकार में भाजपा के मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि देश के कई राज्यों में इस बात को लेकर चर्चा हुई है। ये देशहित में नहीं है। उन स्थानों (मदरसा) पर निश्चित तौर पर जांच होनी चाहिए। उनके गतिविधियों की जानकारी सरकार तक होनी चाहिए। यदि कोई सरकार विरोधी या राष्ट्र विरोधी काम कर रहा है तो हमारा मानना है कि ऐसे संस्थाओं की जांच होनी चाहिए। उन पर अंकुश लगनी चाहिए।

भारत पड़ोसी देशों से आये अल्पसंख्यक प्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करेगा : गोयल

- दिल्ली में पाकिस्तान से आई महिला शरणार्थियों ने पीयूष गोयल को राखी बांधी
- गोयल ने राखी के अवसर पर महिला सीएए नागरिकता लाभार्थियों से मुलाकात की

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान से दिल्ली आईं शरणार्थी निवासी महिलाओं ने सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को राखी बांधी। इसके साथ ही गोयल ने साध्वी ऋतंभरा और ब्रह्मकुमारी बहनों के साथ भी रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण इन सभी बहनों को सीएए के तहत भारत की नागरिकता मिल पाई है। गोयल ने आगे कहा कि नागरिकता अधिनियम उन प्रवासियों को सुरक्षा प्रदान करेगा, जिन्हें सीएए के तहत राष्ट्रीयता दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम ने सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है, जो आपका अधिकार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा रक्षाबंधन उत्सव है।

गोयल ने कहा कि आज रक्षाबंधन के पर्व पर अपनी बहनों से राखी बंधवाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण इन सभी बहनों को सीएए के तहत भारतीय नागरिकता मिल पाई है। आप सभी सदा खुश रहें, यही मनोकामना है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने-अपने आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार स्कूली बच्चों के साथ मनाया। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी वीडियो और तस्वीरें साझा की गई हैं। इसमें बच्चे उन्हें राखी बांध रहे हैं। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में देश भर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों और विद्यार्थियों के साथ रक्षा बंधन मनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रक्षाबंधन दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास 7 लोककल्याण मार्ग पर मनाया। उन्होंने स्कूली लड़कियों के साथ विशेष उत्सव की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, अपने युवा दोस्तों के साथ रक्षा बंधन मनाकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में वे बच्चों के साथ मिल रहे हैं और संवाद कर रहे हैं। एक छात्रा ने पूछा कि आपने हमें विकसित भारत का सपना दिखाया। हमें इसके लिए क्या करना चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें स्वस्थ्य रहना चाहिए, स्वच्छता रखनी चाहिए। स्वच्छता से समाज स्वस्थ होता है। देश के लिए हम क्या कर सकते हैं, अगर हम कर सकते हैं तो भलाई का काम करें।

GURU NANAK HR. SEC. SCHOOL
RANCHI-834 001 (Jharkhand)
NOTICE
The Application Form for the New Membership (Life/General) of Guru Nanak Higher Secondary School, Ranchi will be available at the school office from 21st August 2024 to 30th June 2025, for the Session 2025-2028, on working days between 11am to 2pm. Any Sikh above 18 years of age, who is permanent resident of Ranchi can apply by showing his original Aadhar Card.
Sd/- Secretary
*Condition Apply.
Note:- Existing General members can apply for life membership. A Person desirous of joining the Society shall apply in person (along with their Aadhar Card).
Ad.Profile/RN/2024

मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जाएंगे, जेलेन्स्की से होगी मुलाकात

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 अगस्त को रूस के साथ युद्ध में तबाह यूक्रेन की यात्रा पर जाएंगे जहां उनकी यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेन्स्की के साथ संघर्ष के समाधान के उपायों पर चर्चा होने की संभावना है। श्री मोदी इससे पहले 21 एवं 22 अगस्त को पोलैंड की यात्रा पर वारसा में रहेंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में श्री मोदी की इस बहुचर्चित यात्रा के बारे में जानकारी दी। श्री मोदी सबसे पहले पोलैंड की यात्रा करेंगे। उसके बाद एक दिन की संक्षिप्त यात्रा पर यूक्रेन की राजधानी कीव जाएंगे।

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का टीजर रिलीज

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य के रक्षक छावा संभाजी महाराज की बायोपिक अब सिल्वर स्क्रीन पर फिल्म 'छावा' के माध्यम से दर्शकों के सामने आ रही है। 'छावा' का रोमांचक टीजर रिलीज हो चुका है और छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में विक्की कौशल ने अपनी छाप छोड़ी है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उत्तेकर ने किया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन संघर्ष विराम के लिए पश्चिम एशिया रवाना

एजेंसी

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। हमास और इजराइल के बीच जारी युद्ध की ताजा कड़ी में इजराइली हमलों में 28 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने यह हमला गाजा में शनिवार रात और रविवार को किया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन संघर्ष विराम समझौता कराने के लिए रविवार को पश्चिम एशिया के लिए रवाना हुए। अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने की दिशा में दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद करीब पहुंचते दिख रहे हैं। अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर आशा व्यक्त की है लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं। संघर्षविराम प्रस्ताव में तीन चरण वाली प्रक्रिया की बात कही गई है, जिसके तहत हमास सात अक्टूबर को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों को रिहा करेगा। बदले में, इजराइल गाजा से अपनी सेना वापस बुलाएगा और फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मध्यस्थों को इस युद्ध के समाप्त होने की उम्मीद है, जिसमें 40,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अलिसा मरियम बुढ़

न्यु प्राथमिक विद्यालय बिचिटाड़ नवाडीह रामगढ़

रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जय नकुल सिंह

न्यू प्राथमिक विद्यालय कोरहटी रामगढ़

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सत्येंद्र नाथ तिवारी

पूर्व विधायक, गढ़वा

भवनाथपुर विधानसभा के सभी महानुभावों सहित संपूर्ण देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

भानु प्रताप शाही

विधायक, भवनाथपुर, गढ़वा

78वां स्वतंत्रता दिवस पर समस्त लातेहार जिला व प्रखंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

आइये हम सभी मिलकर लातेहार जिले के विकास में अपनी भुमिका निभाएं एवं लातेहार प्रखंड को राज्य का सबसे आदर्श व विकसित प्रखंड बनाये

मनोज तिवारी

प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार

अरविंद देवाशीष टोप्पो

अंचल अधिकारी लातेहार

रघुनंदन राम

प्रभारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी लातेहार

हीरा सिंह

लातेहार

जन वितरण प्रणाली संघ लातेहार

78 वां स्वतंत्र दिवस के पावन अवसर पर समस्त लातेहार जिला वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

बनवारी साहु महाविद्यालय लातेहार

कालीचरण सिंह

सांसद सह अध्यक्ष

प्रो. प्रदीप कुमार तिवारी

प्राचार्य

कृष्णा प्रसाद गुप्ता

एनजीओ अध्यक्ष

अंजू गुप्ता

सचिव